



74,000+
Employees

स्वाइन फ्लू को लेकर आईसीएमआर ने दी बड़ी जानकारी

एजेंसी ► नई दिल्ली

देश में स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 का कोई नया और खतरनाक रूप नहीं फैल रहा है। लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिकों ने सब साफ कर दिया है। आईसीएमआर का कहना है कि देश में फ्लू का कोई नया वैरिएंट नहीं मिला है। यह पुराना ही है। मेडिकल भाषा में इसे 'ए/मिसोरी / 1 1 / 2 0 2 5 (एच1एन1)पीडीएम09-लाइक' वायरस कहते हैं।



मौजूदा वैक्सीन को बताया असरदार

आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने वैक्सीन को लेकर भी बहुत काम की बात बताई है। उन्होंने कहा कि भारत में जो वायरस अभी घूम रहा है, वह वैक्सीन से पूरी तरह मैच खाता है। यानी उत्तरी गोलार्ध के लिए जो फ्लू वैक्सीन बनाई गई है, वह इस वायरस पर एकदम असरदार है। यह एक सेल्फ-लिमिटिंग बीमारी है, यानी थोड़े दिनों में अपने आप ठीक हो जाती है। मरीज को बस सही समय पर खाना, पानी और पूरा आराम चाहिए होता है। ज्यादातर लोग घर पर ही आराम करके 3-4 दिनों में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं।

वायरस से जुड़ी 5 बड़ी बातें

- कोई नया वैरिएंट नहीं: देश में एच1एन1 का वही स्ट्रेन फैल रहा है, जो पहले से मौजूद था।
- 2025 से एक्टिव है स्ट्रेन: यह वायरस पिछले साल से ही भारत में घूम रहा है।
- वैक्सीन पूरी असरदार: मौजूदा फ्लू वैक्सीन इस वायरस पर पूरी तरह काम कर रही है।
- घर पर आराम से ठीक होती है बीमारी: सही देखभाल, तरल पदार्थ और पर्याप्त आराम से जल्द जल्दी स्वस्थ होंगे
- सरकार रख रही पूरी नजर: आईसीएमआर और स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

डॉ. गुलेरिया ने बताए लक्षण

यह प्रतिरोधक क्षमता को भी चकमा देने में सक्षम, घबराएं नहीं

दिल्ली-एनसीआर में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बढ़ रहे मामलों से अधिक चिंता इस वायरस के बदलते स्वरूप को लेकर है। नई दिल्ली स्थित एनसी के पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने भी इसको लेकर चेताया है। उन्होंने कहा कि वायरस के इस बदलते स्वरूप को मेडिकल की भाषा में एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहा जाता है। इसके कारण यह वायरस पहले से अधिक संक्रामक हो गया है और लोगों में पहले से मौजूद प्रतिरोधक क्षमता को भी चकमा देने में सक्षम है।



मौसम वायरस के म्यूटेशन के साथ-साथ मानसून का मौसम भी इसके प्रसार में बड़ी भूमिका निभा रहा है। बारिश और हवा में नमी के कारण वायरस वातावरण में लंबे समय तक जीवित रहता है, जिससे यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल रहा है।

खबर संक्षेप

चर्चित अभिनेत्री आशा सिंह का निधन

मुंबई। सिनेमा जगत ने एक और दिग्गज हस्ती को खो दिया है। फिल्म और टेलीविजन की अभिनेत्री आशा सिंह का शुक्रवार को निधन हो गया। आशा की मौत फेफड़ों के संक्रमण से लंबी लड़ाई के बाद हुई। वे बीमारी से जूझ रही थीं। मनोरंजन जगत का चहेता चेहरा रही आशा ने कई दशकों तक सिनेमा और टेलीविजन में अहम योगदान दिया।

ची में मिलावट, 3 ब्रांडों की बिक्री पर लगी रोक

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामले में दो कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। नई दिल्ली की मांश रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। दमन की एसडीपी इंस्ट्रुक्टीव प्राइवेट लिमिटेड को सभी ची की बिक्री तुरंत बंद करने को कहा है।

रोहित के पीए की बेटी की संदिग्ध हालत में मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में राकोंपा (शरद गुरु) के विधायक रोहित पवार के पीए की 12 वर्षीय बेटी का शव रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है। बताया जा रहा कि शनिवार को बच्ची की अपनी मां से किसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वह गुस्से में अपने घर से निकल गई थी।

मुंबई में गणेश प्रतिमा गिरी, 2 लोगों की मौत

मुंबई। भुलेश्वर इलाके में शनिवार रात भुलेश्वरचा राजा गणपति मंडल की करीब 3 टन वजन की गणेश प्रतिमा पंडाल में स्थापित करने से पहले ही गिर गई। हादसा बलराम मर्चेंट रोड, कबूतरखाना, जय अंबे चौक, भुलेश्वर इलाके में हुआ। बताया गया 22 अगस्त की रात में गणेश प्रतिमा के आगमन समारोह के दौरान यह हादसा हुआ।

हरिद्वार संत समागम में बोले केंद्रीय मंत्री शिवराज

सीएम धामी ने किया समर्थन



एजेंसी ► हरिद्वार

हरिद्वार के प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संत समागम को संबोधित करते हुए एक राष्ट्र-एक चुनाव की ताकत और आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बार-बार होने वाले चुनावों को देश की प्रगति के लिए बाधक बताते हुए संत समाज से इस संवैधानिक परिवर्तन के लिए जनजागरण का आह्वान किया। उत्तराखंड सीएण पुकर सिंह धामी ने भी चौहान के साथ जुड़कर समर्थन व्यक्त किया।

यह वायरस 2025 से ही मौजूद, देश में एच1एन1 का कोई नया स्ट्रेन नहीं, किसी को इससे डरने की कोई जरूरत नहीं

वायरस ने बदल ली अपनी शक्ल

डॉ. रगुलेरिया ने इस प्रकोप के पीछे के प्रमुख कारणों की विस्तार से समझाया है। स्वाइन फ्लू वायरस की बाहरी संरचना समय के साथ धीरे-धीरे बदलती है। इसे ठीक वैसे समझा जा सकता है जैसे कोई अपराधी पहचान छिपाने के लिए भेष बदलता रहता है। संरचना बदलने के कारण नया स्ट्रेन पिछले स्ट्रेन की तुलना में अधिक तेजी से फैलता है। जिन लोगों ने पहले वैक्सीन लगावाई है या जो पहले इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं उनके शरीर का इम्यून सिस्टम पुराने वायरस को पहचानता है। जब वायरस अपनी शक्ल बदल लेता है तो शरीर का सुरक्षा तंत्र इसे तुरंत पहचान नहीं पाता है जिससे टीका लगवा चुके लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।

चीनी संकट पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला

एथनॉल की वजह से बढ़ रही चीनी की कीमत, तत्काल समीक्षा करनी चाहिए

गाड़ियों को हो रहे कथित नुकसान को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश



तिवारी बोले गन्ने के डायवर्जन से चीनी के दाम उछले, इसकी जांच की जाए

कांग्रेस सांसद मनोप तिवारी ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलावट की सरकारी नीति और गन्ने के इस्तेमाल को लेकर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के डायवर्जन से चीनी के दाम बढ़कर 70 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं



मनीष तिवारी

गन्ने के इस्तेमाल के कारण देश में चीनी की कीमतें बढ़कर 70 रुपये प्रति किलो हो गई हैं। एथेनॉल मिश्रण (ब्लेंडिंग) से गाड़ियों के इंजन और माइलेज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने यह मांग की है कि एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने और अन्य संसाधनों का आवंटन किस प्रकार किया जा रहा है, इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।

खरगे ने केंद्र पर बोला हमला

महंगाई और घटते स्टॉक पर केंद्र सरकार को घेरा

चीनी के दामों और नीतियों पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। खरगे ने महंगाई और घटते स्टॉक पर सरकार को घेरा है। खरगे ने ई20 इथेनॉल नीति की समीक्षा की मांग की है। खरगे ने आगामी त्योहारों से ठीक पहले देश में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। 9 साल के निचले स्तर पर स्टॉक: खरगे ने सवाल उठाया कि भारत जैसे बड़े चीनी उत्पादक देश में स्टॉक 9 साल के सबसे निचले स्तर पर कैसे पहुंच गया और सरकार को इयूटी-पीओ आयात का फैसला क्यों करना पड़ रहा है। खरगे ने आरोप लगाया कि पिछले तीन महानों में चीनी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम जनता पर महंगाई का सीधा बोझ पड़ा है। खरगे ने तर्क दिया कि एक तरफ देश में चीनी की किल्लत है और विदेश से आयात हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ गन्ने और अनाज को ई20 इथेनॉल ब्लेंडिंग में झोंका जा रहा है, जिसकी तुरंत समीक्षा होनी चाहिए।



मल्लिकार्जुन खरगे

थरूर ने कहा

केंद्र सरकार आम जनता को राहत देने पर करे विचार

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने संसद में पेट्रोल में ई20 इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के रोलआउट, वाहन परफॉर्मेंस और जनता पर पड़ने वाले असर को प्रमुखता से उठाने की बात कही है। उन्होंने वैश्विक ऊर्जा संकट और इंजन के बढ़ते दामों पर भी चिंता जताई है। सरकार के इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के कार्यान्वयन और वाहन मालिकों की चिंताओं को संसद में उठाने की घोषणा की।



शशि थरूर

राउत भी भड़के

इन 12 सालों में क्या सस्ता हुआ, सप्लाई मोड़ी जा रही

चीनी की आसमान छूती कीमतों पर शिवसेना के सांसद संजय राउत काफी भड़क गए हैं। उन्होंने केंद्र की घनडी सरकार के पूरे 12 साल के कार्यकाल पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि मोदी के 12 सालों में मौत सस्ती हुई है। राउत ने कहा कि इन 12 सालों में क्या सस्ता हुआ है? मोदी जी के राज में 12 साल बीत चुके हैं। क्या सस्ता हुआ है? मौत सस्ती हो गई है। हाइसे सस्ते हो गए हैं।



संजय राउत

राम मंदिर चंदा चोरी

चंपत के ‘लेटर बम’ ने बढ़ाई गरमी ट्रस्ट और समिति में बढ़ रही दूरियां

एजेंसी ► अयोध्या

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राम मंदिर निर्माण समिति के बीच तलखी अब सिर्फ चर्चाओं तक सीमित नहीं रह गई है।



ट्रस्ट और समिति के बीच बढ़ती दूरी का असर औपचारिक बैठकों में साफ दिखाई देने लगा है। चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट की हुई दो बैठकों से निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की गैरमौजूदगी और निर्माण समिति की

बीच बढ़ती दूरी का असर औपचारिक बैठकों में साफ दिखाई देने लगा है। चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट की हुई दो बैठकों से निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की गैरमौजूदगी और निर्माण समिति की

थी, वहाँ अब यह प्रतिनिधित्व गायब है। राय और मिश्र के पद से हटने के बाद ट्रस्ट की ओर से निर्माण समिति की बैठकों में किसी पदाधिकारी की मौजूदगी न होना गंभीर बना रहा है।

विशाखापट्टनम में ‘फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिलिंग’

11 देशों के खेल मंत्रियों ने दिया फिटनेस का संदेश

एजेंसी ► विशाखापट्टनम

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के 'फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिलिंग' कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने फिटनेस के महत्व और फिट इंडिया मूवमेंट की बढ़ती पहुंच को रेखांकित किया। मंडाविया ने कहा कि यहां में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर ब्रिक्स फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में फिट इंडिया मूवमेंट लगातार आगे बढ़ रहा है। आज देशभर में 18,000 से अधिक स्थानों पर युवा संडे ऑन साइकिलिंग के जरिए फिटनेस का संदेश फैला रहे हैं।



युवाओं को आर्थिक स्थिति और स्थानीय रोजगार के हिसाब से प्रशिक्षण

नीति आयोग ने स्किल गैप पर खड़े किए सवाल देश के 8.7 करोड़ युवा न पढ़ाई में, न कमाई में!

एजेंसी ► नई दिल्ली

भारत में युवाओं की शिक्षा और रोजगार को लेकर नीति आयोग की एक रिपोर्ट ने गंभीर तस्वीर सामने रखी है। रिपोर्ट के अनुसार 15 से 29 साल की उम्र के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं और न ही किसी तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

इन्हे नीट श्रेण्ड में रखा है। आयोग ने कहा है कि इस बड़ी आबादी को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केवल डिग्री या सामान्य ट्रेनिंग काफी नहीं होगी।

सब्सिडी वाली ट्रेनिंग की जरूरत पर दिया जोर



2021 के आंकड़ों को बनाया आधार

नीति आयोग ने साफ किया है कि नीट युवाओं से जुड़े ये अनुमान 2021 में हुए राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित हैं। रिपोर्ट में देश के कामगारों और सीखने वाले लोगों को 5 प्रमुख समूहों

में समझने की कोशिश की गई है। इनमें स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, औपचारिक और अनौपचारिक काम नीट युवा, महिलाएं और पढ़ाई के साथ कमाई करने वाले लोग शामिल हैं।

आर्थिक जरूरतों के कारण योग्यता से कम स्तर की नौकरी स्वीकार कर रहे

रिपोर्ट में उच्च शिक्षा के बाद रोजगार की स्थिति पर भी सवाल उठाया गया है। भारत में केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ही अपनी पढ़ाई के मुनाबिक नौकरी कर रहे हैं। कम आरं शुरू वाले परिवारों के छात्रों के लिए कॉलेज की फीस और टयूशन का खर्च पहले से ही चुनौती है। अलग से कोशल विकास पर पैसा खर्च करना उनके लिए आसान नहीं होता। कई युवा डिग्री पूरी करने के बाद परिवार की आर्थिक जरूरतों को देखते हुए अपनी योग्यता से कम स्तर की नौकरी स्वीकार कर लेते हैं। नौकरी पाने में परेशानी और जरूरी कोशल की कमी के कारण कुछ युवा आखिरकार नीट श्रेणी में पहुंच जाते हैं।

आर्थिक परेशानी भी एक वजह

नीति आयोग के मुताबिक नीट श्रेणी में आने वाले कई युवाओं के सामने पैसों की समस्या भी है। परिवार की आमदनी सीमित होने के कारण पहले की पढ़ाई पर हुआ खर्च ही बोझ बन जाता है। ऐसे में महंगे कोशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की फीस देना उनके लिए मुश्किल होता है। ऐसे युवाओं और महिलाओं को कम कीमत वाली या सब्सिडी वाली ट्रेनिंग के साथ आर्थिक सहायता भी मिलनी चाहिए। नीति आयोग ने साफ किया है कि नीट युवाओं से जुड़े ये अनुमान 2021 में हुए राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित हैं।

रात का अंधेरा और तेज बहाव बचाव कार्य में बड़ी चुनौती बना

क्षेत्रीय विधायक और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी मौके पर पहुंचे

सागर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल आबचंद गुफा के पास टला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज़ ►► सागर

सागर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल आबचंद गुफा के पास शनिवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पिकनिक मनाने पहुंचे सागर शहर के 9 युवक-युवतियां अचानक गंधेरी नदी का जलस्तर और बहाव बढ़ने के कारण बीच में बने एक टापू पर फंस गए। सूचना मिलते ही सानीया थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौका संभाला और देर रात चलाए गए

गंधेरी नदी का जलस्तर बढ़ा, टापू पर फंसे 9 लोग, एसडीआरएफ ने देर रात ‘बचाया’

भोपाल में रहेगा ऐसा ही मौसम

आज डिंडौरी, बालाघाट में अति भारी 9 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में 24 घंटे से बारिश में कमी रही है। इससे रविवार को दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़त हो गई। भोपाल, मलाजखंड, छिड़वाड़ा और टीकमगढ़ में पारा 3 डिग्री तक

उछलने से उमस का असर बढ़ गया। अब सोमवार से प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश कुछ बढ़ेगी, लेकिन ओवरऑल प्रदेश में मौसम का मिजाज अभी कुछ दिन ऐसा ही रहेगा। मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार तक डिंडौरी, बालाघाट में अति भारी तो 9 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

‘अल्फा जेन-जी’ का प्रदर्शन जारी

छात्राओं का अनोखा विरोध: जर्जर मार्ग पर धान रोपकर जताया गुस्सा

सड़क पर धार रोपते बच्चे

हरिभूमि न्यूज़ी ►► सागर

आज एसडीएम को ज्ञापन सौंपने की तैयारी

प्रदेश में अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे ‘अल्फा जेन-जी’ विद्यार्थियों के प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में सागर जिले के देवरी स्थित ग्राम पंचायत कांसखेड़ा से एक अनोखा विरोध प्रदर्शन सामने आया है। यहां शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तक जाने वाले जर्जर मार्ग से परेशान स्कूली छात्राओं और छात्रों ने सड़क पर बने कीचड़ भरे गड्ढों में धान रोपकर अपना विरोध दर्ज कराया। छात्राओं का कहना है कि स्कूल तक जाने वाला मुख्य रास्ता लंबे समय से कच्चा और बेहद खस्ताहाल है। बारिश के दिनों में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं, जिनमें पानी भरने से कीचड़ का आलम रहता है।

खबर संक्षेप

जोधपुर में आशुतोष रांका के कार्यक्रम में हंगामा

जोधपुर। गांधी शांति प्रतिष्ठान में आशुतोष रांका के कार्यक्रम के दौरान हंगामा हो गया। कार्यक्रम में भाजयुमो कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद माहौल गरमा गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। कार्यक्रम में सीजेपी के को-कन्वीनर आशुतोष रांका शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान एबीवीपी और भाजयुमो के कुछ कार्यकर्ता दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हो गए।

डीके शिवकुमार और गौतम अडाणी की बैठक

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को बेंगलुरु स्थित अपने निजी आवास पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की। राज्य के बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिहाज से इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुलाकात का मुख्य एजेंडा बेंगलुरु की महत्वाकांक्षी 16.75 किलोमीटर लंबी टनल रोड परियोजना (हेबबल से सेंट्रल सिल्क बोर्ड) रहा।

नदी में नहाते समय डूबे दो बच्चे, एक का शव मिला

सतना। जैतवारा में रेलवे पुल के पास सेमरवाल नदी में नहाने गए दो मासूम डूब गए। 10 से 12 वर्ष की उम्र के बच्चों में से एक को डूबता देख उसे बचाने के प्रयास में अर्श और मिराज तेज बहाव की चपेट में आ गए। 5 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने 2.5 किमी दूर एक बच्चे का शव बरामद किया। मोटर बोट और गोताखोरों की मदद से दूसरे बच्चे की तलाश जारी है।

छतरपुर में प्रेमिका को पाने की अंधी सनक दो मासूमों का अपहरण कर कुए में फेंका पुलिस ने बरामद किए दो भाइयों के शव

क्षेत्र में बढ़ा तनाव, आरोपी की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► छतरपुर

जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अपनी शादीशुदा प्रेमिका को पाने की अंधी सनक में एक सिरफिरे प्रेमी ने उसके दो मासूम बेटों का अपहरण कर उन्हें कुए में फेंक दिया। शुक्रवार से लापता दोनों सगे भाइयों के शव रविवार को पहाड़तरे के पुरवा स्थित एक कुए से

मृतकों के साथ आरोपी बरामद हुए। इस दोहरे हत्याकांड के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल है। लवकुशनगर के सिद्ध मोहल्ला निवासी निरपत यादव के दो बेटे सचिन (11) और प्रेम (9) शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे स्कूल से लौटते समय अचानक गायब हो गए थे।

परिवारिक मित्र ही निष्कला कतिल

छतरपुर एसपी रजत सकसेचा के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी बालकेश सिंह महिला का प्रेमी और परिवारिक मित्र था। उसका घर आना-जाना होने के कारण बच्चे आसानी से उसके साथ बाइक पर चले गए। आरोपी महिला को अपने साथ रखने की जिद पर अड़था और उसके कांटा हाटने के लिए उसने इस खौफनाक वादात को अंजाम दिया। घटना के बाद पुलिस बल तैनात कर आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है।

दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के ‘इक्विटी रेगुलेशन 2026’ और मौजूदा आरक्षण व्यवस्था के विरोध में परिसर में तनाव बढ़ा। यूजीसी के नए नियमों को वापस लेने और रोलबैक सिस्टम में सुधार की मांग को लेकर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर और कर्नाट प्लेस के आउटर सर्कल पर जमा हो गए। स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और

नारेबाजी करते प्रदर्शनकारी पूरे क्षेत्र को खाली करा दिया। बिना प्रशासनिक अनुमति के आयोजित इस प्रदर्शन को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने कड़े सुरक्षा इंजाम किए। स्थिति को संवेदनशीलता को देखते हुए लुटियंस दिल्ली, जय सिंह रोड, पार्लियामेंट स्ट्रीट और जंतर-मंतर पर भारी बैरिकेडिंग की गई।

सीजेपी की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आज केंद्र के वादों की समीक्षा करेगी पार्टी, बड़े आंदोलन का संकेत

काँकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आयोजित करने जा रही है। इस बैठक में केंद्र सरकार द्वारा 25 जुलाई को देशव्यापी अंदोलन वापसी के दौरान दिए गए वाशफर्स और वादों की प्रांतीय कार्य समिति की जांच होगी। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार अपने वादों से पीछे हटती है, तो इसे देश के युवाओं के साथ बढ़ा विश्वासता माना जाएगा।

पीएम मोदी व ट्रंप पर गोर ने कहा-वे दोनों ही आगे की सोचने वाले हैं, तेजी से काम करना चाहते हैं और नतीजों पर ध्यान देते हैं

ट्रंप-मोदी के करीबी रिश्तों पर भी दिया जोर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक बयान में कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाला व्यापार समझौता लगभग पूरा हो चुका है और सिर्फ अब कुछ कानूनी चीजें बची हुई हैं। अब दोनों पक्ष कानूनी और तकनीकी भाषा पर कार्य कर रहे हैं। यह जानकारी भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में गोर ने कहा कि समझौते की मुख्य बातें तय हो गई हैं और बाकी काम में टेक्स्ट के कुछ हिस्सों को फिर से व्यवस्थित और अंतिम रूप देना शामिल था। इसमें कानूनी और तकनीकी भाषा से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गोर ने कहा कि समझौते में सिद्धांत रूप से लगभग सब कुछ पूरा हो चुका है और अब बाकी काम मुख्य रूप से समझौते के लिखित स्वरूप को अंतिम रूप देने से जुड़ा है।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने की पुष्टि

भारत-अमेरिका की ट्रेड डील पूरी मसौदे को दिया जा रहा अंतिम रूप

गोर ने कहा कि सिर्फ अब कुछ कानूनी चीजें बची हुई हैं। अब दोनों पक्ष कानूनी और तकनीकी भाषा पर कार्य कर रहे हैं



ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करना चाहते हैं

मार्क रुबियो अक्टूबर में कई दिनों की एक और यात्रा के लिए भारत लौटेंगे

पीएम मोदी ट्रंप के सच्चे दोस्त

गोर ने ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच करीबी रिश्तों पर भी जोर दिया और उनके संबंधों को गहरी और व्यक्तिगत दोस्ती बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता काम करने में विश्वास रखने वाले और

नतीजों पर ध्यान देने वाले हैं, और वे आपसी हित के मुद्दों पर तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे दोनों ही आगे की सोचने वाले हैं, तेजी से काम करना चाहते हैं और नतीजों पर ध्यान देते हैं।

रूस से तेल खरीद पर 100 फीसदी टैरिफ पर हम सहमत

अमेरिकी राजदूत ने अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित उस कानून को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर भी बात की, जिसके तहत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कदम को जर्नीतिक दलों के दोनों पक्षों के नेताओं का समर्थन मिल रहा है और इस बात पर जोर दिया कि यह व्हाइट हाउस की तरफ से शुरू की गई।

रक्षा मंत्रालय में तैनात थी महिला अफसर 7 माह पहले हुई थी शादी, शव घर में पंखे से लटका हुआ मिला

पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप

नाजिया खानम करीब 3 महीने की प्रेग्नेंट थी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली में द्वारका के भरथल गांव में 30 वर्षीय नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक महिला रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी (एएसओ) के पद पर तैनात थीं। द्वारका जिला पुलिस ने मामले में महिला के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 108 के तहत प्रारंभिकी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 अगस्त को दिन में 4:21 बजे पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) को भरथल गांव में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सेक्टर-23 द्वारका थाना पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार जिस महिला का शव मिला, उनकी शादी इसी वर्ष 11 अप्रैल को ही मो. आजम अली खान के साथ मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के सात महीने के भीतर मामला होने के कारण पुलिस ने तुरंत संबंधित एसडीएम (कार्यकारी मजिस्ट्रेट) को सूचित किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डीडीयू अस्पताल के शवगृह में भिजवाया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि नाजिया खानम के ससुराल वाले उसके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट करते थे।

अगले दिन लगाए गंभीर आरोप

21 अगस्त को प्राथमिक पूछताछ के दौरान एसडीएम के समक्ष मृतक महिला के परिजनों ने अपने लिखित बयान में किसी भी प्रकार का संदेह या आरोप व्यक्त नहीं किया था। हालांकि, 22 अगस्त को परिजनों ने पुनः एसडीएम के सामने पेश होकर एक नई शिकायत दर्ज कराई, जिसमें पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ना व अन्य गंभीर आरोप लगाए गए। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 22 अगस्त को थाना सेक्टर-23 द्वारका में मामला दर्ज कर लिया। द्वारका जिला पुलिस उपपुलिस के अनुसार, पीसीआर काल मिलते ही पुलिस ने तुरंत और निष्पक्ष कार्रवाई की है।

कुबेरेश्वरधाम कांवड़ यात्रा: 1200 जवानों ने संभाली जिम्मेदारी

मंगलवार को लंबा रूट डायवर्ट होगा

हरिभूमि न्यूज़ ►► सीहोर

सावन मास के अंतिम चरण में कुबेरेश्वरधाम में भक्ति और आस्था का महासागर उमड़ पड़ा है। एक दिन बाद 25 अगस्त को कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में सीवन नदी तट से कुबेरेश्वरधाम तक कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। इंदौर व भोपाल हाईवे पर सोमवार को 15 किमी का रूट डायवर्ट रहेगा। यात्रा को लेकर विठलेश सेवा समिति और जिला प्रशासन



आयोजन से पहले ही दूर-दराज से पहुंचे हजारों श्रद्धालु

द्वारा यातायात, पाकिंग, सभो तैयारियों को अंतिम रूप दे चिकित्सा और सुरक्षा संबंधी दिया गया है।

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026: दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारी हंगामा

दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिए प्रदर्शनकारी कर्नाट प्लेस और संसद मार्ग छावनी में तब्दील

सीजेपी की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आज केंद्र के वादों की समीक्षा करेगी पार्टी, बड़े आंदोलन का संकेत

काँकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आयोजित करने जा रही है। इस बैठक में केंद्र सरकार द्वारा 25 जुलाई को देशव्यापी अंदोलन वापसी के दौरान दिए गए वाशफर्स और वादों की प्रांतीय कार्य समिति की जांच होगी। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार अपने वादों से पीछे हटती है, तो इसे देश के युवाओं के साथ बढ़ा विश्वासता माना जाएगा।

कामयाबी: तीन भारतीयों को अंतरिक्ष में उतारेगा भारत, 3 दिन रहकर फिर होगी सुरक्षित वापसी

एजेंसी ►► श्रीहरिकोटा

इसरो का अब तक का सबसे बड़ा मिशन गगनयान अगले चार महीने बाद लॉन्च किया जा सकता है। यह देश का पहला मानव मिशन है, इसरो चीफ डॉ. वीनारायणन के मुताबिक मानव मिशन से पहले भारत तीन मानव रहित उड़ानें भरेगा। अब तक इस मिशन के लिए 8 हजार से ज्यादा परीक्षण किए जा चुके हैं। इसरो चीफ ने ये भी बताया कि गगनयान मिशन के साथ भारत और किन मिशनों पर अपना फोकस कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अब केवल उपग्रह लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने, गहरे अंतरिक्ष की खोज करने और अपना खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के एक बड़े विजन पर काम कर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया में भारत अब एक नया इतिहास रचने जा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने आने वाले मिशन्स के जरिए देश को दुनिया की महाशक्तियों की कतार में सबसे आगे खड़ा करने की तैयारी में है। सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक फैक्ट-शीट के मुताबिक, भारत अब इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने, गहरे अंतरिक्ष की खोज और आधुनिक स्पेस स्टेशन बनाने के एक नए दौर में कदम रख रहा है।

गगनयान से वीनस मिशन तक, अंतरिक्ष में नई उड़ान भरने को तैयार भारत

खास बातें

- अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किमी ऊपर कक्षा में रखा जाएगा
- 20,193 करोड़ में 8 मिशन पूरे किए जाने का लक्ष्य रखा गया
- भारत 2035 तक अपना खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा
- अंतरिक्ष में दो या उससे ज्यादा स्पेसक्राफ्ट्स को आपस में जोड़ेगे



फाइल फोटो

भारत का अपना स्पेस स्टेशन

सरकार ने इसका कुल बजट बढ़ाकर 20,193 करोड़ रुपए कर दिया है, जिसके तहत कुल 8 मिशन पूरे किए जाएंगे। इस मिशन का मुख्य मकसद तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किलोमीटर ऊपर कक्षा में भेजकर तीन दिनों तक रखना और सुरक्षित वापस लाना है।

पहले बिना इंसानों वाला गगन यान जाएगा

इंसानों को भेजने से पहले, तकनीक की जांच के लिए इसी साल के अंत में एक बिना इंसानों वाला मिशन भेजा जाएगा, जिसमें व्योममित्र (हाफ-ह्यूमनॉइड रोबोट) को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके बाद 2027 तक इंसानों वाला पहला गगनयान मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, भारत 2035 तक अपना खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएसएस) स्थापित करने जा रहा है। इसका पहला मॉड्यूल बीएसएस-01 साल 2028 तक लॉन्च किया जाएगा, जहां भारतीय वैज्ञानिक लंबे समय तक रहकर रिसर्च कर सकेंगे।

मार्च-28 में वीनस ऑर्बिटर मिशन लॉन्च होगा, शुक्र पर होगी रिसर्च

चंद्रमा और मंगल के बाद इसरो अब शुक्र ग्रह पर फतह हासिल करने की तैयारी में है। मार्च 2028 में वीनस ऑर्बिटर मिशन लॉन्च किया जाएगा, जो शुक्र ग्रह के वातावरण और वहां की जमीन का अध्ययन करेगा। अंतरिक्ष में दो या उससे ज्यादा स्पेसक्राफ्ट्स को आपस में जोड़ने के लिए इसरो स्पेडेक्स मिशन्स पर काम कर रहा है। यह तकनीक भविष्य में चंद्रयान-4, गगनयान और स्पेस स्टेशन के लिए रीढ़ की हड्डी साबित होगी।

रॉकेट तकनीक में बड़ा बदलाव

भारी उपग्रहों और पेलोड को ले जाने के लिए इसरो एक ताकतवर 200-टन क्षमता वाला सेमी-क्रायोजेनिक इंजन बना रहा है। साथ ही, लॉन्चिंग का खर्च घटाने के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट और नई जनरेशन के एनजीएलवी रॉकेट पर तेजी से काम चल रहा है, जो तरल ऑक्सीजन और मीथेन से चलेंगे। इन नई तकनीकों के दम पर भारत न सिर्फ अंतरिक्ष में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएगा, बल्कि आने वाले समय में दुनिया के लिए कम लागत वाली भरोसेमंद स्पेस टेक्नोलॉजी का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश-पीएम रहमान को भारत दौरे की जल्दी नहीं

ढाका। बांग्लादेश ने कहा है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं है, विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूँ कबीर ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बात में प्रगति होने के बाद ही रहमान की भारत यात्रा होगी। वहीं, शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा दोनों देशों के बीच जारी बातचीत अटकी हुई है।

ओमान हादसे में एक भारतीय की मौत, नौ लोग घायल

दुबई। ओमान में एक गाड़ी के पलटने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को सुल्तान सईद बिन तैमूर स्ट्रीट पर हुई। ओमान पुलिस ने एक्स पर बताया कि दो घायलों को अल हेमा गवर्नरट से निजवा अस्पताल पहुंचाने के लिए एक अभियान चलाया।

कांगो में इबोला से अब तक 2,300 की मौत

किंशसा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप विकराल रूप ले चुका है। 15 मई 2026 को घोषित इस महामारी में अब तक लगभग 5,000 लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 2,325 मरीजों की मौत दर्ज की गई है। पड़ोसी देश युगांडा में भी इसके मामले देखे जा रहे हैं।

1 सितंबर से बोर्डिंग पास पर स्टैमिंग होगी खत्म

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों को बड़ी राहत दी है। आब्रजन ब्यूरो (बीआईआई) के फैसले के अनुसार, आगामी 1 सितंबर से देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर बोर्डिंग पास पर फिजिकल स्टैमिंग (मुहर लगाने) की अनिवार्यता खत्म कर दी जाएगी।

जिनपिंग के भारत दौरे से पहले कूटनीतिक हलचल

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल सोमवार को बीजिंग पहुंचेंगे। वहां वे मंगलवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-चीन सीमा विवाद पर स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स (एसआर) स्तर की 25वें दौर की वार्ता में शामिल होंगे। 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएससी) पर शांति और स्थिरता स्थापित करने के उद्देश्य से यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह महत्वपूर्ण बैठक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा से ठीक पहले हो रही है। शी

जहाज निर्माण में भारत की बड़ी छलांग की तैयारी

भारत के लिए वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में जगह बन रही है

एजेंसी ►► कोलकाता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की जहाज निर्माण क्षमता को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने की संभावना जताई है। कोलकाता में उन्होंने रक्षा क्षेत्र से जुड़ी पांच विस्तार योजनाओं की आधारशिला रखी, जिन पर करीब 3,500 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। इनमें तीन परियोजनाएं जीआरएसई और दो यंत्र इंडिया लिमिटेड की हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। उन्होंने कोलकाता से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुर्वेदु अधिकारी भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब 3,500 करोड़ की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक खाली जगह बन रही है और भारत इस अवसर का लाभ उठा सकता है। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो परियोजनाएं शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार विकास के नए पुनर्जागरण की शुरुआत के लिए कदम उठाएगी। कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं ने ले ली है।

सरकार ने जारी किया अलर्ट ‘रेंट ए बॉयफ्रेंड’ स्कैम: साइबर ठगी का आ गया नया जरिया

एजेंसी ►► नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर ‘रेंट ए बॉयफ्रेंड’ (बॉयफ्रेंड किराए पर ले) के नाम से चल रहे एक नए साइबर फ्रॉड को लेकर चेतावनी जारी की है। साइबर अपराधी इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर आकर्षक पोस्ट्स और फर्जी फोटोज और वीडियो के अपने शिकार बना रहे हैं। ठग इसमें कई तरह के

ऑफ़र्स पेश करते हैं-जैसे एक घंटे की कॉफी मीटिंग के लिए 499 रुपए, फिल्म डेट के लिए 1,249 रुपए और किसी इवेंट या शादी में जाने के लिए 1,999 रुपए। बुकिंग कंपनं करने, सिक्वोरिटो डिपॉजिट और एडवांस पेमेंट के नाम पर डिजिटल वॉलेट या क्यूआर कोड से पैसे ट्रांसफर कराए जाते हैं। रकम मिलते ही ठग यूजर को ब्लॉक कर देते हैं।इस फ्रॉड में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाई गई फर्जी प्रोफाइल्स का इस्तेमाल होता है। चैटिंग के दौरान निजी जानकारी और फोटोज हासिल कर ठग पीडिंटों को ब्लैकमेल कर सकते हैं।

19 इलाकों में एयर डिफेंस सक्रिय

एजेंसी ►►गोंरको

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटों के भीतर यूक्रेन के 250 ड्रोन को नष्ट कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे (मॉस्को समय) के बीच रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को समेत 19 इलाकों में 250 यूक्रेनी फिक्सड-विंग ड्रोन मार गिराए। इसके अलावा, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्जानिन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में मॉस्को क्षेत्र की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन शहर से दूर बाहरी इलाकों में ही वायु रक्षा प्रणालियों की ओर से निष्क्रिय कर दिए गए। मेयर के अनुसार, मॉस्को की ओर आते समय कुल 493 ड्रोन नष्ट किए गए। इससे पहले शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 11 बस्तियों पर कब्जा किया और यूक्रेनी सेना के खिलाफ एक बड़े और नौ सामूहिक

रायचक में नदी किनारे 32 एकड़ जमीन भी ली गई

जीआरएसई के एक अधिकारी ने बताया कि क्षमता विस्तार के तहत कंपनी ने हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) के साथ लीज समझौते किए हैं। इसके अलावा रायचक में नदी किनारे 32 एकड़ जमीन भी ली गई है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से युद्धपोतों के निर्माण और उनकी मरम्मत की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा, ये परियोजनाएं जीआरएसई की क्षमताओं को मजबूत करेंगी। साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करने और सहायक उद्योगों, खासकर एमएसएमई के लिए अवसर बढ़ाकर पश्चिम बंगाल के औद्योगिक क्षेत्र को फिर से मजबूत करने में मदद करेंगी।

रूस का बड़ा दावा: 12 घंटे में यूक्रेन के 250 ड्रोन मार गिराए

उड़ा न गये

वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक थी



हमले किए। मंत्रालय के मुताबिक, ये 11 बस्तियां खारकीव, डोनबास और जापोरिजिया क्षेत्रों में स्थित हैं। रूसी हमलों का निशाना यूक्रेन के रक्षा उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठान, लॉजिस्टिक्स हब, ऊर्जा और परिवहन ढांचा, जमीनी रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली इकाइयां, ड्रोन निर्माण केंद्र और उनसे जुड़े अन्य संयंत्र थे। मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल लॉन्चिंग ठिकानों, गोला-बारूद और ईंधन भंडार, आपूर्ति केंद्रों तथा यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी लड़ाकों के अस्थायी ठिकानों पर भी हमले किए गए।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 9 अरब डॉलर पहुंची, खुलेंगे नए रास्ते

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 9 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है और नीतिगत सुधारों व मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम के बल पर अगले दशक में इसके 40-45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर देश का स्पेस सेक्टर अभूतपूर्व प्रगति दर्ज कर रहा है। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी निवेश वित्त वर्ष 2021-22 के 100.5 मिलियन डॉलर से लगभग छह गुना बढ़कर 31 मार्च 2026 तक 618.5 मिलियन डॉलर हो गया है। वर्ष 2026 में अब तक 187 मिलियन डॉलर का निवेश आ चुका है। वहीं रजिस्टर्ड स्पेस स्टार्टअप की संख्या 2014 के मात्र 1 से बढ़कर अगस्त 2026 तक लगभग 440 पहुंच गई है। मध्य 2026 तक 52 गैर-सरकारी संस्थाओं को 113 ऑथराइजेशन दिए जा चुके हैं। वर्ष 2020 में स्पेस सेक्टर को निजी भागीदारी के लिए खोलने और भारतीय अंतरिक्ष नीति लागू होने से बड़े बदलाव आए हैं।

अगले दशक में 45 अरब डॉलर होने का अनुमान

निजी निवेश में भारी बढ़ोतरी की संभावना

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस্ক लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।



एआई इमेज

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस: पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, नई चीजें बनाने और अंतरिक्ष की नई सीमाओं को पार करने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है और 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल्प है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र ग्लोबल ऑर्डर में लगातार बढ़ा हो रहा है, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।



बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता, बेटी अगामी और 12 वर्षीय बेटा प्रियम शनिवार रात अपने बंद घर में मृत मिले। परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात से चारों के मोबाइल फोन बंद थे। पुलिस ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया, जहां शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। मामले की जांच पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच कर रही है। फिलहाल मौत की वजह, समय और घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। शहर के दशपाड़ा (मच्छुआपाड़ा) इलाके में स्थित एक मकान से शनिवार रात करीब 11:30 बजे चारों के शव बरामद किए गए। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) नाजमुल कादर ने बताया कि मकान अंदर से नहीं, बल्कि बाहर से बंद था और पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने के बाद शव बरामद किए। यह जानकारी द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है। मृतकों की पहचान

रंगपुर जिला स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी अगामी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और 12 वर्षीय बेटे प्रियम चक्रवर्ती के रूप में हुई है। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन सीआईडी के प्रभारी सुबीर चौधरी ने बताया कि घर के अंदर चारों शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। उनके मुताबिक, मां और बेटी के शव सीढ़ियों के पास बरामद किए गए, जबकि गणपति चक्रवर्ती का शव छत पर मिला। सुबीर चौधरी के अनुसार, 12 वर्षीय प्रियम चक्रवर्ती का शव एक बिस्तर के नीचे मिला। उन्होंने कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं। जांच से यह पता चलेगा कि इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है।

यूएस में कारोबारी के बाद अब भारतीय युवक की हत्या

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ हिंसक घटनाओं के बीच न्यूयॉर्क शहर में पिज्जा डिलीवरी का काम करने वाले 27 वर्षीय पंजाबी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान पंजाब के रहने वाले गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद पंजाब स्थित उनके परिवार में मातम-पसरा है। परिवार ने गुरदीप का शव भारत लाने और हमलावर की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार रात करीब 9:58 बजे बुकलिन

इलाके में हुई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) को 899 क्रिस्टेंट स्ट्रीट के पास एक व्यक्ति के कई गोलियां लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गुरदीप सिंह को घायल अवस्था में पाया।आपातकालीन चिकित्सा सेवा की मदद से गुरदीप को वन बुकलिन हेल्थ-पसरा है। परिवार ने गुरदीप को मारने वाला बुकडेल हॉस्पिटल मेंडिकल सेंटर ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटी 50% टैरिफ से बढ़ी महंगाई और अनिश्चितता की आशंका

एजेंसी ►► ओटावा

कनाडा के साथ व्यापार वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका द्वारा लागू किए गए 50 प्रतिशत नए टैरिफ से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। कनाडाई उत्पादों पर शनिवार से लागू हुए इस शुल्क के जवाब में कनाडा ने भी समान स्तर के जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने चेतावनी दी कि इन



शुल्कों से मेन राज्य के कारोबारियों और आम परिवारों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और सीमा पार व्यापार प्रभावित होगा। उन्होंने दोनों देशों से तत्काल वार्ता शुरू करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सीनेटर पीटर वेल्च ने इसे उत्तरी सीमावर्ती राज्यों के किसानों और व्यवसायों के लिए बड़ा झटका बताते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस टकराव को समाप्त करने का आग्रह किया।कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन की ओर से अनुचित और एकतरफा नई शर्तें रखी गई थीं, जिससे व्यापार वार्ता रोकनी पड़ी।

निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

बारिश थमते ही सड़कों की मरम्मत तेज

जबलपुर। बारिश के कारण शहर की क्षतिग्रस्त सड़कों को लेकर नगर निगम प्रशासन ने अब व्यापक स्तर पर मरम्मत और सुधार अभियान शुरू कर दिया है। मौसम खुलते ही शहर के अलग-अलग हिस्सों में सड़क सुधार के काम को गति दी जा रही है। निगम प्रशासन का दावा है कि प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, रिहायशी क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराया जा रहा है। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्न' एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में चल रहे अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी क्रम में निगमायुक्त ने तकनीकी अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सड़क मरम्मत कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए।

गौरीघाट और तिलवारा के पहुंच मार्गों पर विशेष फोकस

नगर निगम प्रशासन के अनुसार शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों के अलावा धार्मिक एवं पर्यटन महत्व वाले मार्गों पर भी सड़क सुधार कार्य कराया जा रहा है। गौरीघाट तीर्थ मार्ग और तिलवारा घाट के पहुंच मार्गों को भी अभियान में शामिल किया



गया है। इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों और श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क की स्थिति बेहतर रखने को निगम प्रशासन प्राथमिकता दे रहा है।

हर साल बारिश में सड़कें होती हैं प्रभावित

निगम प्रशासन का कहना है कि बारिश के दौरान लगातार पानी, जलभराव और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का असर सड़कों

की सतह पर पड़ता है। यह समस्या केवल जबलपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्य महानगरों में भी मानसून के दौरान सड़कों को नुकसान पहुंचता है। बारिश का दौर कमजोर पड़ते ही सड़क मरम्मत और पुनर्निर्माण के काम शुरू किए जाते हैं। इसी क्रम में जबलपुर नगर निगम ने भी आवश्यकता के अनुसार क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, सुधार और पुनर्निर्माण की कार्ययोजना पर काम तेज कर दिया है।

तैयार हो रही क्षतिग्रस्त सड़कों की सूची

नगर निगम सीमा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों को चिह्नित करने के लिए सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति का आकलन कर सूची तैयार करने को कहा गया है। इस सूची के आधार पर प्राथमिकता तय करते हुए मरम्मत, सुधार अथवा आवश्यकतानुसार सड़क के पुनर्निर्माण का कार्य करवाया जाएगा। निगम प्रशासन का कहना है कि नागरिकों की सुविधा और आवागमन को ध्यान में रखते हुए कार्यों को जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

गुणवत्ता और व्यवस्था के निर्देश

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने तकनीकी अधिकारियों से सड़क मरम्मत कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और मौके पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों को व्यवस्थित तरीके से कराने, गुणवत्ता का ध्यान रखने तथा नागरिकों को आवागमन में कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। नगर निगम प्रशासन के अनुसार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की पहचान और मरम्मत का कार्य आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जबलपुर- अयोध्या धाम स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की मांग

सिहोरा। जबलपुर से अयोध्या धाम तक चलने वाली साप्ताहिक 1705 अयोध्या एक्सप्रेस को नियमित करने की मांग स्थानीय जनों ने की है। विदित हो प्रति मंगलवार रात 7.40 बजे चलकर सिहोरा कटनी, मैहर, सतना से होते हुए दूसरे दिन प्रातः 2.15 बजे प्रयागराज पहुंचती है। वापसी में यह ट्रेन 01706 प्रयागराज से रात 9.35 पर चलकर सुबह 6-45 पर जबलपुर आती है।

वर्तमान में सिहोरा से प्रयागराज के लिए एक मात्र ट्रेन इटारसी-प्रयागराज पैसेंजर है। उक्त ट्रेन रात 12.00 बजे से 1 बजे के बीच सिहोरा आती है



जिसके कारण अस्थि विसर्जन करने जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। 15 से 6 घंटे तक यात्री प्लेटफार्म में समय गुजारते हैं। उक्त ट्रेन अगले दिन 11-12 बजे के पहले प्रयागराज नहीं पहुंची 350 कि॰ की दूरी तय करने में लगभग 12 घंटे का

समय लगने के कारण लोगों को फोर व्हीलर का सहारा लेना पड़ता है। 14-16 घन्टे में प्रयागराज से वापस भी आ जाते हैं लेकिन अल्प आय वर्गीय परिवार के लोगों को पैसेंजर ट्रेन ही एक मात्र विकल्प रहता है। यदि अयोध्या एक्सप्रेस को नियमित चलाया जाये तो यात्रियों को प्रयागराज यात्रा के लिए सस्ता विकल्प उपलब्ध होने के साथ साथ रेल मंत्रालय को भी आर्थिक लाभ होगा।स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों सहित रेल प्रबंधन से अयोध्या धाम एक्सप्रेस को नियमित चलाये जाने की मांग की है।

भाग्यश्री होटल के कमरे में जमा था जुए का फड़

जबलपुर। पनागर पुलिस ने भाग्यश्री होटल के कमरा नंबर 114 में जुआ खेल रहे चार लोगों को गिरफ्तार कर 15 लाख 6 हजार रुपये नकद और ताश के पते जब्त किए। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त की रात मुखबिर से सूचना मिलने पर होटल में दक्षिण दी गई थी। पुलिस को देखकर आरोपी पीछे के दरवाजे से भागने का प्रयास कर रहे थे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 30 वर्षीय शुभम पटेल निवासी गाम कोदसा, कटनी जिला नरसिंहपुर, 45 वर्षीय सुनील चौरसिया निवासी गांधीगाम बुढागर, गोसायनपुर, 32 वर्षीय हनीफ खान निवासी नरसिंह वाई, करेली और 68 वर्षीय मोहन लाल चौरसिया निवासी गांधीगाम बुढागर, गोसायनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने होटल मालिक 48 वर्षीय संतोष कुमार हिलोहा निवासी गाम उर्दुआ खुर्द, पनागर को भी जुआ खिलाणे के मामले में आरोपी बनाया है और उसकी तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री के नाम भेजा पत्र

जबलपुर। कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद न्यायालयों में प्रैक्टिस शुरू करने वाले युवा अधिवक्ताओं के सामने शुरुआती वर्षों में आने वाली आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने मध्य प्रदेश सरकार से नवीन अधिवक्ताओं के लिए विविध आर्थिक सहायता योजना शुरू करने की मांग की है। संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम भेजे पत्र में मांग की है कि एक से पांच वर्ष तक की शुरुआती प्रैक्टिस करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर अधिवक्ताओं को प्रतिवर्ष उचित राशि स्टाइपेंड अथवा अधिवक्ता राहत निधि के रूप में उपलब्ध कराई जाए। संगठन का कहना है कि विधि की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब युवा अधिवक्ता न्यायालयों में प्रैक्टिस शुरू करते हैं, तो शुरुआती दौर में पर्याप्त मामले और नियमित आय मिलना बड़ी चुनौती होती है। कई अधिवक्ताओं को कई-कई महीनों तक पर्याप्त आमदनी नहीं हो

नवीन अधिवक्ताओं को स्टाइपेंड या राहत निधि देने की मांग

पाती। ऐसे में चैबर, पुस्तकें, कानून संबंधी सामग्री, आवागमन और अन्य व्यावसायिक खर्चों का भार उठाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। आर्थिक परेशानियों के चलते कई प्रतिभाशाली युवा अधिवक्ताओं को अपनी प्रैक्टिस बीच में छोड़कर दूसरे व्यवसायों की ओर रुख करना पड़ता है। संगठन ने कहा कि इसका सीधा असर न्याय व्यवस्था में आने वाली नई प्रतिभाओं पर पड़ता है।

न्याय व्यवस्था की मजबूत नींव हैं युवा अधिवक्ता

संगठन ने कहा कि अधिवक्ता केवल एक पेशे से जुड़े व्यक्ति नहीं, बल्कि संविधान, न्याय, नागरिक अधिकारों और विधिक जागरूकता के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। युवा अधिवक्ता ही भविष्य में न्याय व्यवस्था को नई

दिशा देने वाली पीढ़ी तैयार करते हैं। इसलिए उनके शुरुआती संघर्ष के दौर में सरकार का सीमित आर्थिक सहयोग उन्हें आत्मनिर्भर बनने तक महत्वपूर्ण सहारा दे सकता है।

जरूरतमंदों के लिए तय हो पात्रता

संगठन ने सरकार को सुझाव दिया है कि प्रस्तावित योजना में आय सीमा, बार काउंसिल पंजीयन, प्रैक्टिस की अवधि और अन्य आवश्यक पात्रता निर्धारित की जाए, ताकि सरकारी सहायता का लाभ वास्तविक रूप से जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर नवीन अधिवक्ताओं तक ही पहुंचे। संगठन ने शुरुआती पांच वर्षों के लिए सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।संगठन का मानना है कि यदि प्रदेश सरकार इस दिशा में ठोस पहल करती है, तो मध्य प्रदेश के हजारों युवा अधिवक्ताओं को अपनी प्रैक्टिस स्थापित करने में मदद मिलेगी।

आज निकलेगी कांवड़ यात्रा, कटाव धाम से विष्णु बारह

मंदिर तक होगा आयोजन मझौली। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर मझौली में सावन के पावन अवसर पर भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह कांवड़ यात्रा 24 अगस्त, दिन सोमवार को सुबह 8:00 बजे कटाव धाम से प्रारंभ होकर विष्णु बाराह मंदिर मझौली तक जाएगी। यात्रा को लेकर आयोजन समिति एवं नगर के श्रद्धालुओं द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यात्रा में भगवान भोलेनाथ के जनकारों के साथ डीजे, झांकी एवं भजन मंडली भी शामिल रहेंगी। कटाव धाम से जल भरकर शिव भवत कांवड़ लेकर विष्णु बारह मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। आयोजन समिति ने नगर के सभी शिव भक्तों, माताओं-बहनों, युवाओं एवं सभी धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कांवड़ यात्रा को सफल बनाएं और पुण्य लाभ अर्जित करें। यात्रा के समापन पर विष्णु बारह मंदिर परिसर में प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया जाएगा।

तीन साल से जमे बृजेश मिश्रा- नितिन कमल पर आखिर किसका है वरदहस्त?

जबलपुर। पुलिस विभाग में तबादलों का दौर चला, कई थाना प्रभारियों की कुर्सियां बदली गईं। छह महीने, सात महीने और सालभर की पदस्थापना वाले अधिकारियों को भी प्रशासनिक जरूरत बताकर दूसरे थानों की राह दिखा दी गई। लेकिन तिलवारा और गोरखपुर थाने की कुर्सियां जैसे तबादला सूची से बाहर ही हो गईं। एक तरफ छोटी अवधि में थाना प्रभारी बदल दिए गए, दूसरी तरफ बृजेश मिश्रा और नितिन कमल लंबे समय से अपनी-अपनी कुर्सियों पर जमे हुए हैं। यही असमानता अब पुलिस महकमे के भीतर और आम लोगों के बीच सवाल खड़े कर रही है— आखिर इन दोनों अधिकारियों पर इतना भरोसा क्यों?

तीन साल से ज्यादा का कार्यकाल, फिर भी तबादला नहीं

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक बृजेश मिश्रा को 24 फरवरी 2024 को गढ़ा थाने से स्थानांतरित कर तिलवारा थाना प्रभारी बनाया गया था। इसके बाद जिले में कई बार तबादले हुए, थाना प्रभारियों की पदस्थापनाएं बदलीं, लेकिन तिलवारा में उनकी कुर्सी कायम रही।

सवाल सैधा है— जब छह-सात महीने और सालभर के कार्यकाल वाले अधिकारियों को भी बदल दिया गया, तो तिलवारा में तीन साल से

तबादलों की आंधी में भी नहीं हिली दो थानों की कुर्सी!



अधिक समय तक एक ही अधिकारी को बनाए रखने की ऐसी कौन-सी प्रशासनिक मजबूरी है? गोरखपुर में भी वही कहानी

गोरखपुर थाना भी महत्वपूर्ण थाना क्षेत्रों में शामिल है। यहां नितिन कमल के लंबे समय से थाना प्रभारी बने रहने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। तबादलों की सूची में कई चेहरे इधर से उधर हो गए, लेकिन गोरखपुर की कुर्सी पर कोई बदलाव नहीं हुआ। आखिर क्यों? क्या दोनों अधिकारियों का कार्यदर्शन इतना असाधारण है कि तबादला नीति भी इनके सामने बेअसर हो जाती है? या फिर इनके लंबे कार्यकाल के पीछे कोई ऐसा प्रशासनिक समीकरण है, जिसकी जानकारी आम पुलिसकर्मी और जनता को नहीं है?

आखिर इनका 'आका' कौन?

सबसे बड़ा सवाल अब यही है—आखिर कौन है वह ताकत, जिसका भरोसा इन दोनों अधिकारियों को लगातार मिला हुआ है? क्या यह महज प्रशासनिक विश्वास है? क्या इनके कार्यकाल की बाकायदा समीक्षा की गई? क्या इनका प्रदर्शन अन्य थाना प्रभारियों की तुलना में इतना बेहतर पाया गया कि इन्हें लगातार उसी स्थान पर बनाए रखना जरूरी समझा गया? अगर ऐसा है तो पुलिस विभाग इसे सार्वजनिक करने से क्यों हिचक रहा है? और यदि ऐसा नहीं है तो फिर तबादला नीति में यह दोहरा माफ़ेड क्यों? छह महीने वालों पर तबादले की तलवार, तीन साल वालों पर मेहरबानी क्यों? पुलिस महकमे में सबसे ज्यादा चर्चा इसी असमानता की है।

जिन थाना प्रभारियों को अभी क्षेत्र समझने का पर्याप्त समय भी नहीं मिला, उन्हें प्रशासनिक फेरबदल के नाम पर हटा दिया गया। वहीं दूसरी ओर लंबे समय से एक ही थाना संभाल रहे अधिकारियों के मामले में कोई बदलाव नहीं हुआ। क्या तबादला नीति सभी के लिए समान है या फिर कुछ कुर्सियों के लिए अलग नियम-कायदे हैं? अगर नियम समान हैं तो फिर तिलवारा और गोरखपुर अपवाद क्यों?



वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की हुई बैठक

सिहोरा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा पाठक,संभागीय सचिव कृष्ण गोपाल पाठक,जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर गौतम,राम कुमार सेन तहसील सिहोरा अध्यक्ष प्रहलाद नायक,राजू भैया पटवा,राम निरंजन दुबे,आर एस.सेन,हेमराज कस्तवार,निरंजन पटेल,रामजी बर्मन,चेत राम विश्वकर्मा,गणेश

की कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष राकेश सिंह,एस.एस.एस.नायक,कोमल शुक्ला एवं समग्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी आदि उपस्थित थे। वक्ताओं ने आजीवन सदस्यता ग्रहण कर सदस्यता अभियान चलाने एवं संघ को मजबूत करने की बात कही। आभार प्रदर्शन तहसील अध्यक्ष द्वारा किया गया।

चतुर्वेदी,इंद्रजीत राय,रामस्वरूप पुरोह,अरविंद तिवारी,प्रकाश सेनी,एम. एस.नायक,कोमल शुक्ला एवं समग्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी आदि उपस्थित थे। वक्ताओं ने आजीवन सदस्यता ग्रहण कर सदस्यता अभियान चलाने एवं संघ को मजबूत करने की बात कही। आभार प्रदर्शन तहसील अध्यक्ष द्वारा किया गया।

बढ़ाया मध्यप्रदेश पुलिस का मान

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक के पद पर जबलपुर में कार्यरत वर्षा पटेल, पिता गौरी शंकर पटेल, ने यूरोप महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट एलब्रुस को फतह कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। वर्षा ने 21 अगस्त 2026 को 18.510 फीट (5,642 मीटर) की ऊंचाई पर पहुंचकर शिखर पर भात का तिरंगा और मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराया।वर्षा की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ मध्यप्रदेश पुलिस, जबलपुर और पूरे प्रदेश का नाम रोशन हुआ है। बचपन से ही खेलकूद और पर्वतारोहण में रुचि रखने वाली वर्षा राष्ट्रीय स्तर की बेसबॉल खिलाड़ी भी रह चुकी हैं और विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 10 से अधिक पदक हासिल कर चुकी हैं। वर्षा पटेल ने वर्ष 2024 में ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट कोजियास्को पर भारत का तिरंगा फहराया था। इस उपलब्धि के साथ वह मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला आरक्षक बनी थीं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की सर्वोच्च चोटी पर तिरंगा पहुंचाया।अब माउंट एलब्रुस पर सफलता हासिल कर वर्षा ने अपने पर्वतारोहण अभियान को एक और बड़ी उपलब्धि से जोड़ दिया है।



माउंट एलब्रुस अभियान की शुरुआत 11 अगस्त 2026 को हुई थी। अभियान के दौरान मौसम लगातार चुनौतीपूर्ण बना रहा। खराब मौसम, तेज हवाओं और अत्यधिक ठंड के कारण पर्वतारोहण दल को कई दिनों तक अनुकूल मौसम का इंतजार करना पड़ा।20 और 21 अगस्त को मौसम कुछ अनुकूल हुआ तो दल ने अंतिम शिखर अभियान शुरू किया। रूस की कड़ाके की ठंड, तेज हवाओं और कठिन पर्वतीय परिस्थितियों के बीच वर्षा ने साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए चढ़ाई जारी रखी।21 अगस्त की सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर वर्षा पटेल माउंट एलब्रुस के शिखर पर पहुंचीं। शिखर पर पहुंचते ही उन्होंने गर्व के साथ भारत का तिरंगा और मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराया। यह पल उनके परिवार, पुलिस विभाग, जबलपुर और पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण रहा।

सातों महाद्वीपों की चोटियां फतह करने का सपना

वर्षा पटेल का लक्ष्य दुनिया के सातों महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों को फतह कर 'सेवन समिट' अभियान पूरा करना है। माउंट एलब्रुस की सफलता के बाद उनका अगला

लक्ष्य अफ्रीका महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट किलिमांजरो है।वर्षा ने कहा कि पर्वतारोहण उनके लिए केवल एक साहसिक गतिविधि नहीं, बल्कि तिरंगे को दुनिया की ऊंची चोटियों तक पहुंचाने का संकल्प है। कठिन परिस्थितियों में भी शिखर पर तिरंगा फहराने का सपना उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

एनएसवाई आउटडोरस के नेतृत्व में अभियान

माउंट एलब्रुस का यह अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण अभियान एनएसवाई आउटडोरस के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध भारतीय पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव ने किया। वर्षा पटेल की यह उपलब्धि महिला शक्ति, खेल प्रतिभा, अनुशासन और साहस का शानदार उदाहरण है। राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी से अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही तक का उनका सफर उन बेटियों के लिए प्रेरणादायक है, जो अपने सपनों को ऊंचाइयों तक ले जाने का हौसला रखती हैं। मध्यप्रदेश पुलिस की वंदी से लेकर यूरोप की सर्वोच्च चोटी तक वर्षा पटेल ने अपने वास्तव, संघर्ष और संकल्प से तिरंगे को नई ऊंचाई दी है।



भगवान शिव का ज्योति स्वरूप ही द्वादश ज्योतिर्लिंगः ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद

जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मद्रासाल में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित श्री शिव महापूराण ज्ञान यज्ञ एवं असेंख्य रुद्धि निर्माण (पांथिव शिवलिंग) के अंतर्गत रचिवार को भगवती का हिंडोला पूजन किया गया। इसके साथ ही भगवान हरिहरेश्वर महादेव एवं पांथिव शिवलिंगों का महारुद्राभिषेक और बिल्वपत्र अर्पण विधि-विधान से संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों ने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जालंधर अत्यंत पराक्रमी और अहंकारी असुर था। उसकी अजेय शक्ति का आधार उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रता धर्म था। जालंधर के अत्याचारों से त्रस्त देवताओं की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने लीला के मध्यम से वृंदा के पतिव्रत को भंग किया, जिसके बाद युद्ध में जालंधर का अंत हुआ।



कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की ओर से कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशन्स फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश\>@>2047 विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। कॉन्क्लेव की थीम वन इंस्टीट्यूट- वन प्रॉमिस रखी गई है।

कॉन्क्लेव का शुभारंभ 24 अगस्त को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश\>@>2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित विशेष संबोधन देंगे, जबकि मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा की ओर से कॉन्क्लेव की पृष्ठभूमि एवं संदर्भ प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरे सत्र में इन्क्लुसिव ईकोनोमिक ग्रोथ एण्ड सोसल इंपावरमेंट फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश\>@>2047 विषय पर चर्चा एवं आगे की कार्य योजना पर व्यापक विमर्श किया जाएगा। इस चर्चा में उपस्थित केन्द्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं शासन के अधिकारी भाग लेंगे।

खबर संक्षेप

हाईकोर्ट पहुंचा उपवन क्षेत्रपालों की पदोन्नति का मामला

भोपाल। वन विभाग में उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति न देने के कारण अब उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारी संगठन के माध्यम से उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर की है। याचिका में संगठन ने उपवन क्षेत्रपाल से पदोन्नति होकर वन क्षेत्रपाल बनने की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूरी कर आदेश जारी करने की मांग की है। मप्र वन नई कर्मचारी मंच के प्राताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार के पदोन्नति नियम 2025 के अंतर्गत वन विभाग में भी वन क्षेत्रपाल से सहायक वन संरक्षक वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल एवं वनरक्षक से वनपाल लिपिक से मुख्य लिपिक एवं भूत्य से लिपिक के पद पर पदोन्नति करने के आदेश तो जारी किए गए हैं। लेकिन दो माह का समय निकल जाने के बादजुद भी उप वनक्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति करने के आदेश राज्य मंत्रालय वन विभाग द्वारा जारी नहीं किए गए है। वही उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के वन कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो रहे हैं फिर भी वन विभाग द्वारा पदोन्नति देने पर आधार प्रदर्शित करने के लिए 24 अगस्त को आईआईएफएम प्रांगण में मुख्यमंत्री का सम्मान कार्यक्रम रखा गया है।

मोस्ट इम्पैक्टफुल ऑथर श्रेणी में डॉ. अतुल को साहित्य रत्न सम्मान



इंदौर। राजनीतिक रणनीतिकार और लेखक डॉ. अतुल मलिकराम को साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है। उन्हें चेरी बुक अवार्ड्स की ओर से मोस्ट इम्पैक्टफुल ऑथर श्रेणी में यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. मलिकराम की पुस्तकें दिल से, गल्लां दिल दी, दिल विल, दिल दश्त और दिल जरा में सामाजिक सरोकारों, राजनीति और आम जीवन से जुड़े विषयों को अलग-अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है।

कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशन्स फॉर समृद्ध मप्र @2047 पर कॉन्क्लेव आज



फाइल फोटो।

एमओयू एवं दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग पर जोर

राज्य में स्थित केंद्रीय, राजकीय संस्थानों एवं प्रदेश सरकार के बीच बेहतर समन्वय एवं दीर्घकालिक साझेदारी के लिए कॉन्क्लेव के दौरान सुशासन संस्थान एवं केन्द्रीय संस्थानों के मध्य एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। सुशासन संस्थान का यह प्रयास मप्र में सरकार—शिक्षा—अनुसंधान—उद्योग—नवाचार के बीच सशक्त इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कॉन्क्लेव से उभरने वाले सहयोगों को आगे चलकर परियोजनाओं, संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी समाधान और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से मूर्त रूप दिया जाने का लक्ष्य है।

130 से अधिक संस्थानों की व्यापक सहभागिता

इस कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थित आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, एमएनआईटी भोपाल, एम्स भोपाल, आईआईआईटीएस, एनएफएसयू भोपाल, डीआरडीओ, आईएसआरओ, राष्ट्रीय एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित कृषि, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कौशल विकास और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इन केन्द्रीय संस्थानों से बेहतर

समन्वय के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख संस्थानों को भी कॉन्क्लेव में आमंत्रित किया गया है। मुख्य रूप से राज्य में स्थित 59 केन्द्रीय संस्थानों, 26 राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, 11 राज्य स्तरीय शासकीय इंजीनियरिंग एवं 19 शासकीय मेडिकल महाविद्यालय, 8 राज्य स्तरीय शोध संस्थानों तथा 9 चयनित निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के आने की संभावना है।

वन इंस्ट्रीट्यूट-वन प्रॉमिस

इसका उद्देश्य मप्र की विकास प्राथमिकताओं को अगगी केन्द्रीय संस्थानों की शोध, तकनीकी विशेषज्ञता, आधुनिक अव्योर्धचना, एवं मानव संसाधन से जोड़ते हुए भविष्य के लिए संस्थागत साझेदारी का प्रभावी मंच तैयार करना है। इसके माध्यम से केन्द्रीय संस्थानों की विशेषज्ञता को राज्य की वर्तमान विकास चुनौतियों एवं विकास अवधारणा से जोड़कर समाधान विकसित करने पर बल दिया जाएगा। इसके तहत उपस्थित संस्थान मप्र के लिए एक सार्थक एवं क्रियाव्धजन योग्य संकल्प के लिए प्रतिबद्धता देंगे, जिसे राज्य की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा सके।

सीएन डॉ. मोहन ने केंद्रीय मंत्री नहुा से की मेंट



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री

जेपी नड्डा के निवास पर मेंट और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

प्रदेश में 20 अगस्त से चल रहा है फार्मर आईडी बनाने का अभियान

किसानों के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं दिखने देंगे: सीएम

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में फार्मर आईडी बनवाने का अभियान 20 अगस्त से शुरू किया गया है। किसानों को अब न कहीं भटकना होगा और न ही लंबी लाइनों में लगना होगा। शासकीय दल खुद किसानों के पास जाकर उनकी फार्मर आईडी बनवाएंगे। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी जरूर बनवाने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसान के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं आने देंगे। शिवपुरी जिले के किसानों की मेहनत से उपजी मूमफल का डंका पूरे देश में बज रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वचुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि अब खाद के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पैसे की कमी हमारे किसी भी किसान के आड़े न आए, इसके लिए हमारी सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सिर्फ पारम्परिक फसलों तक ही सीमित न रहे, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आमदनी वाले अन्य क्षेत्रों को भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ है। हम सब मिलकर शिवपुरी जिले को कृषि का सिरमौर बनाएंगे।

मुख्यमंत्री नई दिल्ली से शिवपुरी के बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से हुए शामिल



वीसी में शामिल सीएम।

किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक खरीद सकेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ई-विकास प्रणाली को और अधिक प्रभावी, सहज, सरल एवं किसान हितैषी बनाया गया है। ई-विकास 2.0 से किसानों को अपनी आवश्यकता के

अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि ई-विकास 2.0 में किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेगा।

महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का अद्भुत पर्व

सीएम ने कहा कि शिव की नगरी शिवपुरी जिले में केन-बेतवा-पार्वती-सिंध-महुआ नदियों से पंचामृत की तरह आपके खेतों को जल मिल रहा है। उन्होंने शहीद तात्या टोपे के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि बलराम जयंती महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का एक अद्भुत पर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजना चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पहले ऋण की राशि 31 मार्च तक जमा करनी होती थी, अब उससे निजात मिलेगी।

रात को बिजली संकट खत्म

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल जो किसान चना या गन्ने की फसल लगाएंगे, उन्हें इन फसलों के लिए पूरे समय दिन में बिजली दी जाएगी। रात की बिजली का संकट खत्म होगा। इससे सिंचाई के लिए किसानों को रातभर जागने की परेशानी अब खत्म हो जाएगी। सीएम ने आगामी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लाडली बहना योजना की राशि रक्षाबंधन त्यौहार से पूर्व सभी के खातों में भेजी गई है।

हाथी ने नेशनल हाइवे पर डाला डेरा, यातायात प्रभावित इलाके में हड़कंप, इधर-उधर भागते दिखे लोग, हाथी देख लोगों ने रोके वाहन सड़क के दोनों ओर लगी लंबी- लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

कटघोरा वन मंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का मूवमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है। अब हाथियों की मौजूदगी केवल जंगल और खेतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे नेशनल हाईवे तक पहुंचने लगे हैं। ताजा मामला चोटिया-चिरमिरी मार्ग का है, जहां एक जंगली हाथी ने हाईवे पर डेरा डाल दिया, जिससे हड़कंप मच गया और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जानकारी के अनुसार, चोटिया-चिरमिरी नेशनल हाईवे पर अचानक एक विशाल जंगली हाथी सड़क के बीचों-बीच आकर खड़ा हो गया। हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे वाहनों के सामने अचानक हाथी को देखकर चालकों ने तुरंत ब्रेक लगा दिए। हाथी जब वाहनों की तरफ बढ़ने लगा तो वहां अफरा-तफरी मच गई।



नजदीक नहीं जाने की हिदायत दी। सुरक्षा को देखते हुए सड़क पर अस्थायी बैरिकेडिंग की गई और हाथी को धीरे-धीरे जंगल की ओर मोड़ने का प्रयास किया गया। काफी मशक्कत के बाद हाथी जंगल की ओर लौटा, तब जाकर यातायात बहाल हो सका। बता दें कि, पिछले कुछ महीनों से कटघोरा वन मंडल में हाथियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। कभी

जंगल, कभी खेत और कभी नदी किनारे हाथियों को देखा जा रहा है। इससे आसपास के ग्रामीणों और किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने पहले भी फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथी दिखने पर उसके करीब न जाएं और तुरंत विभाग को सूचना दें।

एसडीआरएफ-एनडीआरएफ की टीमें चला रही थीं अभियान

77 घंटों बाद देर रात पानी की सतह पर दिखा शव

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

नया रायपुर के नकटी गांव स्थित ब्लू वॉटर में बुधवार शाम डूबे 24 वर्षीय आदिल खान का शव आखिरकार करीब 77 घंटे बाद बरामद कर लिया गया। शनिवार देर रात पानी की सतह पर शव दिखाई देने के बाद रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकाला। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों का कई दिनों से चला आ रहा इंतजार खत्म हुआ।

आदिल की तलाश के लिए बुधवार से ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें लगातार अभियान चला रही थीं। ब्लू वॉटर की गहराई और पानी के भीतर शव के चले जाने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दिन-रात तलाश के बावजूद शुरुआती तीन दिनों में टीम को सफलता नहीं मिल सकी। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम



ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली थी। रेस्क्यू टीमों ने पानी के अलग-अलग हिस्सों में तलाश की। परिजनों की नजरें लगातार घटनास्थल पर टिकी थीं और उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही आदिल का पता चल जाएगा। शनिवार रात अचानक शव पानी की सतह पर नजर आया, जिसके बाद टीम ने तत्काल उसे बाहर निकाला।

पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मौहदाफरा निवासी आदिल खान बुधवार शाम अपने तीन दोस्तों के साथ ब्लू वॉटर घूमने गया था। इसी दौरान दोस्तों के बीच पानी में तैरकर एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुंचने की लेक्चर शर्त लग गई। आदिल और उसका एक दोस्त पानी में उतर गए। बताया गया कि कुछ दूरी तक तैरने के बाद आदिल अचानक गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते वह पानी में समा गया, जबकि उसका दोस्त किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आया। इस घटना ने एक बार फिर गहरे



और अनजान जलस्रोतों में बिना सुरक्षा उपायों के तैरने के खतरे को सामने ला दिया है। स्थानीय स्तर पर ऐसे स्थानों पर चेतावनी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► गौरेला-पेड़ा-गरवाही

थाना क्षेत्र के कटरा गांव के दूरस्थ थानाचल इलाके दपनीपानी में शनिवार को तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बैगा दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, कटरा गांव से दूर जंगल में नदी के पास घर बनाकर रहने वाले मंगल सिंह पिता माधो (46) और उनकी पत्नी बिरस्पति्या बाई (43) अपने घर पर मौजूद थे। बिरस्पति्या बाई घर के अंदर खाना बनाने की तैयारी कर



रही थीं, जबकि मंगल सिंह पास ही बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हुई और जोरदार आकाशीय बिजली उनके घर के आसपास गिरी। बिजली की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलसकर अचेत हो गए।

अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित किया

दंपती के बचे घटना के समय पड़ोसी के घर में थे, जिस कारण वे बच गए। परिजनों और ग्रामीणों की नजर जब मंगल सिंह और बिरस्पति्या बाई पर पड़ी तो तत्काल दोनों को डायल 108 घंघुलेंस की मदद से लासुद्धरिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम सहित अन्य कानूनी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंपे जाने की कार्रवाई की जा रही है।

बाजार का सप्ताह भारी, क्रूड - जंग और यूएस फेड तय करेंगे दिशा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि निवेशक जैक्सन होल आर्थिक संगोष्ठी पर करीबी नजर रखेंगे। खासकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख की टिप्पणियों से ब्याज दरों की आगे की दिशा के संकेत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान, टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर और उपभोक्ता भरोसे से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती तथा फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा के बारे में भी महत्वपूर्ण संकेत मिलेंगे। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर रुपए की चाल, विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश प्रवाह और घरेलू बाजार में नकदी की स्थिति पर रहेगी।



शेयर बाजार में आ सकती है स्थिरता

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि निफ्टी में लगातार दो सप्ताह की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह कुछ स्थिरता आ सकती है और निकट अवधि में मामूली सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बाजार की निगाह बैंट कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी, जो 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है।

वैश्विक बाजारों में छाप रहेंगे तीन प्रमुख मुद्दे

संपत्ति प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि वैश्विक बाजारों में इस सप्ताह तीन प्रमुख मुद्दे छाप रहेंगे। इनमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की दिशा, एनर्जीडिया के तिमाही परिणाम और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दीर्घावधि की अमेरिकी प्रतिभूतियों पर प्रतिक्रम में उतार-चढ़ाव के बीच जैक्सन होल संगोष्ठी में फेड के प्रमुख केविन वॉश के संबोधन पर करीबी नजर रहेगी। इससे सितंबर की नीतिगत बैठक से पहले केंद्रीय बैंक द्वारा लगातार बनी महंगाई के जोखिम और श्रम बाजार में नरमी के संकेतों के बीच संतुलन को लेकर संकेत मिल सकते हैं। पोनमुडी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों भी एक बड़ा बाहरी जोखिम बनी हुई है।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का रुख जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफावसूली से तेजी की रफ्तार कुछ धीमी हो सकती है। विश्लेषकों ने बताया कि निवेशक अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिकी मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े सर्राफा बाजार के लिए प्रमुख उत्प्रेरक होंगे। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा पश्चिम एशिया की भू-राजनीति से जुड़े घटनाक्रम, विशेष रूप से अमेरिका-ईरान शांति समझौता और होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना भी कीमतों को प्रभावित करेगा।



सोना मजबूती से सकारात्मक बना रहा

एलकेपी सिक्योरिटीज के जिस एचं मुद्रा शोध विश्लेषक तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, 'इस सप्ताह सोना मजबूती से सकारात्मक बना रहा और पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज करते हुए एमसीएक्स पर 1.62 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब बंद हुआ।' उन्होंने कहा कि इस तेजी को सर्राफा में नए सिर से लिवाली, बॉन्ड प्रतिक्रम में नरमी और नकदी की बेहतर स्थितियों से समर्थन मिला।

मुनाफावसूली से इनकार नहीं

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिस एचं मुद्रा शोध के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, 'आगामी कारोबारी सत्र में हमारा अनुमान है कि रुझान सकारात्मक बना रहेगा, लेकिन कुछ मुनाफावसूली से इनकार नहीं किया जा सकता।' घरेलू मोर्चे पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सवटूबर डिलिवरी वाला सोना वायदा 7,932 रुपए या 5.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 1.62 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सितंबर डिलिवरी वाली चांदी 10,673 रुपए या 4.52 प्रतिशत उछलकर 2.46 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

खबर संक्षेप



ग्रासिम करेगी 2 लाख करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली। ग्रासिम इंडस्ट्रीज का एकीकृत कारोबार वित्त वर्ष 2026-27 में दो लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि भवन निर्माण सामग्री, वित्तीय सेवाओं, डिजिटल वाणिज्य और नवीकरणीय ऊर्जा सहित विविध कारोबार से कंपनी को वृद्धि में मदद मिलेगी। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनियां अल्ट्राटेक सीमेंट, आदित्य बिड़ला कैपिटल, बिड़ला ओपस, आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स और बिड़ला पिक्ट की होल्डिंग कंपनी ग्रासिम ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.75 लाख करोड़ रुपए का अब तक का सर्वाधिक एकीकृत कारोबार दर्ज किया था।

सेन्को गोल्ड खोलेगा 20 नए स्टोर

मुंबई। आपूर्णण कंपनी सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स को चालू वित्त वर्ष में अपना राजस्व 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ



अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के सीईओ सुवंकर सेन ने कहा कि कंपनी के फिलहाल करीब 190 स्टोर हैं और वित्त वर्ष 2026-27 में 20 नए स्टोर खोलने की योजना है।

गोल्ड लोन होगा 1.5 लाख करोड़ के पार

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक को उम्मीद है कि उत्पाद की मजबूत मांग के कारण उसका स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो चालू वित्त वर्ष में



1.5 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर जाएगा। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनाद कुमार ने कहा, 'स्वर्ण ऋण (गोल्ड लोन) बैंकों के लिए सुरक्षित कर्ज है। यह उपयोग के लिए लिया जाने वाला कर्ज नहीं है, बल्कि मुख्य रूप से आय बढ़ाने और छोटे कारोबार को बढ़ाने में मदद करता है।'

भारत में स्टारबक्स खोलेगा तेजी से स्टोर



मुंबई। भारत में स्टारबक्स एक बार फिर तेजी से स्टोर खोलने की रणनीति पर लौटने की तैयारी में है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील डिप्पूजा ने कहा कि पिछले डेढ़-दो साल में कंपनी ने अपने कारोबारी मॉडल को नए सिर से तैयार करने पर ध्यान दिया है और अब कारोबार में सुधार के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। टाटा स्टारबक्स ने लगातार चार तिमाहियों में 'समान स्टोर बिक्री' में वृद्धि दर्ज की है।

प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों ने की शीर्ष स्तर पर बदलाव की घोषणा

एफएमसीजी में ‘बॉस’ बदलने की बयार

ग्रोथ के लिए शीर्ष पदों पर नए चेहरे

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश में रोजमर्रा की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनियां (एफएमसीजी) में नेतृत्व परिवर्तन का दौर देखने को मिल रहा है। कई प्रमुख कंपनियां अपने परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने, वृद्धि को गति देने और उपभोक्ताओं की बदलती प्रार्थमिकताओं के अनुरूप ढलने के लिए नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त कर रही हैं तथा वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नत कर रही हैं।

पिछले लगभग 12 माह में हिंदुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड (एचयूएल), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), डाबर इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और कोलगेट-पामोलिव इंडिया सहित कम से कम आधा दर्जन प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों ने शीर्ष स्तर पर बदलाव की घोषणा की है।

नेस्ले इंडिया में हुआ नेतृत्व परिवर्तन

नेस्ले इंडिया में इस अवधि से ठीक पहले नेतृत्व परिवर्तन हुआ था। नेतृत्व में ये बदलाव ऐसे समय में हुए हैं जब एफएमसीजी कंपनियां वृत्तीयपूर्ण कारोबारी माहौल का सामना कर रही हैं, जो असमान उपभोक्ता मांग, क्षेत्रीय और स्थानीय कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा, तथा लाभप्रदता की सुरक्षा करते हुए मात्रा आधारित वृद्धि दर्ज करने के दबाव से जूझ रही हैं। कंपनियां भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला के व्यवधानों के कारण बढ़ी हुई लागत से भी जूझ रही हैं, जबकि निवेशक टिकाऊ वृद्धि और मार्जिन विस्तार पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सीतापति के बाहर निकलने से मंची हलचल

इसके साथ ही, विभिन्न श्रेणियों में प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग उपभोक्ता संभावनाओं को नया रूप दे रही है, जिससे एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को पुनर्गठित कर रही हैं और उच्च-मूल्य वाले उपभोग अवसरों का लाभ उठाने के लिए नवाचार क्षमताओं को मजबूत कर रही हैं। इस महीने की शुरुआत में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड



(जीसीपीएल) से सुधीर सीतापति के अचानक बाहर निकलने से उद्योग जगत में हलचल मच गई है। सीतापति का इस्तीफा शेरधारकों द्वारा उन्हें फिर से पांच साल के लिए नियुक्त किए जाने के कुछ ही दिन बाद आया। अगले दिन जीसीपीएल के शेरार में 11 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई और यह 52-सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया। कंपनी ने समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) आसिफ मालबारी को उनके उत्तराधिकारी के रूप में नामित किया।

कोलगेट-पामोलिव ने की नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा

कोलगेट-पामोलिव इंडिया ने नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है, जिसके तहत प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रमा नरसिम्हन 27 सितंबर को कामकाज समाप्त होने के बाद एशिया-प्रशांत क्षेत्र की व्यापक विपणन भूमिका में स्थानांतरित होंगी। कोलगेट के पूर्व कार्यकारी मनीष आनंदानी को 28 सितंबर से उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया जा रहा है। प्रिया नायर ने एक अगस्त, 2025 को रोहित जावा की जगह एचयूएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पदभार संभाला। जावा ने अपने निर्धारित पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से लगभग तीन साल पहले पद छोड़ दिया था।

ब्रिटानिया के सीईओ ने दिया अचानक इस्तीफा

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी वरुण बेरी ने एक दशक से अधिक समय तक इस प्रसूक्त बिस्कुट तथा बेकरी कंपनी का नेतृत्व करने के बाद नवंबर, 2025 में अचानक इस्तीफा दे दिया। डाबर इंडिया ने अप्रैल, 2026 से हरजीत एस मल्ला को सीईओ (भारतीय व्यवसाय) नियुक्त किया, जबकि मोहित मल्होत्रा को पदोन्नत कर वैश्विक सीईओ बनाया गया।

4 बड़ी कंपनियों का मार्केट कैप 87,960 करोड़ घटा



एजेंसी ►► नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह जारी नरमी के बीच संसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 87,960.29 करोड़ रुपए की गिरावट आई। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत नीचे आया। वहीं एमएफआई निप्पी में 114 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की गिरावट रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण

एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में कमी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 20,861.20 करोड़ रुपए की कमी आई और यह 9,64,968.76 करोड़ रुपए रहा। वहीं हिंदुस्तान यूनीलीवर का बाजार हैसियत 16,975.79 करोड़ रुपए घटकर 4,73,912.56 करोड़ रुपए रह गई। इस रूख के उलट भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,650 करोड़ रुपए बढ़कर 5,35,980.31 करोड़ रुपए हो गया।

28,052.96 करोड़ रुपए घटकर 12,14,963.15 रुपए करोड़ रह गया। इसी तरह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपए घटकर 8,31,436.51 करोड़ रुपए पर आ गया।

एजेंसी ►► इटोर

आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी प्राइड होटल्स इस साल दिसंबर तक अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्येन जैन ने बताया कि आईपीओ का आकार करीब 1,000 करोड़ रहने की उम्मीद है। जैन ने कहा, 'कंपनी तेजी से अपने कारोबार का विस्तार कर रही है। पिछले 12 माह में उसने 9 नए होटल खोले हैं। यह इंदौर में नौवां होटल है।' इसके साथ ही प्राइड होटल्स के पोर्टफोलियो में अब कुल 40 संपत्तियां हो गई हैं। इनमें आठ होटल कंपनी के स्वामित्व वाले हैं, जबकि 32 होटल प्रबंधन अनुबंध के तहत संचालित किए जा रहे हैं।

12 माह में खोल 9 नए होटल



32 और होटल के लिए किए समझौते

कंपनी ने अगले डेढ़ से दो साल में खुलने वाले 32 और होटल के लिए समझौते किए हैं। इनके शुरू होने के बाद कंपनी का पोर्टफोलियो करीब 72 संपत्तियों तक पहुंच सकता है। जैन ने कहा कि कंपनी का ध्यान चार प्रमुख क्षेत्रों पर है। इनमें मौजूदा बाजारों में विस्तार, बड़े विवाह एवं एमआईसीई (मोर्टिग, ईस्टैट, कॉन्फ्रेंस एंड एंजिबिशन) होटल को लक्ष्य बनाना, नए पर्यटन स्थलों में प्रवेश और तीर्थस्थलों पर विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा कि तीर्थ पर्यटन कंपनी के लिए तेजी से उभरता अवसर है। उनके अनुसार, छुट्टी मनाने वाले पर्यटकों के मुकाबले तीर्थयात्रियों के बार-बार आने की संभावना अधिक होती है। पुरी जैसे स्थानों में धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ विवाह समारोहों से जुड़ा कारोबार भी कंपनी के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करता है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में स्वामित्व वाले होटल की हिस्सेदारी भी बढ़ाने की योजना बना रही है।

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में अब तक डाले 23,544 करोड़ रुपए

एफपीआई का धमाका, 4 महीने की बिकवाली के बाद तूफानी वापसी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में अपनी लिवाली तेज कर दी है। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों, रुपए की स्थिरता और बाजार की बेहतर संभावनाओं से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। एफपीआई ने अगस्त में अब तक भारतीय शेयर बाजार में 23,544 करोड़ रुपए डाले हैं। इससे पहले जुलाई में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 20,200 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इससे लगातार चार महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों के रुख में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

निवेशकों की दिलचस्पी बॉन्ड बाजार में : बाजार बौकिंग के उपाध्यक्ष-शोध पब्लिश मुकुर्जी के अनुसार, इन घटनाक्रमों का आने वाले सप्ताह में बाजार की धारणा पर असर पड़ सकता है। विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी ऋण या बॉन्ड बाजार में भी दिखाई दी है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान उन्होंने पूर्ण तरह सुलभ मार्ग (एफएआर) का बाजार मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपए घटकर 8,31,436.51 करोड़ रुपए पर आ गया।

विदेशी निवेशक बने शुद्ध बिकवाल

सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जुलै में 49,340 करोड़ रुपए, मई में 32,963 करोड़ रुपए, अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपए और मार्च में 1,17,000 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया था।



हालांकि, हाल की खरीदारी के बावजूद वर्ष 2026 में विदेशी निवेशक अब भी भारतीय शेयरों में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। इस वर्ष अब तक वे करीब 2,30,000 करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पूरे वर्ष 2025 में हुई 1,66,000 करोड़ रुपए की बिकवाली से भी अधिक है।

विदेशी निवेशक नहीं कर आईटी शेयरों खरीदारी

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की भारतीय बाजार में वापसी के पीछे कई कारण हैं। इनमें पहली तिमाही के बेहतर नतीजे, रुपए की स्थिरता और व्यापक बाजार में कंपनियों की मजबूत वृद्धि संभावनाएं प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशक आकर्षक मूल्यांकन वाले बड़े बैंकिंग और आईटी शेयरों में व्यापक खरीदारी नहीं कर रहे हैं। इसके बजाय वे अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन के बावजूद वृद्धि मंझौली कंपनियों के शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। बाजार की आगे की दिशा के लिए निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव पर रहेगी।



ग्लोबल हुआ महिंद्रा, 4 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतरेगा लाइफस्टाइलर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने नए पिकअप वाहन 'स्क्रॉपियो लाइफस्टाइलर' के जरिए वैश्विक बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी -वाहन एवं

कृषि क्षेत्र राजेश जेजुरिकर ने कहा कि इस पिकअप को दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका जैसे बाजारों में उतारने की योजना है। कंपनी ने हाल ही में 'महिंद्रा स्क्रॉपियो लाइफस्टाइलर' का

कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी -वाहन एवं कृषि क्षेत्र राजेश जेजुरिकर ने कहा कि इस पिकअप को दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका जैसे बाजारों में उतारने की योजना है। कंपनी ने हाल ही में 'महिंद्रा स्क्रॉपियो लाइफस्टाइलर' का

आएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसे 'महिंद्रा लाइफस्टाइलर' नाम से पेश किया जाएगा।

वैश्विक बाजारों को ध्यान में रखकर किया निर्माण

जेजुरिकर ने कहा कि लाइफस्टाइलर को वैश्विक बाजारों को ध्यान में रखकर बनाया गया है और यह कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका के अलावा दक्षिण-पूर्व एशियाई (आसियान) बाजारों में भी इस वाहन के लिए संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी फिलहाल इंडोनेशिया को छोड़कर आसियान क्षेत्र के अन्य बाजारों में मौजूद नहीं है। ऐसे में नए उत्पादों के साथ इन बाजारों में प्रवेश करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है।

वाहन का निर्यात 41,030 इकाई पर पहुंचा

महिंद्रा की वित्त वर्ष 2025-26 के वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के वाहन कारोबार का निर्यात 41,030 इकाई पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 34,709 इकाई के मुकाबले 18.2 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका जैसे बाजारों में अपने एसयूवी मॉडल निर्यात करती है। जेजुरिकर के मुताबिक, लाइफस्टाइलर की भारत में भी अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन से पांच वर्षों में ऐसे भारतीय वाहकों की संख्या बढ़ी है जो यात्रा, कैपिंग और अन्य मनोरंजक गतिविधियों के लिए अपने साथ जरूरी सामान ले जाना पसंद करते हैं। ऐसे वाहकों के लिए लाइफस्टाइलर एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकता है।

चिंतन

अब अंतरिक्ष में खुलेंगे संभावनाओं के नए द्वार

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल रॉकेट लॉन्च करने और उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने तक सीमित नहीं रह गई है। देश का निजी स्पेस सेक्टर ऐसी तकनीकों पर काम कर रहा है, जो आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष की पूरी अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदल सकती हैं। सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, अंतरिक्ष का कचरा हटाने वाले रोबोट, माइक्रोग्रैविटी में दवाइयों का निर्माण और हर महीने रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी इस बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं। यह भारत के लिए वैज्ञानिक उपलब्धि के साथ-साथ आर्थिक और रोजगार के नए अवसरों का भी द्वार खोल रहा है। भारत अंतरिक्ष में आत्मनिर्भर बनने और पूरी स्पेस इकॉनोमी खड़ी करने की तैयारी में है। इससे आम आदमी से लेकर किसानों तक को फायदा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 20 स्पेस स्टार्टअप के प्रमुखों की बातचीत से यह भरोसा और मजबूत हुआ है कि भारत निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष की नई दौड़ में बड़ी भूमिका देने के लिए तैयार है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय कंपनियां अब केवल मौजूदा तकनीकों को दोहराने के बजाय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर समाधान विकसित कर रही हैं। अंतरिक्ष में सैटेलाइट को ईंधन देने की तकनीक इसका बड़ा उदाहरण है। अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती है। निष्क्रिय सैटेलाइट और अन्य अवशेष भविष्य के मिशनों के लिए खतरा बन सकते हैं। भारतीय स्टार्टअप का रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट के जरिये मृत सैटेलाइट को पकड़कर कक्षा से हटाने का प्रयास इस समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। यदि भारत इस तकनीक में सफल होता है तो वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण स्पेस सर्विस उपलब्ध करा सकता है। सबसे आकर्षक संभावनाओं में अंतरिक्ष में दवाइयों का निर्माण है। माइक्रोग्रैविटी में कुछ प्रोटीन और जैविक पदार्थ धरती की तुलना में अलग ढंग से व्यवहार करते हैं। ऐसे में अंतरिक्ष आधारित फार्मा उत्पादन भविष्य में नई दवाओं और उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन के विकास में मदद कर सकता है। हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य पूरा होने पर भारत वैश्वक वाणिज्यिक लॉन्च बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। कम लागत, कुशल इंजीनियर और तेजी से विकसित होता स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत हैं। विदेशी कंपनियों से मिल रहे नए अनुबंध बताते हैं कि दुनिया भारतीय स्पेस टेक्नोलॉजी को गंभीरता से देख रही है। अंतरिक्ष तकनीक का लाभ धरती पर आम नागरिक और किसान तक पहुंचना भी जरूरी है। सैटेलाइट डेटा के माध्यम से मौसम, मिट्टी की नमी और फसल के स्वास्थ्य की सटीक जानकारी किसानों को मिल सकती है। आपदा प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान, संचार, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं में भी स्पेस टेक्नोलॉजी का विस्तार जीवन को बेहतर बना सकता है। यदि लगभग 10 लाख किसानों तक इसका लाभ पहुंचता है तो अंतरिक्ष विज्ञान का सीधा सामाजिक-आर्थिक प्रभाव दिखाई देगा। कुल मिलाकर अंतरिक्ष की यह नई दौड़ भारत के लिए प्रतियोग्य से कहीं अधिक आत्मनिर्भरता, रोजगार, नवाचार और आर्थिक विकास की दौड़ है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इस अवसर को सही दिशा देते हैं तो अंतरिक्ष में खुल रहे ये नए द्वार भारत की धरती पर विकास की नई राह खोल सकते हैं और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएंगे।

मंथन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा



विरोध प्रदर्शन करें, पर न हो सीमाओं का अतिक्रमण

आए दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन-मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाए तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है। कहीं गलत हो रहा है तो उसका विरोध भी होना चाहिए, पर इसका मतलब यह तो नहीं होना चाहिए कि हम अपनी बात कहने के चक्कर में दूसरों को अपने सामान्य नागरिक अधिकारों से वंचित कर दें। विरोध प्रदर्शन के साथ ही दायित्व भी होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का विरोध भी नहीं होता, पर कब इस तरह के प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं और कानून व्यवस्था के गंभीर हालात हो जाते हैं, इसका खामियाजा प्रदर्शनकारियों को नहीं अपितु प्रशासन और आमजन को भुगतना पड़ता है। सीजीपी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में जो हालात बने और जयपुर में पिछले दिनों सीजीपी द्वारा स्कूल प्रकरण को लेकर ग्रामवासियों और सीजीपी लोगों के साथ हालात बने, यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। रांची और देश के अन्य स्थानों के प्रदर्शनों को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। शहर की सामान्य व्यवस्था को ही प्रभावित करने वाले स्थानों पर प्रदर्शन स्वीकृति पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है कि शहर के बीच प्रदर्शन की अनुमति क्यों कर दी जानी चाहिए। दरअसल, सीजीपी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किए गए और यह प्रदर्शन देखते-देखते हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन और पक्ष-प्रतिपक्ष द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल जाता है, पर मूल कारण को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे पहले 2017-18 में जलकट्टू घटना के संदर्भ में गठित न्यायमूर्ति राजेश्वर आयोग की सिफारिशों भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। विरोध के चलते कानून हाथ में लेना या क्षेत्राधिकार से बाहर जाना एक सभ्य समाज और सभ्य नागरिक की पहचान नहीं हो सकती। सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता।

एक बात यह भी समझनी होगी कि पुलिस प्रशासन भी आखिर आदमी है और देखा जाए तो उनका मरण दोनों तरफ से हो जाता है। यदि प्रदर्शनकारियों को एक सीमा से अधिक बढ़ने पर रोक नहीं तो प्रशासन की विफलता कहने में कोई देरी नहीं लगाता, यहां तक कि प्रशासन की इंटेलिजेंस फैलियर जैसे आरोप लग जाते हैं। प्रदर्शन के हिंसक होने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की आलोचना आम हो जाती है, पर जब कई बार प्रदर्शनकारियों द्वारा बेरिफेड़ तोड़ने, पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और निरपराध आमजन को निशाने पर लेने लगते हैं तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि फिर प्रशासन गुलाब के फूल देकर तो प्रदर्शन को नियंत्रित नहीं कर सकता। हालांकि प्रशासन को भी संयम बरतते हुए ही कदम उठाने चाहिए। दरअसल, तस्वीर के दोनों पक्षों को देखना होगा। यदि प्रदर्शन सामान्य होता है और अनुमति प्राप्त शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो तो उस पर पुलिस प्रशासन की सख्ती को किसी भी हालात में स्वीकारा नहीं जा सकता। प्रदर्शनकारियों द्वारा लक्ष्मण रेखा लांची जाती है तो उस पर प्रशासन को भी कानूनी दायरे में रहते हुए कार्रवाई तो करनी ही पड़ेगी।

प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और आमजन को अपनी सीमाओं को समझना होगा। सुखियों में बनने के लिए कदम उठाना किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। पहले तो प्रशासन को भी चाहिए कि प्रदर्शन आदि के लिए ऐसा स्थान निर्धारित हो, जहां से सामान्य जनजीवन किसी तरह से प्रभावित न हो सके। आम जन, शहरी यातायात, शहर का दैनिक जनजीवन किसी तरह से प्रभावित न हो। ऐसी व्यवस्था हो, जिससे प्रदर्शनकारियों की बात वे जहां पहुंचना चाहते हैं, वहां तक पहुंचाई जा सके। प्रदर्शनकारियों को भी प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। असामाजिक तत्वों को किसी तरह का मौका ही नहीं दिया जाना चाहिए। इसलिए दिल्ली उच्च न्यायालय व न्यायालयों द्वारा पूर्व में भी दी गई टिप्पणियों को गंभीरता से प्रदर्शनकर्ताओं और प्रशासन दोनों को समझना होगा व दोषारोपण के नाम पर जिम्मेदारी से भागने की इजाजत किसी भी हालत में नहीं दी जा सकती।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा

डॉ . घनश्याम बादल

देश इस समय राजनीतिक

उबाल के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां मुद्दे कम और मुद्दों पर मचा शोर अधिक दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और एक-दूसरे को राष्ट्रवादी तथा राष्ट्रविरोधी साबित करने की होड़ लगी है। दूसरी ओर, परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के विरुद्ध युवाओं का आक्रोश जंतर-मंतर से लेकर झारखंड तक सड़कों पर दिखाई दिया। भर्ती परीक्षाओं को लेकर आंदोलन इतना गंभीर हुआ कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा और अनेक परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। कई अन्य परीक्षाओं की जांच का आदेश हुआ। इसी बीच 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट ने राजनीति का तापमान और बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच राजनीतिक टकराव हो या राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच तीखी बयानबाजी से लगता है, जैसे राजनीति ने संवाद की जगह संघर्ष को अपना स्थायी हथियार बना लिया है। यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतांत्रिक विमर्श के लिए खतरे की घंटी है।

राहुल गांधी आज विपक्ष के सबसे मुखर चेहरों में हैं। छात्र आंदोलनों से लेकर सरकार की नीतियों तक वे लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। हाल में उन्होंने छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक की मांग की और बाद में पुलिस थाने के बाहर धरने के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। सत्ता पक्ष भी पीछे नहीं है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के इस तेवर को राजनीति और प्रचार का हथकंडा बताया। बेशक, विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है, लेकिन हर सवाल को राजनीतिक युद्ध में बदल देना भी स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। सत्ता का काम जवाब देना है, लेकिन आलोचक को राष्ट्रविरोधी मान लेना भी लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं। परिणाम यह है कि बहस अब अक्सर इस सवाल पर टिक जाती है कि कौन किसे कितना बड़ा देशभक्त या राष्ट्रविरोधी साबित कर सकता है, लेकिन जनता पूछ रही है- इस राजनीतिक युद्ध में उसके हिस्से में क्या आया? क्या बेरोजगार युवा को नौकरी मिली? क्या परीक्षा की तैयारी में लगाए गए उसके वर्षों का नुकसान वापस किया जा सकता है? क्या पेपर लीक या भर्ती में अनियमितता के आरोपों का स्थायी समाधान हुआ? क्या महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सवाल राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में हैं? यही वे सवाल हैं जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देता है। निःसंदेह वंदे मातरम् किसी दल की जागीर नहीं है। वह

पैसा और शोहरत से बड़ी है ये ताकत!



संकलित

दर्शन

स्वामी विवेकानंद की सीख जीवन का नजरिया बदल देती है। पैसा और शोहरत से बड़ी ताकत आंतरिक मजबूती है। इसे अपनाकर जीवन वास्तव में सफल और सार्थक बनाया जा सकता है। जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होती हैं। कभी साधन कम होते हैं, तो कभी मेहनत के बावजूद नतीजा नहीं मिलता है। हर बार परिस्थितियों को दोष देते रहने से व्यक्ति कमजोर होता जाता है। विवेकानंद की सीख है कि सही समय का इंतजार करने के बजाय जो साधन उपलब्ध है उन्हीं से शुरुआत करें। अपनी जिंदगी की जिम्मेदारी खुद लेने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी राह खुद बना लेता है। शिकायत की बजाय प्रयास ज्यादा काम आता है। आजकल दूसरों से तुलना करना बहुत आसान हो गया है। किसी की सफलता देखकर लगता है कि हम पीछे रह गए। लेकिन हर किसी की यात्रा अलग होती है। दूसरों से तुलना करने की बजाय अपनी क्षमता को पहचानना ज्यादा जरूरी है। स्वामी विवेकानंद याद दिलाते हैं कि आपके अंदर आगे बढ़ने की शक्ति पहले से मौजूद है। जरूरत सिर्फ उसे पहचानने और सही दिशा देने की है। खुद पर भरोसा, जिम्मेदारी और मुश्किल में डूब रहने की आदत जब बन जाती है तो सफलता व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है। यही भीतर की ताकत जिंदगी को सच में सफल बनाती है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

चार दशक की युद्ध तैयारी से ईरान को मिली राहत

भारतीय सैन्य विशेषज्ञ ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ संभावित युद्ध के लिए चार दशक तक तैयारी की थी, जिसमें उसके शीर्ष नेतृत्व के खतम होने जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी भी शामिल थी, यही वजह है कि उसके विरोधियों के लिए ईरान को पूरी तरह तबाह करना मुश्किल हो रहा है। ‘ ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) अमेरिका’ की ओर से शुक्रवार को वाशिंगटन में आयोजित एक परिचर्चा में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस दिल्ली ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष में भारी नुकसान उठाने के बावजूद ईरान में लंबा खींचने वाला युद्ध लड़ने की क्षमता है। भारत की रक्षा खुफिया एजेंसी के पूर्व प्रमुख दिल्ली ने कहा कि इस युद्ध से सबसे बड़ी सीख यह है कि किसी भी सैन्य अभियान का राष्ट्रीय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और उससे बाहर निकलने की रणनीति पहले से तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा, युद्ध शुरू करने से पहले कुछ बातें जानना जरूरी है। आपका घोषित राष्ट्रीय लक्ष्य आपके लिए, आपकी सेना और सरकार में मौजूद लोगों के लिए स्पष्ट होना चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि युद्ध के किस चरण में आप जीत की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके बाद निकास रणनीति आती है, खासकर तब जब युद्ध किसी दूसरे देश में लड़ा जा रहा हो।



(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राजनीतिक द्वेष की आग में देश न जलाएं

दे श इस समय राजनीतिक उबाल के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां मुद्दे कम और मुद्दों पर मचा शोर अधिक दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और एक-दूसरे को राष्ट्रवादी तथा राष्ट्रविरोधी साबित करने की होड़ लगी है। दूसरी ओर, परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के विरुद्ध युवाओं का आक्रोश जंतर-मंतर से लेकर झारखंड तक सड़कों पर दिखाई दिया। भर्ती परीक्षाओं को लेकर आंदोलन इतना गंभीर हुआ कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा और अनेक परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। कई अन्य परीक्षाओं की जांच का आदेश हुआ। इसी बीच 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट ने राजनीति का तापमान और बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच राजनीतिक टकराव हो या राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच तीखी बयानबाजी से लगता है, जैसे राजनीति ने संवाद की जगह संघर्ष को अपना स्थायी हथियार बना लिया है। यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतांत्रिक विमर्श के लिए खतरे की घंटी है।

राहुल गांधी आज विपक्ष के सबसे मुखर चेहरों में हैं। छात्र आंदोलनों से लेकर सरकार की नीतियों तक वे लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। हाल में उन्होंने छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक की मांग की और बाद में पुलिस थाने के बाहर धरने के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। सत्ता पक्ष भी पीछे नहीं है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के इस तेवर को राजनीति और प्रचार का हथकंडा बताया। बेशक, विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है, लेकिन हर सवाल को राजनीतिक युद्ध में बदल देना भी स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। सत्ता का काम जवाब देना है, लेकिन आलोचक को राष्ट्रविरोधी मान लेना भी लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं। परिणाम यह है कि बहस अब अक्सर इस सवाल पर टिक जाती है कि कौन किसे कितना बड़ा देशभक्त या राष्ट्रविरोधी साबित कर सकता है, लेकिन जनता पूछ रही है- इस राजनीतिक युद्ध में उसके हिस्से में क्या आया? क्या बेरोजगार युवा को नौकरी मिली? क्या परीक्षा की तैयारी में लगाए गए उसके वर्षों का नुकसान वापस किया जा सकता है? क्या पेपर लीक या भर्ती में अनियमितता के आरोपों का स्थायी समाधान हुआ? क्या महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सवाल राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में हैं? यही वे सवाल हैं जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देता है। निःसंदेह वंदे मातरम् किसी दल की जागीर नहीं है। वह

भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की गौरवपूर्ण स्मृति है। उसका सम्मान हर भारतीय के लिए स्वाभाविक होना चाहिए। राष्ट्रांगीत को राजनीतिक तलवार बनाकर विपक्ष को राष्ट्रविरोधी और सत्ता पक्ष को राष्ट्रवाद का अकेला ठेकेदार घोषित करना दोनों ही खतरनाक प्रवृत्तियां हैं। राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र संसद में बहस के दौरान नहीं बांटा जाना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अंतिम पैमाना यह नहीं हो सकता कि किसने कितनी जोर से नारा लगाया। देशभक्ति को किसी राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। दूसरी ओर, विपक्ष को भी यह समझना होगा कि सिर्फ सरकार के विरोध में आक्रामक



होना पर्याप्त नहीं है। राहुल गांधी और विपक्ष के सामने आज अवसर है कि वे युवाओं के वास्तविक प्रश्नों को राजनीतिक नारे से आगे ले जाकर ठोस नीति और वैकल्पिक कार्यक्रम में बदलें। सरकार पर आरोप लगाना आसान है; यह बताना कठिन है कि सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे पारदर्शी बनाया जाएगा, रोजगार कैसे बढ़ाया जाएगा और प्रशासनिक जवाबदेही कैसे सुनिश्चित होगी। इसी कसौटी पर विपक्ष की भी परीक्षा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष के लिए भी यही कसौटी लागू होती है। लोकतंत्र में सरकार मजबूत होनी चाहिए, लेकिन असहमति भी मजबूत होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव का राजनीतिक संघर्ष आने वाले समय में और तीखा होना स्वाभाविक है। चुनावी राजनीति में एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना होनी चाहिए, उपलब्धियों और विफलताओं पर बहस होनी चाहिए। लेकिन यदि चुनाव जीतने की रणनीति समाज को जाति, धर्म, क्षेत्र और राष्ट्रवाद की भावनात्मक रेखाओं में लगातार बांटने लगे तो चुनाव भले जीता जा सकता है, समाज नहीं। इसी तरह बाबा रामदेव हों या अरविंद

संसार में दो ही हठी और दो ही मेहमान



संकलित

प्रेरणा

माता सरस्वती और महाकवि कालिदास से जुड़ा ये दिलचस्प प्रसंग। एक बार कालिदास पड़ोसी राज्य में शास्त्रार्थ करने जा रहे थे कि उन्हें रास्ते में प्यास लगी। सामने उन्हें एक था और उसके पास एक झोपड़ी। जब वो झोपड़ी के सामने पहुंचे, तो झोपड़ी से एक बच्ची बाहर निकली। उसने कृप से पानी भरा और जाने लगी। कालिदास ने उस बच्ची जाते देख उससे पानी मांगा। उस बच्ची ने कालिदास से कहा कि वह तो उन्हें जानती तक नहीं, एक अनजान आदमी को पानी कैसे पिला दे। कालिदास को लगा कि वो तो इतने बड़े विद्वान हैं। भला! उन्हें कौन नहीं जानता। ये बच्ची है, शायद इसलिए उन्हें नहीं पहचानती। उन्होंने बच्ची से कहा - ‘बालिका! तुम छोटी हो, इसलिए मुझे नहीं पहचानती। घर में कोई बड़ा हो, तो उसे भेजो। वह मुझे अवश्य पहचान लेगा। मैं बहुत विद्वान व्यक्ति हूं और मेरा बहुत नाम और सम्मान है। बच्ची ने कहा - ‘आप असत्य बोल रहे हैं। इस संसार में दो ही बलवान हैं। आपको पानी चाहिए, तो आप मुझे उनका नाम बताइये? कालीदास थोड़ा रुककर बोले - ‘मुझे नहीं पता। बच्ची ने जवाब में कहा - ‘अन्न और जल। भूख और प्यास, इन दोनों में इतनी शक्ति है कि ये बड़े से बड़े बलवान को भी झुका दें। देखिये! प्यास ने आपकी हालत कैसी कर दी है।



प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव

भारत ‘प्रोडक्शन लिंक्ड पनिशमेंट’ (उत्पादन से जुड़ी सजा) से ‘प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव’ (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) की ओर बढ़ गया है। एक समय या जब तब सीमा से ज्यादा उत्पादन करने एे कंपनियों को सजा दी जाती थी। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आत्मनिर्गर्भ भारत

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर, हम अपने युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और उद्यमियों को ललाम करते हैं, जिनकी सोच, इन्वोलेशन और लगन हमारी क्षमताओं का दायरा लगातार बढ़ा रही है। उनकी उपलब्धियां एक आत्मविश्वास से भरे और आत्मनिर्गर्भ भारत की भावना को दर्शाती हैं। - डॉ. एस. जयशंकर, विदेश मंत्री

महिला सशक्तिकरण

राहुल गांधी मंच से महिला सशक्तिकरण की बात तो करते हैं, लेकिन महिलाओं को अधिकार दिलाने की दिशा में सबसे क्रान्तिकारी कदम, रानी महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हैं और उसके खिलाफ वोट देते हैं। -देवेन्द्र फड़नीसी, सीएम, महाराष्ट्र

मातृभाषा का सम्मान

हर राज्य की मातृभाषा का सम्मान और उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए, लेकिन किसी भी भाषा का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। किसी देश की भाषाएं और भावनात्मक एक्का में दूरियां और मतभेद पैदा होते हैं। - अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com

केजरीवाल, सार्वजनिक जीवन में प्रभाव रखने वाले हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि उसके शब्द केवल बयान नहीं होते, वे सामाजिक वातावरण भी बनाते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह आग में घी डालने के बजाय विवेक की आवाज बने। राजनीतिक दल यदि इस आक्रोश को केवल अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे तो वे समस्या का समाधान नहीं, समस्या का राजनीतिक दोहन करेंगे। यहां बुद्धिजीवी वर्ग की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वे केवल तालियां बजाते या निंदा करने तक सीमित हो गए तो लोकतंत्र कमजोर होगा। बुद्धिजीवी को सत्ता से भी प्रश्न पूछना चाहिए और विपक्ष से भी। उसे राष्ट्रवाद के नाम पर हो रहे राजनीतिक ध्रुवीकरण पर भी बोलना चाहिए और विपक्ष की उग्र राजनीति पर भी। लोकतंत्र में तटस्थता का अर्थ चुप्पी नहीं, बल्कि समान कसौटी है। नेताओं को भी चेतावनी समझनी होगी,देश चुनावों से चलता है, लेकिन केवल चुनावों के लिए नहीं चलता। आज यदि हर मुद्दे को चुनावी चश्मे से देखा जाएगा तो शिक्षा रोजगार से पीछे दिला जाएगी, विकास आरोप-प्रत्यारोप में दब जाएगा और राष्ट्रहित दलगत हितों में उलझ जाएगा।

राजनीतिज्ञों को यह याद रखना होगा कि चुनाव पांच साल के होते हैं, लेकिन समाज पीढ़ियों तक रहता है। इसलिए राहुल गांधी की आक्रामकता हो या मोदी-शाह का पलटवार, योगी-अखिलेश का संघर्ष हो या अन्य नेताओं की बयानबाजी-हर किसी को अपनी राजनीतिक सीमा पहचाननी होगी। सत्ता को अहंकार से और विपक्ष को अति-आक्रामकता से बचना होगा। जनता को भी अब केवल नारे पर नहीं, काम पर वोट करना सीखना होगा। उसे पूछना होगा-राष्ट्रवाद की बात करने वालों ने राष्ट्र के लिए क्या किया? सरकार से सवाल करने वालों के पास समाधान क्या है?

युवाओं के भविष्य की चिंता करने वाले उनके लिए कौन-सी ठोस नीति लेकर आए हैं? क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ा हथियार नारा नहीं, जागरूक मतदाता है। देश को वंदे मातरम् पर लड़ने वाले नेता नहीं, व्यवहार में उतारने वाले नेता चाहिए। राष्ट्रवाद की आग इतनी न भड़काएं कि उसमें लोकतंत्र ही जल जाए। याद रखिए कि देश बड़ा है, दल छोटे हैं। संविधान बड़ा है, सत्ता छोटी है। जनता बड़ी है, नेता उसके प्रतिनिधि हैं। राजनीति यदि यह भूल गई तो जनता को उसे याद दिला होगा और यह काम केवल मणपेटों के दिन नहीं, हर दिन जागरूक नागरिक बनकर करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com दे सकते हैं।

बाणसागर बांध
लबालब, आज सुबह
खुल सकते हैं जलद्वार

शहडोल। जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते बाणसागर जलाशय का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। बांध की सुरक्षा और जल प्रबंधन को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने रविवार दोपहर एक आधिकारिक चेतावनी जारी की है। यदि जल की आवक इसी रफ्तार से जारी रही, तो सोमवार 24 अगस्त की सुबह 6 बजे से बांध के मुख्य रैडियल दरवाजों (गेटों) को खोलकर सोन नदी में अतिरिक्त जल छोड़ा जा सकता है। कार्यपालन यंत्री एस.के. शर्मा द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर 12 बजे तक बाणसागर बांध का जलस्तर 340.11 मीटर मापा गया। बांध की कुल भराव क्षमता (पूर्ण जल भराव स्तर) 341.64 मीटर है। इस प्रकार जलाशय का जलस्तर अपनी अंतिम सीमा से महज 1.53 मीटर ही नीचे रह गया है।

4 घंटे में एक इंच से ज्यादा बारिश

बालाघाट। बालाघाट जिले में पिछले आठ दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बीते 24 घंटों में जिले में एक इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। चालू मानसून सीजन में अब तक कुल 35 इंच बारिश हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 इंच कम है। पहले सबसे कम बारिश वाले खैरलांजी तहसील में अब आंकड़ा बढ़ गया है। जिले में अब कटंगी तहसील में सबसे कम 25 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं, बालाघाट तहसील में सर्वाधिक 48 इंच वर्षा हुई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 56 इंच है। हालांकि, औसत वर्षा के अनुसार अब तक जिले में 43 इंच बारिश हो जानी चाहिए थी, लेकिन यह आंकड़ा अभी भी पीछे है।

नदी में डूबे दो मासूम, एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी सतना। कच्चा स्थित रेलवे पुल के पास रविवार को सेमरवाल नदी में नहाते समय एक बड़ा हादसा हो गया। नदी के तेज बहाव की चपेट में आने से दो नाबालिग बच्चे डूब गए। घंटों चले राहत और बचाव कार्य के बाद पुलिस और एसडीआरफ की टीम ने एक बच्चे का शव घटना स्थल से करीब ढाई किलो मीटर दूर बरामद कर लिया है,जबकि दूसरे मासूम की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

खेत के विवाद में युवक पर डंडे से हमला, जान से मारने की धमकी

अमानगंज। खेत के विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि खेत के संबंध में बातचीत के दौरान भारत ने उसके साथ विवाद करते हुए डंडे से हमला कर दिया। डंडे की चोट बायीं अंग के पास लगने से खून निकलने लगा। फरियादी के अनुसार आरोपी ने घटना के बाद धमकी देते हुए कहा कि आज तो बच गया है, दोबारा खेत के बारे में बात की तो जान से खत्म कर दूंगा। खेत से वापस आने के बाद उसने घटना की जानकारी अपनी दादी रामरती वैद्यरी, दादा जगन्ना वैद्यरी एवं गांव के बख्त प्रताप सिंह राजपूत को दी। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 296(बी), 115(2) एवं 351(3) बीआरएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

रास्ते में रोककर युवक से मारपीट, गाली-गाली और जान से मारने की धमकी

अमानगंज। ग्राम पिपरवाह में सिरी तिराहा के पास एक युवक के साथ मारपीट, गाली-गाली और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम पिपरवाह निवासी रज्जम उर्फ राजेन्द्र यादव (38) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 21 अगस्त की रात करीब 10 बजे वह अमानगंज से अपने घर लौट रहा था। सिरी तिराहा के पास उसे गांव का हक्क लाल वैद्यरी मिला, जिससे वह बातचीत करने लगा। इसी दौरान गांव का शैलू यादव वहां पहुंचे और हक्क लाल को बुलाने की लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि शैलू ने गाली देने से लमा करने पर फरियादी की शर्ट का कॉलर पकड़कर थपड़ मारा और जमीन पर पटक दिया। इसी दौरान जगन यादव और नरेंद्र यादव भी मौके पर पहुंचे और गाली-गाली करते हुए मारपीट करने के लिए उकसाया। फरियादी के विलाने पर हक्के बेटा यादव और हरिशचन्द्र यादव ने बीच-बचाव किया।

प्रेमिका को पाने के लिए प्रेमी ने रची खौफनाक साजिश

2 मासूमों का अपहरण कर कुएं में फेंका, दोनों के मिले शव

लवकुशनगर।

थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अपनी शादीशुदा प्रेमिका को पाने की अंधी सनक में एक प्रेमी ने उसके दो मासूम बेटों का अपहरण कर उन्हें जिंदा कुएं में फेंक दिया। शुक्रवार दोपहर से लापता दोनों सगे भाइयों के शव पहाड़तरे के पुरवा स्थित एक कुएं से बरामद किए गए हैं। इस दोहरे हत्याकांड के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश भी शुरु कर दी है।

स्कूल से घर लौटते वक्त हुए थे लापता

जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर के वार्ड नंबर-2, सिद्धन मोहल्ला निवासी निरपत यादव के दो बेटे—सचिन यादव (11) और प्रेम यादव (9), जो स्थानीय क्लाइमेक्स



इंग्लिश स्कूल के छात्र थे, शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे अचानक लापता हो गए थे। जब बच्चे काफी देर तक घर नहीं पहुंचे, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। सुराग न मिलने पर बच्चों की मां संगीता यादव ने लवकुशनगर थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया था।

सर्व ऑपरेशन के दौरान कुएं से मिले शव

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कई टीमें गठित कर सीसीटीवी फुटेज और संभावित रास्तों पर सर्व ऑपरेशन शुरू किया। जांच और सुरागों के आधार पर पुलिस जब पहाड़तरे के पुरवा के पास स्थित कुएं तक पहुंची, तो वहां दोनों बच्चों के शव उतराते मिले। पुलिस बल ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों

शवों को बाहर निकाला और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

प्रेमिका को पाने की सनक में वारदात को अंजाम -

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी बालकेश सिंह महिला का प्रेमी है और वह महिला को अपने साथ रखने की जिद पर अड़ा था। इसी सनक के चलते उसने रास्ते का कांटा मानकर दोनों मासूमों का बाइक से अपहरण किया और उन्हें कुएं में फेंककर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया।

दो मासूम बच्चों की नृशंस हत्या की खबर फैलते ही पूरे कस्बे व यादव समाज में गहरा रोष फैल गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

इनका कहना है -

पिछले दो दिनों से पांच थानों की अलग-अलग टीमें तलाश में लगी थीं। आज सर्चिंग के दौरान जानकारी लगी कि जुझारनगर थाना क्षेत्र के एक कुएं में दोनों बच्चों के शव मिले हैं। बालकेश सिंह पूर्व से इनका पारिवारिक मित्र था और घर पर आना-जाना था इसलिए बच्चे उसके साथ चले गए। इसके पश्चात किन परिस्थितियों में बच्चों की मृत्यु की गई यह अभी जांच का विषय है। आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

रजत सकलेचा, एसपी छतरपुर

कलयुगी बेटे ने पत्थर से कुचलकर की 50 वर्षीय मां की हत्या, दोनों बेटे हिरासत

छतरपुर। जिले के बमनौरा थाना क्षेत्र में 50 वर्षीय महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला की हत्या पत्थर से हमला कर किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतका की हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलते ही बमनौरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर जांच शुरू की। मृतका के दो बेटे बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस ने दोनों बेटों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

बमनौरा थाना प्रभारी अधिषेक पांडे के अनुसार, महिला की मौत



किन परिस्थितियों में हुई और हत्या में किसकी भूमिका है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर पूछताछ कर रही है।

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बड़ामलहरा सिविल अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और हत्या की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

खेत में जहरीले सर्प ने काटा, 63 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के पीरा गांव में खेत पर काम कर रहे 63 वर्षीय बुजुर्ग की सर्पदंश से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन बुजुर्ग को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में मातम पसर गया।

जानकारी के अनुसार, पीरा गांव निवासी बब्बू आदिवासी (63) खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सर्प ने उन्हें काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने बुजुर्ग का उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के



कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत की खबर जैसे ही परिजनों और ग्रामीणों को मिली, गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बताया जा रहा है कि खेत में काम करने के दौरान सर्प के

आने से यह हादसा हुआ। ग्रामीण इलाकों में बारिश के मौसम में खेतों और आसपास के क्षेत्रों में जहरीले सर्प निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में खेतों में काम करने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने

की जरूरत है। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के शव को आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंपे जाने की प्रक्रिया की गई। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

चार हाथ और चार पैर होने की सूचना से मची हलचल

लवकुशनगर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुशनगर स्वास्थ्य केंद्र से एक बेहद दुर्लभ और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नवजात शिशु के जन्म के बाद उसके शरीर में चार हाथ और चार पैर होने की जानकारी सामने आई है। नवजात के जन्म की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है।

प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर स्वास्थ्य केंद्र में महिला का प्रसव कराया गया। प्रसव के बाद जब नवजात को देखा गया तो उसके शरीर की असामान्य संरचना सामने आई। बताया जा रहा है कि बच्चे के चार हाथ और चार पैर हैं। इस दुर्लभ जन्म को देखकर स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद लोग और परिजन भी हैरान रह गए।

बताया गया है कि प्रसव के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की नर्सों ने तत्परता और सज्जबूझ के साथ स्थिति को संभाला। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक नवजात की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि जन्म के बाद बच्चा स्वस्थ नजर आ रहा है और उसकी देखभाल की जा रही है।

हालांकि, बच्चे की वास्तविक चिकित्सकीय स्थिति को



लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। चिकित्सकों द्वारा नवजात की जांच किए जाने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शरीर में अतिरिक्त अंगों की स्थिति किस प्रकार की है और बच्चे को आगे किसी विशेष उपचार अथवा विशेषज्ञ चिकित्सा की आवश्यकता होगी या नहीं।

चिकित्सा विज्ञान में शरीर में अतिरिक्त हाथ-पैर जैसी जन्मजात असामान्य स्थिति को पॉलीमेलिया जैसी दुर्लभ जन्मजात विकृति से जोड़ा जाता है। हालांकि, इस मामले में बिना चिकित्सकीय जांच, विशेषज्ञ की राय और आधिकारिक

रिपोर्ट के किसी निश्चित बीमारी या विकृति का नाम देना उचित नहीं होगा। घटना की जानकारी सामने आने के बाद लवकुशनगर क्षेत्र में भी लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्वास्थ्य केंद्र के आसपास लोग इस दुर्लभ जन्म को लेकर जानकारी लेते नजर आए। वहीं, नवजात के परिजन फिलहाल बच्चे की देखभाल में जुटे हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग और संबंधित चिकित्सकों की जांच के बाद ही इस मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। खास तौर पर यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि नवजात के अतिरिक्त अंग किस प्रकार विकसित हुए हैं और उनका शरीर की सामान्य संरचना से क्या संबंध है।

फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर इतना ही कहा जा सकता है कि लवकुशनगर स्वास्थ्य केंद्र में चार हाथ और चार पैर वाले नवजात के जन्म की सूचना सामने आई है, लेकिन बच्चे की चिकित्सकीय स्थिति और जन्मजात असामान्यता की प्रकृति की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। स्वास्थ्य विभाग या चिकित्सकों की ओर से जैसे ही इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी, जांच रिपोर्ट या विशेषज्ञ की राय सामने आती है, उसके आधार पर घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

सिवनी में किन्नर समाज के दो गुट आमने-सामने, क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद गहराया

सिवनी। सिवनी जिले में किन्नर समाज के दो गुटों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। संजय वाई टिंगा मोहल्ला निवासी जिले के किन्नर समाज की गुरु कशिषा नायक किन्नर ने अपने साथियों के साथ सिवनी कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस ने मामले में एनसीआर क्रमांक 0649/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 352 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। शिकायतकर्ता 37 वर्षीय कशिषा नायक ने पुलिस को बताया कि कई पीढ़ियों से उनके गुरु-दादगुरु सिवनी एवं सिवनी के आसपास के क्षेत्रों में नेमा मांगते आ रहे हैं, जिसका प्रमाण उनके पास मौजूद है। आरोप है कि नियत कुछ महीनों से महाराष्ट्र एवं अन्य प्रदेशों के कुछ किन्नर सिवनी जिले के भोमा, कान्हीवाड़ा, पलारी, केवलारी और बरघाट क्षेत्रों में पहुंचकर कथित रूप से वसूली कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार स्थानीय किन्नर समाज द्वारा उन्हें समझाइश दी गई कि वे इन क्षेत्रों में क्यों घूम रहे हैं और यहां से चले जाएं। आरोप है कि इसके बाद बेबी नायक एवं उसका चेला मुस्कान निवासी नागपुर, महाराष्ट्र सहित अन्य लोगों द्वारा गाली-गलौज की गई और गोली मारने की धमकी दी गई। प्रार्थी के अनुसार दो दिन पूर्व भी इस संबंध में थाने में सूचना दी गई थी, लेकिन 22 अगस्त को पुनः वही लोग सैकड़ों चेलों के साथ वाहनों में घूमते हुए दिखाई दिए।

नरसिंहपुर जिला बना नींदियों का गढ़।

गोटेगांव। नरसिंहपुर जिले में इन्ना दिनें प्रशासनिक गतिविधियों की तस्वीर देखें तो बैठकों की कोई कमी नजर नहीं आती। सप्ताह में कई दिन अलग-अलग विभागों की बैठकों, समीक्षा बैठकों, निर्देश और प्राप्ति रिपोर्ट... और सोमवार आते ही टीएल (टाइम लिमिट) बैठक का सिलसिला। बैठकों का यह दौर लगातार जारी है, लेकिन अब सवाल यह उठने लगा है कि इन बैठकों के बीच जमीनी विकास की रफ्तार आखिर कहां है?बैठकों में योजनाओं की समीक्षा होती है, अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए जाते हैं, लक्षित मामलों पर चर्चा होती है और प्रगति के आंकड़े सामने रखे जाते हैं। लेकिन जगला की नजर उस रिपोर्ट पर नहीं, बल्कि सड़क, नाली, पानी, सफाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं में दिखाई देने वाले बदलाव पर है।बैठक पर बैठक... फिर भी जनता इंतजार मेंप्रशासनिक बैठकों का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना और विकास कार्यों को गति देना है। लेकिन यदि बैठक के बाद भी वही समस्याएं अगली बैठक की समीक्षा सूची में फिर दिखाई दें तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

चित्रकूट में दिनदहाड़े महिला का मंगलसूत्र लूटा

सतना। चित्रकूट थाना क्षेत्र अंतर्गत गुप्त गोदावरी के समीप मोटरसाइकिल सवार दो बहमशां ने एक महिला का रास्ता रोककर दिनदहाड़े सोने का मंगलसूत्र लूट लिया। हालांकि पीड़िता के शोर मचाते ही ग्रामीणों ने अपनी सज्जबूझ और तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। रास्ता रोककर दिया वारदात को अंजाम-जानकारी के अनुसार, ग्राम पालदेव (नोबरता) निवासी पीड़िता श्रीमती पुष्पा देवी (32 वर्ष) अपने मायके से वापस ससुराल लौट रही थीं। शाम लगभग अबजे गुप्त गोदावरी के पास पीछे से आए एक मोटर साइकिल सवार दो बहमशां ने उनके आगे अपनी गाड़ी अड़ाकर रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने महिला को डरा-धमकाकर उसके गले से सोने के लॉकेट वाला मंगलसूत्र छीन लिया और भागने लगे। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ा,यूपी से जुड़ा अपराधिक नेटवर्क-पीड़िता द्वारा तुरंत शोर मचाए जाने पर पास के ग्राम मोहुरा के निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी की और दोनों लुटेरों को धर दबोचा। सूचना मिलते ही डायल-112 और चित्रकूट थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों की पकड़ का सामान बरामद-चित्रकूट पुलिस ने आरोपियों के लूट के से लूटा गया सोने का लॉकेट और वारदात में इस्तेमाल मोटर साइकिल (UP76CZ2963) जफत कर ली है।



एफआईआर



रिश्ते का कत्ल

कर्ज, संपत्ति विवाद व शादी न होने की अनबन ने एक बेटे को हैवान बना दिया और उसने रिश्तों का कत्ल करते हुए देर रात जन्म देने वाली मां व बड़े भाई को मौत के घाट उतार दिया। शहर के मध्य हुए दोहरे हत्याकांड की खबर सुबह होते ही पूरे शहर में फैल गई और घटनास्थल के आसपास सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने खुद के हाथ-पैर बांधकर डकैती की झूठी कहानी रची, लेकिन कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया और दोहरे हत्याकांड के मामले में छोटे बेटे को गिरफ्तार कर लिया।

कलयुगी निकला छोटा बेटा, दौलत के लालच में मां और बड़े भाई की बेरहमी से कर दी हत्या

जगदलपुर से राजेश दास

घ

टना 11 जुलाई 2024 के रात 12 बजे से सुबह 7 बजे के बीच हुई। घर में घुसकर मां और बेटे की हत्या करने वाला कोई बाहरी बदमाश नहीं, बल्कि घर का ही छोटा बेटा नितेश गुप्ता निकला। आरोपी ने कर्ज, संपत्ति विवाद और शादी न होने की अनबन के चलते अपनी सगी मां गायत्री गुप्ता और बड़े भाई निलेश कुमार गुप्ता को मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने खुद के हाथ-पैर बांधकर डकैती की झूठी कहानी रची थी, लेकिन कड़ाई से पूछताछ के बाद बस्तर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया। 11 जुलाई को यह घटना तब सामने आई जब सुबह कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि अनुपमा चौक स्थित निलेश किराना स्टोर के घर के भीतर मां गायत्री गुप्ता और उनके बड़े बेटे निलेश गुप्ता की लहलुहान लाशें पड़ी हुई हैं। वहीं छोटा बेटा नितेश गुप्ता घर के बाथरूम में बेहोशी की हालत में हाथ-पैर बंधा हुआ मिला। घर का सामान बिखरा हुआ था, जिससे पहली नजर में यह मामला लूटपाट और हत्या का प्रतीत हो रहा था।



कुछ ही घंटे में पुलिस ने किया झूठी कहानी का पर्दाफाश

आरोपी ने रची थी नकाबपोश लुटेरों की कहानी

दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले छोटे बेटे नितेश ने नकाबपोश लुटेरों की कहानी रची थी। शुरूआती पूछताछ में घायल होने का नाटक कर रहे आरोपी छोटे भाई नितेश ने पुलिस को बताया कि रात के समय 4 नकाबपोश लुटेरे छत के रास्ते घर में दाखिल हुए थे। उसने दावा किया कि बदमाशों ने मां और भाई पर हमला कर दिया और विरोध करने पर उसके साथ भी मारपीट की और उसे बंधक बनाकर बाथरूम में डाल दिया।

ऐसे खुला कलयुगी बेटे का राज

एसपी शलम कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जब पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने जांच शुरू की, तो नितेश के बयानों में कई विरोधाभास मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और लूट के कोई पुरावा सबूत नहीं मिले। पूछताछ में वह बार बार अपने बयान को बदल रहा था, यहीं से पुलिस को संदेह हो गया कि वह जरूर कुछ छुपा रहा है। जब पुलिस ने नितेश से कड़ाई से पूछताछ की तो आखिरकार वह टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।



संपत्ति विवाद व कर्ज बनी हत्या की वजह

पुलिस जांच और आरोपी के कबूलनामे के अनुसार हत्या की कई कारण थे। पूछताछ में आरोपी नितेश ने बताया कि उसने बाजार और सूदखोरों से लाखों रुपये का कर्ज ले रखा था। जिसके कारण वह भारी तनाव में था। इस कर्ज को चुकाने वह लगातार अपने परिवार से पैसे की मांग कर रहा था, जिसे लेकर पिछले 6 महीनों से उसका अपने बड़े भाई निलेश से विवाद चल रहा था। भाई के प्रेम संबंधों और अपनी शादी न होने को लेकर भी उसके मन में अपने भाई के प्रति गहरी नफरत बैठ चुकी थी।



तवे से हमला व रस्सी से गला घोटकर हत्या

घटना की रात जब विवाद बढ़ा तो नितेश ने गुस्से में आकर पहले रसोई में रखे भारी तवे (बर्तन) से अपने बड़े भाई निलेश के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह बेहोश हो गया। बीच-बचाव करने आई मां गायत्री देवी पर भी उसने उसी तवे से जानलेवा हमला किया। इसके बाद दोनों की मौत सुनिश्चित करने के लिए उसने कपड़े सूखाने वाली रस्सी से मां और भाई दोनों का गला घोट दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद पुलिस से बचने के लिए सारे सबूत मिटाने की कोशिश की और खुद के हाथ-पैर बांधकर डकैती का रूप दे दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विभिन्न कानूनी धाराओं के तहत जेल भेज दिया है।

चोरी के नए तरीके हमेशा से सामने आते रहे हैं, जो कि पुलिस को चकमा देते के साथ ही परेशान भी करते रहे हैं। साल भर पहले बिलासपुर के मस्तूरी और जयरामनगर क्षेत्र में ऐसा ही मामला सामने आया। महिलाओं का गाउन पहने पहुंचे युवकों के मुखौटा गिरोह ने शहर में आतंक सा मचा दिया था। 5 सप्ते मकानों व एक ज्वेलरी शॉप में धावा बोलकर 50 लाख रुपये से अधिक के जेवर व नकद चोरी कर फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालती रह गई, लेकिन एक सुराग तक नहीं मिला। आलम यह है कि एक साल बाद भी पुलिस के हाथ खाली है।



बिलासपुर ले कृष्णा तम्बोली



महिलाओं के गाउन और मुखौटा पहनकर पहुंचे चोर साल भर बाद भी पुलिस के हाथ खाली

26

मई 2025 को मस्तूरी जयरामनगर स्थित संजय ज्वेलरी शॉप के संचालक रोज की तरह दुकान बंदकर अपने घर चले गए थे। देर रात बाहरी चोर गिरोह के युवक महिलाओं की गाउन व चेहरे में मुखौटा लगाकर उनकी दुकान पहुंचे। उन्हें देखकर गांव के कुत्ते भौंकने लगे। गिरोह के कुछ सदस्यों ने कुत्तों को बिस्किट सहित अन्य खाद्य सामग्री खिलाकर शांत करा दिया। उसके बाद गिरोह के सदस्यों ने ज्वेलरी शॉप का ताला तोड़ा। शो केस के कांच को तोड़कर लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवर व गल्ले में रखा नकद रकम चोरी कर आसानी से भाग निकले। दूसरे दिन सुबह गांव के ज्वेलरी शॉप में चोरी की वारदात से हड़कंप मच गया था। सूचना पर पुलिस के आला अफसर बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने ज्वेलरी शॉप के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो तीन से चार लोग महिलाओं का गाउन व चेहरे में मुखौटा लगाकर चोरी करते नजर आए। पहली बार इस तरह की चोरी की वारदात ने पुलिस अफसरों को भी परेशान कर डाला। पुलिस ने गांव में कैम्प भी किया और आसपास क्षेत्र में चोरों का सुराग लगाने सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी खंगाला लेकिन हाथ खाली ही रहे।

पुलिस का पूरा अमला मस्तूरी जयराम नगर में हुई चोरी की सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई थी, तो चोर गिरोह ने एक तरह से पुलिस को चुनौती दे डाली। गिरोह के सदस्यों ने एक दिन बाद ही 28 मई 2025 को मोपका क्षेत्र के महावीर सिटी व गणेश वैली के दो सप्ते मकानों में धावा बोल दिया। गिरोह ने दोनों मकानों में आराम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया और फरार हो गए।

जयरामनगर, मोपका, देवरीखुर्द में लगातार वारदात

महिला के वेश में चोर

चेहरा छिपाने के लिए मुखौटा

साल भर से दहशत, पुलिस की विफलता

कुल नुकसान: 50 लाख से अधिक!

जयरामनगर, मोपका, देवरीखुर्द में वारदात

5 मकान, 1 ज्वेलरी शॉप को बनाया निशाना

सीसीटीवी फुटेज में कैद, फिर भी सुराग नहीं

लगातार वारदातों से जनता में भय

पुलिस की सुस्त जांच, अपराधी बेखौफ

मुंगेली तक किया पीछा

सिलसिलेवार पांच मकान व एक ज्वेलरी शॉप में चोरी की वारदात ने पुलिस की नाक में दम कर दिया। जयरामनगर, मोपका, देवरीखुर्द में तकनीकी साक्ष्य एकत्रित करते हुए कुछ संदिग्ध मोबाइल नम्बर हाथ लगे। जिसका लोकेशन मुंगेली रोड की ओर बताया गया। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर मुंगेली तक गिरोह का पीछा किया, लेकिन गिरोह के सदस्य पुलिस अमला के लोकेशन से एकाएक गायब हो गए। उसके बाद अमला बैरंग लौट आया।

एक साल बाद भी पुलिस के हाथ खाली

फिल्महाल आलम यह है कि इस चोर गिरोह के बारे में पुलिस के पास कोई भी जानकारी नहीं है। वर्तमान में सभी मामलों की डायरी थानों में धूल खाते पड़ी हुई हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले के पुलिस का सुचना तंत्र कितना मजबूत है। एक तरह से पुलिस सिस्टम चोरों को पकड़ पाने में फेल साबित हो रही है।

शुरूआत में यह मामला अंधे कत्ल जैसा लग रहा था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस के सामने जो तथ्य निकलकर सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि अतिंदर शाहनी की दो सगी नातिनों में बड़ी दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की, उसकी नाबालिग बहन, सुमित हीरानंद लालवानी ने रकम और जेवर के लालच में हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक दो सगी बहनों ने अपनी नानी से 2 लाख रुपये की मांग की थी।

दो सगी बहनों ने प्रेमी संग रची साजिश

बुजुर्ग नानी को मौत के घाट उतारकर लूटे लाखों के गहने और कैश



मिलाई से जेएम तांडी



दो लाख और जेवरात की लालच में दो सगी बहनों ने मिलकर अपनी नानी को तकिया से मुंह दबाकर व स्टील की बोतल से सिर पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। यह सनसनीखेज मामला जुलाई 2024 को हुआ था। नानी की हत्या करने के लिए बकायदा उनकी पोतियां नागपुर से ट्रेन से भिलाई पहुंची थी। उतई पुलिस के मुताबिक 24 जुलाई 2024 को कुबेर अपार्टमेंट निवासी 56 वर्षीय अतिंदर शाहनी मकान में अकेली रहती थी। अपार्टमेंट स्थित मरान का दरवाजा कई दिनों तक नहीं खुलने पर 27 जुलाई को आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान का दरवाजा खोलकर देखने पर वृद्धा का शव सड़ी-गली हालत में मिला था। पुलिस शव को पीएम के लिए भेज दिया। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि अतिंदर शाहनी की हत्या की गई थी। पुलिस ने अपनी जांच का एंगल बदल दिया। शुरूआत में यह मामला अंधे कत्ल जैसा लग रहा था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस के सामने चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि अतिंदर शाहनी की दो सगी नातिनों में बड़ी दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की, उसकी नाबालिग बहन, सुमित हीरानंद लालवानी ने रकम और जेवर के लालच में हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक दो सगी बहनों ने अपनी नानी से 2 लाख रुपये की मांग की थी। रकम नहीं मिलने पर दोनों ने नानी की हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों घर से नकदी और जेवरात लेकर नागपुर फरार हो गई थीं। जांच में सामने आया कि बड़ी बहन ने अपने बॉयफ्रेंड की मदद से चोरी के जेवरात बेच दिए थे। दो साल बाद पुलिस ने बॉयफ्रेंड सुमित हीरानंद लालवानी को नागपुर से गिरफ्तार किया। घटना में सगी बहनों को पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया था।

ऐसा रची नानी की हत्या की साजिश

जांच में सामने आया कि दोनों बहनें दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की, उसकी नाबालिग बहन नानी से रकम का डिमांड कर रही थी। पैसे नहीं मिलने पर नातिनों ने मिलकर नानी को जान से मारने तक की पहलू धमकी दी थी। लेकिन नानी अतिंदर शाहनी रकम जेवरात देने से इंकार करने पर उसकी हत्या की साजिश रची। फिर 24 जुलाई 2024 को दोनों बहनें नागपुर से छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के जरिए मुंबई पहुंची थी। यहां से ऑटो लेकर वे सीधे पुरई स्थित अपनी नानी अतिंदर शाहनी के अपार्टमेंट में पहुंचीं। दरवाजा खुलते ही बड़ी नातिन दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की ने नानी का मुंह दबा दिया। इसके बाद दोनों बहनों ने दुपट्टे से नानी के हाथ-पैर बांध दिए। फिर मुंह पर तकिया दबाया और स्टील की पानी की बोतल से सिर पर कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद दीपजोत कोर संधु उर्फ निक्की और उसकी नाबालिग बहन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

दो साल तक बॉयफ्रेंड छिपता रहा

उतई पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान बॉयफ्रेंड सुमित हीरानंद लालवानी पुलिस से छिपता रहा। इसे पकड़ने टीम बनाई गई थी, पुलिस जगह-जगह सुमित की खोजबीन में जुटी रही। जांच में बॉयफ्रेंड की कई महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस को मिलने पर टीम नागपुर के लिए रवाना हुई। सुमित हीरानंद लालवानी आखिरकार के बारे में पुलिस ने तकनीकी इनपुट और मुखबिर से मिली, सूचना के आधार पर उसका लोकेशन ट्रेस किया। जो महाराष्ट्र के नागपुर में होने की जानकारी मिली। पुलिस ट्रेन न करके हुए मौके पर पहुंची और दक्षिण देकर सुमित को गिरफ्तार कर भिलाई लाते आई। पूछताछ में आरोपी ने कई अहम जानकारी भी पुलिस को दी हैं।

खबर संक्षेप

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का राजस्व 1,896 करोड़
मुंबई। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने 30 जून 2026 को समाप्त वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के समेकित वित्तीय नतीजे जारी किए। कंपनी की कुल बिक्री मात्रा सालाना आधार पर 15 फीसदी बढ़कर 3.81 मिलियन टन हो गई। इस दौरान कंपनी का राजस्व 22फीसदी बढ़कर 1,896 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का ऑपरेटिंग एबिटाडा 298.6 करोड़ रुपए और कर के बाद लाभ 153.4 करोड़ रुपए रहा। 30 जून 2026 तक कंपनी का शुद्ध कर्ज 3,856 करोड़ रुपए था।

सम्मेलन में एक्ट इंदौर फ्रेमवर्क लांच

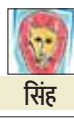
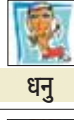
इंदौर। राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक्ट इंदौर फ्रेमवर्क लांच किया गया। यूथ की आवाज और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अपेकर्स (एनआईयूए) के संयुक्त प्रयास से तैयार इस शहर-स्तरीय फ्रेमवर्क का उद्देश्य शहर के सुशासन, शहरी नियोजन और क्लाइमेट एक्शन में युवाओं की स्थायी और सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करना है। एक्ट इंदौर फ्रेमवर्क को इंदौर क्लाइमेट लीग के 50 फेलो के अनुभव और जमीनी कार्य के आधार पर विकसित किया गया है। इन फेलो ने छह महीने से अधिक समय तक स्थानीय समुदायों के साथ काम किया।

पोको एम8एक्स 5जी स्मार्टफोन लांच

बेंगलुरु। शाओमी इंडिया ने पोको एम8एक्स 5जी स्मार्टफोन लांच करने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, यह क्वालकॉम के नए स्नैपड्रैगन 4 जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म से लैस भारत का पहला स्मार्टफोन है। फोन में 7900एमएच की बड़ी बैटरी, 6.9 इंच का 120एचजेड एड्रैप्टिव डिस्प्ले और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई की सुरक्षा दी गई है। पोको एम8एक्स 5जी को रोजमर्रा के काम, मनोरंजन और लंबे समय तक कनेक्टिविटी को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

एआई से कारोबार बढ़ाने में मिली मदद
बेंगलुरु। अमेजन एड्स की एक नई स्टडी के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के छोटे और मध्यम कारोबारों के लिए विज्ञापन की दुनिया को तेजी से बदल रहा है। एआई टूल्स की मदद से छोटे कारोबार अब कम लागत और कम संसाधनों में बड़े प्लेटफॉर्म, नए दर्शकों और अलग-अलग विज्ञापन फॉर्मेट्स तक पहुंच बना पा रहे हैं। अध्ययन के अनुसार, 87 फीसदी एएसएमबी का कहना है कि एआईटूल्स ने उन्हें ऐसे प्लेटफॉर्म, ऑडियंस और फॉर्मेट्स तक पहुंचने में मदद की है।

राशिफल

	कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।
	कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रुझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
	अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचे, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।
	आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुरवाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से ध्वनज्ञान हो सकता है।
	पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।
	नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।
	आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।
	वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।
	रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रुझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोतरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।
	आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रुचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।
	परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।
	रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

गतिविधि शुल्क में कमी और वन टाइम सेटलमेंट योजना लागू करने की फिर उठी मांग

भोपाल चेंबर सदस्यों ने अध्यक्ष गोयल से चुनावी वादे पूरे करने की मांग उठाई

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► भोपाल

करीब आठ माह पहले भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव के दौरान सदस्यों की समस्याओं और मांगों को लेकर कई मुद्दे सामने आए थे। उस समय अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल ने सदस्यों की समस्याओं के निराकरण के साथ गतिविधि शुल्क में कमी करने और बकाया सदस्यता शुल्क वाले सदस्यों के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना लागू करने का वादा किया था।

अब गोविंद गोयल के अध्यक्ष पद संभालने के बाद इन मांगों को लेकर एक बार फिर चेंबर के भीतर आवाज उठने लगी है। सदस्यों का कहना है कि चुनाव के दौरान किए गए वादों पर अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। इसे लेकर राजधानी के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों, चेंबर के सदस्यों और कार्यकारिणी से जुड़े लोगों में चर्चा है।

बीआईए ने निवेशकों को किया जागरुक

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► भोपाल

भोपाल इन्वेस्टर्स एसोसिएशन (बीआईए) ने एमसीएक्स और पृथ्वी फिनमार्ट के साथ मिलकर राजधानी के निवेशकों के लिए निवेशक जागरूकता सम्मेलन का आयोजन एमपी नगर जोन-1 में किया गया। इस सम्मेलन में भारतीय कमोडिटी और वित्तीय बाजारों में निवेशकों को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन के प्रमुख संतोष अग्रवाल ने वर्तमान दौर में निवेशकों को जोखिम की जानकारी

चेंबर के सदस्यों और कार्यकारिणी से जुड़े लोगों में चर्चा

राहत से छोटे- मध्यम व्यापारियों की सदस्यता बनाए रखना आसान होगा

गतिविधि शुल्क कम करने की मांग



चेंबर के सदस्यों का कहना है कि वर्तमान गतिविधि शुल्क को कम किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक व्यापारी संगठन से सक्रिय रूप से जुड़े रहें। सदस्यों के अनुसार, शुल्क में राहत मिलने से छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए चेंबर की सदस्यता बनाए रखना आसान होगा और संगठन की सदस्य संख्या एवं भागीदारी भी बढ़ सकती है।

पुराने सदस्यों को जोड़ने की मांग

दूसरी प्रमुख मांग लंबे समय से सदस्यता शुल्क जमा नहीं कर पाने वाले सदस्यों के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना लागू करने की है। सदस्यों का कहना है कि उचित और व्यवहारिक राशि निर्धारित कर पुराने बकाये का निपटारा करने की व्यवस्था की जाए, जिससे निष्क्रिय या शुल्क बकाया के कारण चेंबर से दूर हुए सदस्य दोबारा संगठन की मुख्यधारा में लौट सकें। व्यापारिक संगठनों से जुड़े लोगों का कहना है

कि चुनाव के समय सदस्यों के सामने रखे गए वादों को अब अमल में लाने की जरूरत है। वन टाइम सेटलमेंट जैसी पहल से चेंबर से जुड़े व्यापारियों की संख्या बढ़ाने के साथ संगठन की जमीनी भागीदारी भी मजबूत हो सकती है। सदस्यों और कार्यकारिणी से जुड़े लोगों ने अध्यक्ष गोविंद गोयल से चुनाव के दौरान किए गए वादों पर कारगरात्मक पहल करने और दोनों मांगों पर जल्द निर्णय लेने की सलाह दी है।

एक्सपर्ट ने डिब्बा व अनैतिक व्यापार से बचने की जानकारी दी



प्रदान की गई। एमसीएक्स के एक्सपर्ट विजय पटेल ने निवेशकों को वायदा बाजार के माध्यम से कैसे जोखिम को नियंत्रित किया जाता है और डिब्बा व अनैतिक व्यापार से कैसे बचना है, इसके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पृथ्वी

फिनमार्ट के एक्सपर्ट मनोज जैन ने निवेशकों को कमोडिटी वायदा बाजार की उपयोगिता के बारे में बताया गया और फोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन के द्वारा कमोडिटी को अपने निवेश पोर्टफोलियो में सम्मिलित किया जा सकता है। उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से बताया। इस सम्मेलन में निवेशकों का भरपूर समर्थन मिला। निश्चित रूप से ये भोपाल शहर के लिए आने वाले समय में बहुत उपयोगी साबित होगा। अंत में आभार एसोसिएशन के अमित मोदी ने व्यक्त किया।

नियंत्रण के लिए सरकार का बेहतर कदम 10 लाख टन शक्कर आयात को दी मंजूरी

एजेंसी:नई दिल्ली। रक्षाबंधन, तीज, गणेश उत्सव से पहले स्थानीय किराना जिंस बाजार में शक्कर के भाव 70 रुपए किलो ग्राम पहुंच गई। त्योहारों के बीच चीनी की बढ़ती कीमतों और घरेलू स्टॉक में कमी की आशंकाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने करीब एक दशक बाद चीनी के आयात की अनुमति दी है। सरकार ने घरेलू मांग को पूरा करने और त्योहारी सीजन में कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए टैरिफ रेट कोटा के तहत 31 अक्टूबर 2026 तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है।

रक्षाबंधन पर जन जागरूकता अभियान ‘रक्षा का धागा’ लॉन्च



इंदौर। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते, विश्वास और एक-दूसरे की सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। इसी भाव को सामाजिक जागरूकता से जोड़ते हुए पीआर 24x7 ने ‘रक्षा का धागा’ नाम से एक विशेष जागरूकता अभियान लांच किया है। अभियान के जरिए युवाओं को नशे और गलत संगत से दूर रहने तथा अपने सपनों और परिवार के भरोसे को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया है। अभियान के तहत एक वीडियो संदेश जारी किया गया है जिसमें एक ऐसे युवा की स्थिति को दिखाया गया है, जो पढ़ाई के लिए घर से दूर रहते हुए गलत संगत और नशे की गिरफ्त में आ जाता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर वह अपनी मां से झूठ बोलकर पैसे मांगता है। इसी दौरान उसे अपनी बहन के डेटवटर बनने की सफलता की खबर मिलती है। बहन जब फोन पर खुद को डेटवटर कहकर परिचित कराती है और भाई से कहती है कि उसे उस पर गर्व करना है, तो यह बात उसके मन को भीतर तक प्रभावित करती है। बहन के सपनों और परिवार के भरोसे को महसूस करने के बाद युवा नशे से दूरी बनाने का फैसला करता है। वह नशे की सामग्री फेंक देता है, पढ़ाई पर ध्यान लगाने का संकल्प लेता है और यह भी तय करता है कि वह अपनी गलत संगत को बदलेगा।

अभियान की कहानी आगे उसके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को दिखाती है। सीईओ नेहा गौर ने कहा, ‘रक्षाबंधन केवल राखी बांधने और उपहार देने का त्योहार नहीं है। यह एक-दूसरे के जीवन में सही दिशा देने और साथ खड़े रहने का अवसर भी है। रक्षा का धागा के माध्यम से हमारा प्रयास है कि युवाओं तक यह संदेश पहुंचे। नशा और गलत संगत उनके भविष्य और परिवार के सपनों को प्रभावित कर सकते हैं। कई बार अपनों का भरोसा और उनका अपना ही व्यक्ति को अपनी जिंदगी बदलने की ताकत देता है।’ उन्होंने कहा कि जागरूकता का उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना नहीं, बल्कि समय रहते सही रास्ता चुनने के लिए प्रेरित करना है। खासकर युवाओं के बीच नशे से जुड़े बढ़ते जोखिमों को देखते हुए परिवार, दोस्त और समाज सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। अभियान का संदेश है कि इस रक्षाबंधन केवल कलाई पर रक्षा का धागा बांधने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनों को नशे और गलत संगत से दूर रखने तथा उनके सपनों में साथ देने का संकल्प भी लें। अभियान का संदेश साफ है कि नशे के पीछे नहीं, बल्कि सपनों के पीछे भागें।

शब्द पहेली - 6326

1	2	3	4
		5	6
			7
8	9	10	
			11
13		14	
		15	16
			17
	18		
		19	
			20
		21	
			22
			23
	24		
		25	
			26
			27
28	29		30
			31
			32
			33
34			
		35	
			36
			37
			38
		39	
40			
			41

बाएँ से दाए-

- पक्षियों का शोर-4
- मुठभेड़,भिड़ंत-4
- क्रोधित होवा-5
- लाश,पार्थिव देह-2
- नवीन-2
- सरिता-2
- संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
- दोजख,नर्क-3
- नमकीन लवण-3
- बेकार-3
- आंचल-3
- फायदा,लाभ-2
- चिट्ठी,पत्र-2
- जी,चित-2
- संपूर्ण-2
- कुचलना,दबाना-3
- दाढ़म,एक फल-3
- सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
- खिचड़ी,पुलाव-3
- मां,आई-2

- भाय्य (अंग्रेजी-2)
- सौतन-2
- लौन-2
- चमकीला-5
- नसीब,किस्मत-4
- चुनौती-4
- ऊपर से नीचे

- दलाली-4
- स्वदेश,जन्मभूमि-3
- दौड़ी पीटना-3
- बेमिसाल-4
- इसमें तलवार रखते हैं-3
- मापदंड,आदर्श-3
- इच्छित वस्तु-4
- जिरक,कणिका-2
- थोड़ा,जरा-2
- आनंद-2
- क्रोधित,रुध-2
- अदा-3
- पति की बहन-3
- मन को हरने वाला-4
- निष्कर्ष-2

राखियां, कपड़े और उपहारों की दुकानें सजीं

रक्षाबंधन पर 25 हजार करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान, स्वदेशी राखियों की बढ़ी मांग

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► भोपाल

रक्षाबंधन का पर्व इस बार राजधानी भोपाल सहित देश के बाजारों के लिए बड़े कारोबार का अवसर बनता नजर आ रहा है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल और कैट मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर देशभर में करीब 25 हजार करोड़ रुपए के राखी कारोबार का अनुमान है। यह पिछले वर्ष के करीब 17 हजार करोड़ रुपए के कारोबार की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक है। वहीं, उपहार, मिठाई, वस्त्र और अन्य त्योहारी उत्पादों को शामिल करने पर कुल कारोबार 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने का अनुमान है।

कैट के अनुसार, वर्ष 2023 में राखी का कारोबार करीब 12 हजार करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष बढ़कर लगभग 17 हजार करोड़ रुपए हो गया। इस वर्ष इसमें और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। कैट का दावा है कि इस वर्ष देशभर के बाजारों में स्वदेशी राखियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, व्यापारियों और उपभोक्ताओं का रुझान भारतीय निर्मित राखियों की ओर बढ़ा है। देश के विभिन्न राज्यों में तैयार की गई पारंपरिक और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां ग्राहकों को पसंद आ रही हैं। कैट के मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि संगठन विभिन्न शहरों में विशेष स्वदेशी मेले आयोजित करने की भी तैयारी कर रहा है। इन मेलों में महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार राखियों सहित अन्य स्वदेशी उत्पादों की बिक्री की जाएगी।



राखी और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर बढ़ी रौनक, उमड़े लोग

रक्षाबंधन पर्व को लेकर राजधानी भोपाल के बाजार जैसे-न्यू मार्केट, सरफा चौक बाजार, आजाद मार्केट, ललवानी, मारवाडी रोड सहित बरखेड़ा, पिपलानी, आनंदनगर, बागसेवानियां, कोटार, करोड़ सहित सभी हाट-बाजारों में राखियां, कपड़े और उपहारों की दुकानें सज गई है और दुकानों में रौनक बढ़ने लगी है। त्योहार की तैयारियों में जुटी महिलाएं बड़ी संख्या में खरीदारी करती नजर आईं। बाजार में रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है। महिलाएं अपने भाइयों के लिए पसंद की राखियां खरीदने के साथ-साथ गिफ्ट आइटम और कपड़ों की भी खरीदारी कर रही हैं। दुकानदारों ने भी रक्षाबंधन को देखते हुए राखियों की विभिन्न वैरायटी और उपहार सामग्री का स्टॉक बढ़ा दिया है। बच्चों से लेकर महिलाओं तक में उत्साह नजर आ रहा है। बाजार में बढ़ी रौनक-पहल से व्यापारियों को भी अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

मग्न के 7 और शहरों में उबर बाइक सेवा शुरू

भोपाल। उबर ने भारत में अपने अब तक के सबसे बड़े विस्तार की घोषणा की। कंपनी देश के 100 और शहरों में अपनी सेवाएं शुरू करेगी, जिससे उबर की मौजूदगी देशभर के 225 शहरों तक पहुंच जाएगी। यह विस्तार 18 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश तक फैला है, जिससे बड़े शहरों से आगे भी उबर की मौजूदगी काफी मजबूत होगी। इसी के तहत, उबर मध्य प्रदेश के 7 और शहरों- उज्जैन, इंदौर, सतना, सागर, देवास, रीवा और कटनी, में उबर बाइक सेवा शुरू करेगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।



18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। वर्यों की कमजोरी नासरी, धातु का घातलापव,शुनर,दी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकाश के विज्ञापनों (डिस्पेंस रिंग बलारीआई ड में दिख गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूडोकु नवताल - 6336

कठिनताम

				5	1	4			
			7				2		
			8						3
	1								8
5					4				9
7								6	
4						7			
	2					6			
		3	9	8					

सूडोकु नवताल - 6335 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

MANGA, SENCHI, BANGALORE



क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज ‘आश्रम 4’ का ऐलान

मुंबई। बाँबी देओल की अदाकारी वाली वेब सीरीज ‘आश्रम’ की अगली कड़ी का ऐलान हो गया है। प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। ‘आश्रम’ सीरीज के सभी पार्ट को दर्शकों ने प्यार दिया है। ‘आश्रम 4’ का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की गई है। तस्वीर शेयर

करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन में लिखा ‘एक और आरंभ। आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जापनाम। आश्रम 4 की शूटिंग हो रही है।’ बता दें कि आश्रम (सीजन 1) 2020 में, आश्रम चैप्टर 2 (सीजन 2) 2020 में और आश्रम 3 (सीजन 3) 2022 में रिलीज हुई। सभी सीजन के निर्देशक प्रकाश झा हैं।

लाइफ **Style**

नयनतारा

2-3 हजार थी पहली सैलरी, आज करोड़ों की हैं मालकिन

एजेन्सी ►► **मुंबई**

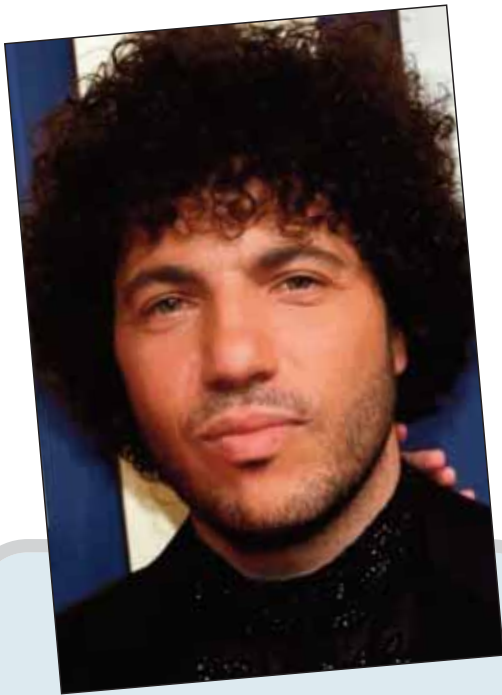
एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें अपने पहले प्रोफेशनल असाइनमेंट के लिए सिर्फ 2,000-3,000 रुपए मिले थे। आज ‘लेडी सुपरस्टार’ करोड़ों की मालकिन हैं और उनका खुद का प्रोडक्शन हाउस भी है। उन्होंने इस बातचीत के दौरान अपने संघर्ष के दिनों के बारे में खुलकर बात की। एक बातचीत के दौरान, नयनतारा से उनकी पहली नौकरी और पहली सैलरी के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी और याद करते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि यह एक कवर शूट के लिए था। मुझे लगता है कि मुझे एक फैशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था।’ फिर उन्होंने बताया कि उन्हें उस असाइनमेंट के लिए लगभग 2,000-3,000 रुपये मिले थे। पर्ल ने मजाकिया अंदाज में एक किस्सा सुनाते हुए कहा, ‘मुझे अपने पिता के नाखून काटने के लिए 500 रुपये मिले थे।’ नयनतारा ने अपने करियर की शुरुआत 2003 में ‘मनस्विनावकांरे’ फिल्म से की थी। उन्हें फिल्ममेकर सत्यन अंथिकाड ने ‘वनिता’ मैगजीन में उनकी एक फोटो देखकर चुना था, जब वह एक मॉडल के तौर पर काम कर रही थीं। शुरू में उनका एक्टिंग में आने का कोई प्लान नहीं था, लेकिन उन्होंने गौरी का रोल स्वीकार कर लिया।



हॉलीवुड मसाला

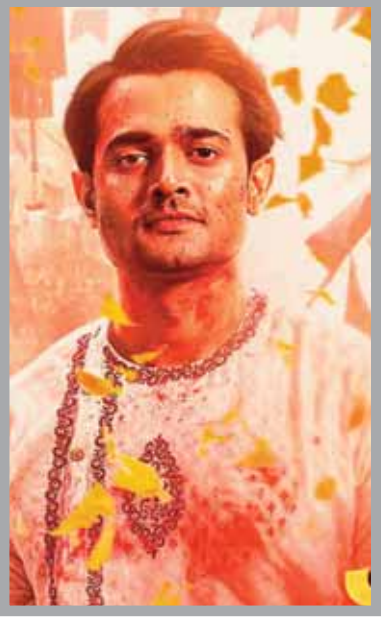
समय बर्बाद होने का होता है पछतावा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार एंड्रयू गारफील्ड ने आखिरकार यह स्वीकार कर लिया है कि उनका एक सोफेट इंस्टाग्राम हैडल है। साथ ही उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर वे भी उतने ही एक्टिव हैं, जितना कि कोई अन्य। इतना ही नहीं, उन्होंने माना कि कई बार इंस्टाग्राम पर नेटफ्लिक्सशंस उन्हें डरते हैं। समय बर्बाद होने का मुझे पछतावा है। गारफील्ड ने कहा, ‘सोशल मीडिया का मैं भी जतना ही आदी हूँ, जितना कोई और हो सकता है। गारफील्ड ने कहा, जब आप इस पर गौर करते हैं, तो यह काफी परेशान करने वाली बात लगती है।



वजन कम करने का अनुभव किया साझा

लॉस एंजिल्स। म्यूजिक प्रोड्यूसर बेनी ब्लैको ने काफी वजन कम कर लिया है। इसके लिए उन्होंने एक अजीबो-गरीब डाइट प्लान पर अमल किया। वजन कम करने के अपने इस अनुभव को बेन ब्लैको ने साझा किया है। बेनी ब्लैको ने एक अनोखे डाइट एक्सपेरिमेंट के तहत पांच दिन तक सिर्फ पिज्जा खाकर लगभग पांच पाउंड वजन कम किया। इस एक्सपेरिमेंट का मकसद यह साबित करना था कि कोई भी खाना खाकर वजन कम किया जा सकता है। 38 साल के बेनी ब्लैको ने 19 अगस्त को पोस्ट किए गए एक टिकटॉक वीडियो में अपने एक्सपेरिमेंट के नतीजे शेयर किए। वह इस वीडियो में कहते हैं, ‘मैं साबित करना चाहता था कि सचमुच कुछ भी खाकर वजन कम किया जा सकता है।’ बेनी ने पूरे हफ्ते के लिए डोमिनोज का एक बड़ा थिन-कस्ट चीज पिज्जा चुना।



द रिवोल्यूशनरीज का गाना जय दुर्गा रिलीज

नई दिल्ली। वेब सीरीज ‘द रिवोल्यूशनरीज’ का गाना ‘जय दुर्गा’ रिलीज हो गया है। यह भक्ति सॉन्ग है, जो मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों को समर्पित है। देश की आजादी से पहले 1857 की क्रांति के दौर पर आधारित वेब सीरीज का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बीते दिनों इस पीरियड एक्शन सीरीज के किस्साओं से पर्दा उठाया गया था। ‘द रिवोल्यूशनरीज’ में भुवन बाम, गुरफतेह सिंह और प्रतिभा रांटा अहम भूमिकाओं में हैं। आज शुक्रवार को सीरीज का गाना ‘जय दुर्गा’ रिलीज हो गया है। इस गाने को श्रेयस प्रशांत पुराणिक के कंपोज किया है। वहीं इसे श्रेयस प्रशांत पुराणिक, राजा हसन, अलतमश फरीदी और दिव्या कुमार ने अपनी दमदार आवाज से सजाया है। सिद्धार्थ-गरिमा वाहल ने गाना लिखा है। गाने को बड़ी खूबसूरती से फिल्माया गया है।



एडवांस बुकिंग में टॉक्सिक का जलवा

मुंबई। अब फिल्म ‘टॉक्सिक’ ने एडवांस बुकिंग में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। रविवार सुबह तक बुक माय शो पर ‘टॉक्सिक’ हर घंटे करीब 10 हजार टिकट बेच रही थी। रिलीज से चार दिन पहले यह एक बड़ी संख्या है। फिल्म ने सिर्फ 48 घंटे में एडवांस बुकिंग से 18 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया। फिल्म के हिंदी डब वर्जन को भी इंडस्ट्री की उम्मीद से बेहतर रिसांस मिल रहा है। रविवार सुबह 8 बजे तक हिंदी वर्जन ने सिर्फ पहले दिन की एडवांस बुकिंग से 8 करोड़ रुपए की ग्राँस कमाई कर ली थी। फिल्म ने एडवांस बुकिंग की रफ्तार में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें ये फिल्में शामिल हैं- शाहरुख खान की ‘वान’(1.5 लाख टिकट), रणवीर सिंह की ‘रंथर 2’(1.3 लाख टिकट), रणबीर कपूर की ‘एनिमल’ (55 हजार टिकट)।

भंसाली की माइथोलॉजिकल फिल्म में करीना की एंट्री, धनुष भी आएंगे नजर

नई दिल्ली। इसे संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मित्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों ‘सरदार 2’ के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान ‘सिनेमा विक्टन’ से बात करते हुए मित्रन ने कहा, ‘करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं।

उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। हॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्कैप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की



योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी। बता दें कि संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म ‘देवदास’ बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था।

कलाकार की काबिलियत को फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता: सैयामी

मुंबई। अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म ‘दैवान’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी फिल्म घूमर और 8 एएम मेट्रो के परफॉर्मेंस को लेकर बात की है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि किसी कलाकार की काबिलियत को हमेशा फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता। अभिनेत्री ने कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन यह नहीं दिखाता कि किसी कलाकार को दर्शकों से कितना सम्मान मिलता है। अभिनेत्री का कहना है कि 1000 करोड़ रुपए की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती। उन्होंने कहा कि मैं ‘8 एएम मेट्रो’ जैसी फिल्म करके संतुष्ट हूँ। यह यूट्यूब पर बड़ी हिट हुई और बाद में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसे खरीद लिया। जब तक वह यूट्यूब पर बड़ी हिट नहीं हुई, तब तक कोई उसे खरीद नहीं रहा था। मुझे लगता है कि ‘8 एएम मेट्रो’ से मुझे जो सम्मान मिला है, वह मुझे किसी और फिल्म से नहीं मिला। कलाकार के मविष्य के मीकों को बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस से जोड़ने की आदत के बारे में सैयामी ने कहा, ‘मुझे लगता है कि हॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस के बारे में बहुत बात होती है। परी अगली फिल्म इस बात पर निर्भर करती है कि उसने कितना पैसा कमाया है, जो दुःखद है। यह काबिलियत पर कम और इस बात पर ज्यादा निर्भर करता है कि आपकी फिल्म कितना पैसा कमाती है। हालांकि यह एक करीबाना है। खेर ने उन फिल्ममेकरों से मिले सम्मान के बारे में भी बात की जिनहोंने मार्केट के दबाव के बावजूद उनके साथ काम करने का फैसला किया। उन्होंने कहा ‘घूमर’ को कोई भी बड़ा स्टार मिल सकता था, लेकिन आर बाल्की सर ने कहा तुम इस रिस्कट के लिए सबसे सही इंसान हो।



67 साल बाद भी भाई-बहनों का फेवरेट है यह अमर गीत

लता का रक्षाबंधन का वो गाना, जिसे गाते हुए रो पड़ीं सिंगर

नई दिल्ली। रक्षाबंधन का त्यौहार आने वाला है, लेकिन उससे पहले ही बहन और भाइयों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह फेस्टिवल भाई और बहन की जिंदगी में बहुत ही मायने रखता है, क्योंकि भले ही वह कितने भी दूर हों, लेकिन एक बहन अपने भाई की कलाई को सूना नहीं होने देती। जब बात त्यौहारों की हो तो अक्सर बॉलीवुड के गाने भी याद आ जाते हैं। रक्षाबंधन पर वैसे तो कई गीत बने हैं, लेकिन आज हम आपको लता मंगेशकर के एक ऐसे कल्ट गाने के बारे में बता रहे हैं, जिसे पिछले 67 सालों से भाई-बहन की जिंदगी में कोई हिलोस नहीं कर पाया है। ये छोटी बहन और भाई से जुड़ा एक ऐसा कालजयी गाना है, जिसे गाते हुए खुद लता मंगेशकर रो दी थीं।



भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक है ये गाना

67 साल बाद भी राखी के मौके पर जिस गाने की सबसे ज्यादा डिमांड है, वह गाना है ‘भैया मेरे राखी के बंधन को निमाना’। यह गाना साल 1969 में रिलीज हुई फिल्म ‘छोटी बहन’ का है, जिसमें स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी और गाने को हमेशा के लिए अमर किया था। जब भी रक्षाबंधन सेलिब्रेट किया जाता है, तो सबसे पहले हर बहन की जुबान पर यही गीत आता है।

फिल्म छोटी बहन में फिल्माए गए

नंदा और बलराज साहनी की मूवी ‘छोटी बहन’ में फिल्माए गए ‘भैया मेरे राखी के बंधन को निमाना’ म्यूजिक शंकर-जयकिशन ने दिया था। इसके अलावा इसके लिрикस शैलेन्द्र ने लिखे थे।

आज भी सदाबहार गीतों में है शामिल

इस गीत के बोल छोटी बहन के अपने भाई के लिए प्यार को व्यक्त करते हैं और ऐसा कहा जाता है कि जब लता मंगेशकर इस गाने को रिकॉर्ड कर रही थीं, तो उनकी आंखें भी नम हो गई थीं। इस गाने के बोल ऐसे थे कि उन्हें अपने छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर याद आने लगे, जिनसे लता



दीदी बहुत ज्यादा प्यार करती थीं। हृदयनाथ मंगेशकर ने एक इंटरव्यू में ये बताया था कि लता मंगेशकर ने पिता के निधन के बाद कैसे सभी भाई-बहनों को संभाला था। उन्होंने कहा था कि पूरे ब्रह्मांड में लता दीदी जैसी एक ही हैं। लता मंगेशकर की आवाज में गाया ये गाना आज सदाबहार गीतों में शामिल है।

किताबें खरीदने तक के नहीं थे पैसे एक करोड़ के सवाल तक पहुंची रुचिता

नई दिल्ली। महानायक अमिताभ बच्चन होस्टेड रियलिटी टीवी शो ‘कौन बनेगा करोड़पति’ में अब तक कई बार यह साबित हो चुका है कि चुनौतियां आपके अच्छे शिक्षा पाने के आड़े नहीं आ सकतीं। रुचिता ने बताया वह एक स्टूडेंट है और एसएससी की परीक्षा देने की इच्छुक हैं। रुचिता ने शो पर बताया कि उनके पास अपनी किताबें खरीदने तक के पैसे नहीं होते हैं। वह मुंबई के धारावी में अपने माता-पिता और भाई के साथ 10 फुट के छोटे से कमरे में रहती हैं। फैमिली की आर्थिक स्थिति खराब है, क्योंकि रुचिता के पिता प्रतिदिन केवल 600 रुपए कमाते हैं। शो के हालिया एपिसोड में मुंबई की रुचिता अधलराब एक करोड़ रुपये के पड़ाव तक पहुंच गई। रुचिता ने बताया कि उनके पास खुद का घर नहीं है और वह मुंबई के धारावी की एक चॉल में परिवार के साथ रहती हैं। यूं तो रुचिता के लिए खुद का घर बनाने को 25 लाख रुपए काफी थे, लेकिन खेल तो आगे बढ़ना ही था। शुक्रवार को जब उन्होंने हॉट सीट पर बैठकर खेल आगे शुरू किया तो उनके पास 2 लाइफलाइन बाकी रह गई थी। एक लाइफलाइन का हस्तांतरण करके उन्होंने 50 लाख रुपये के सवाल का सही जवाब दिया। इसके बाद आई वो चुनौती, जिसे पार करके वह 1 करोड़ की धनराशि जीत सकती थीं। तो चलिए जानते हैं कि क्या था यह 1 करोड़ रुपये का सवाल और क्या रुचिता इसका सही जवाब दे पाई? सवाल था- किस क्रिकेटर के नाम यह अनोखा रिकॉर्ड है कि वह टेस्ट मैच की दोनों पारियों में एक ही गेंदबाज की हैट्रिक का हिस्सा बनकर आउट हुए हैं?

सदुद्ध की सलाह पर एक्टिंग छोड़ खेती करने लगे थे

नई दिल्ली। ‘सारभाई वर्सेज सारभाई’ में रोनेश सारभाई का किस्सा निमाकर घर-घर में मशहूर हुए एक्टर राजेश कुमार एक बार फिर चर्चा में हैं। अभिनेता ने हाल ही में अपने कैरियर के उस फेज के बारे में बात की जब उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी थी और खेती शुरू कर दी थी। राजेश कुमार 2017 में एक्टिंग छोड़कर अपने होमटाउन गया चले गए और खेती करने लगे। राजेश कुमार ने उनके फैसले सहित कहयों को चौका दिया। अभिनेता के कई फैसले उनके इस फैसले से निराश भी हो गए थे, हालांकि बाद में उन्होंने एक्टिंग में वापसी कर ली। अब राजेश कुमार ने इस फैसले के बारे में खुलकर बात

की और बताया कि आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु से हुई बातचीत के बाद उन्होंने ये फैसला लिया था। एक बातचीत में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री छोड़कर बागवानी करने के अपने फैसले के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि एक समय पर वह 2 करोड़ से ज्यादा के कर्ज में डूब गए थे। ऐसे में उन्होंने बेटे के स्कूल के बाहर सब्जियां तक बेची।



सिनसिनाटी ओपन में 56 साल बाद दो अमेरिकी खिलाड़ियों की मिड़त

एजेसी ►► मेसन

जेसिका पेगुला ने मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को और कोको गॉफ ने सारा बेलेंक को हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाई और 56 साल बाद इस टूर्नामेंट के महिला फाइनल में दो अमेरिकी खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा।

पेगुला ने तीसरे सेट में एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्वियातेक को 7-5, 4-6, 6-4 से हराया। यह इस साल दूर पर उनकी 45वीं जीत है, जो सर्वाधिक है। यह पेगुला की दूर स्तर पर 300वीं जीत भी थी। उन्होंने स्वियातेक के लगातार 10 मैच से चले आ रहे जीत के क्रम को भी तोड़ दिया। सिनसिनाटी में पेगुला का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 में रहा था जब उन्हें फाइनल में एरिना सबालेंका के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

टियाफो का फाइनल में प्रवेश, नाकाशिमा को दी मात

सेमीफाइनल में टियाफो ने बैडन नाकाशिमा को 7-5, 6-3 से हराया। पहले सेट में उन्हें लगातार चार ब्रेक पॉइंट मिले, जिसके बाद टियाफो ने सर्व करके 4-3 की बढ़त बना ली। फिर उन्होंने दोबारा ब्रेक करके स्कोर 6-5 कर दिया और सर्व करके सेट जीत लिया। इसके बाद टियाफो ने नाकाशिमा के खिलाफ दूसरे सेट में 3-2 की बढ़त बना ली और सर्व करके जीत पक्की करते हुए फाइनल में जगह बना ली।

जेसिका और कोको में मुकाबला आज



गॉफ ने बेलेंक को दी शिकस्त

वर्ष 2023 की चैंपियन गॉफ ने बेलेंक को 6-4, 6-1 से हराया। चेक गणराज्य की 20 वर्षीय खिलाड़ी बेलेंक ने सेमीफाइनल तक के सफर में शीर्ष वरीय सबालेंका और मैड्रिसन कोज को हराकर उलटफेर किया था। सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में पिछली बार दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों का मुकाबला 1970 में हुआ था जब रोजी कैसाल्स ने नेव्सली रिची को हराया था। जेसिका पेगुला और कोको गॉफ के बीच सिनसिनाटी ओपन के महिला एकल का फाइनल मुकाबला 24 अगस्त को भारतीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे खेला जाएगा।

आर्थर फिल्स ने कोबोली को हराकर फाइनल में बनाई जगह

आर्थर फिल्स ने 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में फ्लोरियो कोबोली को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फिल्स की यह लगातार पांचवी जीत थी। कोबोली ने 2-1 की बढ़त ले ली, लेकिन फिल्स ने आठवें गेम में तुरंत सर्व तोड़कर जवाब दिया क्योंकि इटैलियन खिलाड़ी को बेसलाइन से खेलने में दिक्कत हो रही थी। 22 साल के फ्रेंच खिलाड़ी ने दूसरे सेट के पहले गेम में सर्व तोड़ा और अपने दमदार फोरहैंड से मैच पर कंट्रोल कर लिया, और 22 विमस और छह एस के साथ सेट खत्म किया।

स्त्रबर संक्षेप

गिकेल-डेलर्यू ने जीता मिश्रित युगल का खिताब



नई दिल्ली। फ्रांस की थॉम गिकेल और डेलफिन डेलर्यू की जोड़ी ने विश्व नंबर एक फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग जोड़ी को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के मिश्रित युगल का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। गिकेल और डेलर्यू की जोड़ी मिश्रित युगल में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाली फ्रांस की पहली जोड़ी बन गयी। विश्व की पांचवें नंबर की फ्रांस की जोड़ी ने रोमांचक फाइनल में चीन की जोड़ी को 22-20, 19-21, 21-15 से मात दी। एक घंटे 18 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ गिकेल और डेलर्यू ने अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। कांस्य पदक जीतने वाली फ्रांसीसी जोड़ी ने पूरे मुकाबले में शानदार रणनीतिक खेल का प्रदर्शन किया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को हराया



नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रोमियर लीग के बड़े स्कोर वाले मुकाबले में दबाव के क्षणों में धैर्य बनाए रखते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 21 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने शीर्ष और मध्यक्रम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 8 विकेट पर 232 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसके गेंदबाजों ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 8 विकेट पर 211 रन पर रोक दिया। किंग्स के लिए सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ जून ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 17 गेंद पर 33 रन बनाए। इसके बाद समर्थ सेठ ने 14 गेंद में 37 रन की तेजतर्रार पारी खेली। अंतिम ओवरों में मनी ग्रेवाल ने सिर्फ 16 गेंद पर 42 रन की तूफानी पारी खेलकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

जूनियर टेनिस कप ओम और दीपशिखा ने जीता खिताब



चेन्नई। पांचवीं वरीयता प्राप्त ओम पटेल और शीर्ष वरीयता प्राप्त दीपशिखा विनयागमूर्ति ने रविवार को यूनीफाई-आईटीएफ जूनियर टेनिस कप में क्रमशः लड़कों और लड़कियों के वर्ग के एकल खिताब जीते। दीपशिखा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए सविता भुवनेश्वर को सीधे सेटों में हराया जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त ओम पटेल ने करीब दो घंटे चले रोमांचक मुकाबले में ओम वर्मा को 1-6, 6-3, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। लड़कियों के एकल फाइनल में शीर्ष वरीय दीपशिखा ने सविता को 6-4, 6-3 से हराया। उन्होंने पिछले सप्ताह जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद लगातार दूसरे सप्ताह ट्रॉफी अपने नाम की।

कोलंबो टेस्ट : पहले दिन भारत ने 5 विकेट पर बनाए 300 रन

भारत का श्रीलंका पर मजबूत शिकंजा पडिक्कल ने जड़ा लगातार दूसरा शतक

एजेसी ►► कोलंबो

देवदत्त पडिक्कल के लगातार दूसरे शतक से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन रविवार को पहली पारी में 5 विकेट पर 300 रन बनाए। पहले टेस्ट में 167 रन की पारी खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज पडिक्कल ने दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 193 गेंद में 12 चौकों से 117 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान शुभमन गिल (50) के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 और रविंद्र जडेजा (43 रन, 83 गेंद, चार चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी 45 रन की उपयोगी पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर ध्रुव जुरेल सात जबकि सारांश जैन चार रन बनाकर खेल रहे थे।

फर्नांडो ने 46 रन देकर चटकाए 3 विकेट

श्रीलंका की ओर से अस्तिता फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 46 रन देकर तीन विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा और स्पिन्कर केशारा नुवानथा ने एक-एक विकेट चटकाया।



श्रीलंका की धरती पर एक टेस्ट सीरीज में 2 शतक लगाने वाले भारतीय बैटर्स

- | | |
|-------------------------------------|----------------------------------|
| ■ 2 शतक – विनोद कांबली (1993) | (2010) |
| ■ 2 शतक – मोहम्मद अजहरुद्दीन (1997) | ■ 2 शतक- शिखर धवन (2017) |
| ■ 2 शतक – सचिन तेंदुलकर (1997) | ■ 2 शतक – चेतेश्वर पुजारा (2017) |
| ■ 2 शतक – वीरेंद्र सहवाग | ■ 2 शतक – देवदत्त पडिक्कल (2026) |

पडिक्कल ने की सचिन-सहवाग की बराबरी

देवदत्त पडिक्कल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में गॉल में शतक (167 रन) लगाने के बाद दूसरे टेस्ट मैच में भी कोलंबो में पहली पारी में शतक लगाने का कमाल किया। नंबर 3 पर बैटिंग करने आए देवदत्त पडिक्कल ने बेहद धैर्यमयी पारी खेली और पहले दिन बैटिंग के लिए मुफ़ीद पिच पर कमाल की पारी खेलते हुए शतक लगाया दिया। श्रीलंका की धरती पर टेस्ट सीरीज में ये उनका दूसरा शतक रहा और उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग समेत 6 भारतीय खिलाड़ियों के इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। श्रीलंका की धरती पर भी उनका ये दूसरा टेस्ट शतक रहा और इसके साथ ही उन्होंने विनोद कांबली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और शिखर धवन की बराबरी कर ली।

चोट लगने के बाद पंत ‘रिटायर्ड हर्ट’

विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ शंत श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन रविवार को बाएं हाथ पर चोट लगने के बाद ‘रिटायर्ड हर्ट’ होकर मैदान से बाहर चले गए। दिन के तीसरे सत्र में श्रीलंका के तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने पंत को शॉर्ट गेंद डाली और भारतीय खिलाड़ी ने गेंद को पुत करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले के बजाय सीधे उनके बाएं हाथ पर जा लगी। चोट लगने के बाद पंत दर्द से कराहते दिखाई दिए।

जर्मन सुपरकप : बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब



एजेसी ►► डॉर्टमुंड

बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता।

जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथैनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल

फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने की बढ़त दोगुनी

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोसे बेर्लिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार गीरे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सबस्ट्रट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सबस्ट्रट्यूट फेबियो किल्वा ने गोल किया। आखिरी स्ट्रेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टेटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैपेन शुरू करेगा।

ऑस्ट्रेलिया की बांग्लादेश पर बड़ी जीत, सीरीज बराबर

एजेसी ►► मैकॉय

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के मैच में 10 विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे ही दिन रविवार को बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

स्टार्क ने मैच में 51 रन देकर 10 विकेट लिए। उन्होंने दूसरी पारी में 39 रन पर चार विकेट चटकाए जबकि पहली पारी में 12 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे। पैट कॉमिंस (10 रन पर तीन विकेट) और नाथन लियोन (25 रन पर तीन विकेट) ने भी तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ दिया। बांग्लादेश की दूसरी पारी 38.3



■ बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराकर श्रृंखला में की 1-1 से बराबरी

ओवर में 95 रन पर सिमट गई। कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने 31 रन बनाए जबकि मुशफिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाया।

स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में चौथी बार मैच में लिए 10 विकेट

स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में चौथी बार मैच में 10 विकेट चटकाए। इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टैन को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गए। उनके नाम अब 445 विकेट हैं। स्टार्क को श्रृंखला में 12 विकेट लेने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

बीजिंग में रोबोट ओलंपिक की शुरुआत 100 मीटर दौड़ और ऊंची कूद के तोड़े रिकॉर्ड

एजेसी ►► बीजिंग

चीन के ह्यूमनॉइड (मनुष्यों के आकार के) रोबोट ने बीजिंग में शुरू हुए ओलंपिक जैसे विश्व ह्यूमनॉइड रोबोट खेलों के पहले दिन मानवों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। इनमें जैम्पा के महान धावक उसेन बोल्ट का 100 मीटर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड भी शामिल है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में दो हजार से अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। पांच दिन तक चलने वाले इन खेलों का यह दूसरा सत्र है। अमेरिका के साथ तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बीच यह आयोजन रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन की तेजी से बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। इसमें दौड़, टेबल टेनिस और फुटबॉल समेत 51 स्पर्धाओं में एक हजार से अधिक मुकाबले होंगे। इन खेलों का आयोजन 2022 शीतकालीन ओलंपिक के लिए बनाए गए नेशनल स्पीड स्केटिंग ओवल में हो रहा है।



हॉकी विश्व कप : रेस में भारत का ‘डू और डाई’ मुकाबला

सेमीफाइनल के लिए भारत का ‘आखिरी दांव’!

एजेसी ►► एम्स्टेलवीन

नोदर्लैंड से पिछले मैच में हारने के बाद भारतीय टीम विश्व कप सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर होने की कगार पर है। हालांकि शनिवार को आखिरी पूल मैच में इंग्लैंड की अर्जेंटीना के हाथों हार ने तकनीकी तौर पर रास्ते बंद नहीं किए हैं लेकिन हरमनप्रीत सिंह की टीम को इसके लिए बड़ी जीत के साथ दूसरे मैच का परिणाम भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी।

भारत के पास कोई अंक नहीं

विश्व कप के नए फ़ॉरम के तहत पूरा ई और एफ में दूसरे दौर में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में जाएगी। इंग्लैंड को रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन अर्जेंटीना ने 3-1 से हराया लेकिन पहले दौर में भारत पर मिली जीत के कारण इंग्लैंड के पास तीन अंक हैं। नोदर्लैंड छह अंक के साथ अंतिम चार में पहुंच चुका है। अर्जेंटीना के भी कल मिली जीत के बाद तीन अंक हो गए हैं जबकि भारत के पास कोई अंक नहीं है।



अर्जेंटीना को दो गोल से अधिक के अंतर से हराए भारत

भारत के लिए सबसे आसान यही है कि अर्जेंटीना को दो गोल से अधिक के अंतर से हराये और इंग्लैंड को से कम तीन गोल से हारे। कुल मिलाकर भारत की राह बहुत आसान नहीं है और सामना ऐसे प्रतिद्वंद्वी से है, जो फॉर्म में है और पिछला रिकॉर्ड भी बेहतर है। नोदर्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में 40 मिनट तक बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करने के बाद आखिरी त्वाटर् में दो गोल गंवाना भारत पर भारी पड़ा। अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने कहा, 'इस तरह के मैचों में मौके मुगाने की ही बात होती है। हमने 99 प्रतिशत भी अच्छा खेला हो तो एक प्रतिशत की गलती भी भारी पड़ जाती है और हमारे साथ वही हुआ। हमें उनका खेल पता था और हम उन्हें प्रो लीग में हरा भी चुके थे लेकिन आखिरी बीस मिनट में की गई गलतियों की वजह से हम हार गए।'

इंग्लैंड के बड़े अंतर से हारने की करनी होगी दुआ

अब भारत को ना सिर्फ अर्जेंटीना को बड़े अंतर से हराना होगा बल्कि इंग्लैंड के भी बड़े अंतर से हारने की दुआ करनी होगी। अर्जेंटीना को हराना आसान नहीं होगा जिसने उसे इस साल एफआईएफ प्रो लीग में राउटकेला में 8-0 और 4-2 से हराया है। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ भी पिछले मैच में उसने जबर्दस्त प्रदर्शन करके भारत के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। उसके पास रियो ओलंपिक विजेता मटियास रे के रूप में अनुभवी कप्तान है, जो 320 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और यह उनका छठा विश्व कप है।

एफआईआर के बाद निलंबन, अब गिरफ्तारी का शिकंजा

पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया की जबलपुर से राजस्थान तक तलाश

जबलपुर। कटनी की पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण ने अब नया मोड़ ले लिया है। एफआईआर दर्ज होने और निलंबन की कार्रवाई के बाद पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। दूसरी ओर गिरफ्तारी से राहत पाने के लिए जिला न्यायालय में अग्रिम जमानत आवेदन लगाया गया, लेकिन शनिवार को उस पर सुनवाई नहीं हो सकी। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक अब मामले की सुनवाई विशेष न्यायालय के समक्ष होने की संभावना है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के बाद पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। तलाश का दायरा जबलपुर और कटनी से आगे राजस्थान तक पहुंचने की बात सामने आई है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच पूर्व सीएसपी की गिरफ्तारी और अग्रिम जमानत पर अदालत के रुख पर निगाहें टिकी हैं।

एक करोड़ की जमीन 18 लाख में खरीदने का आरोप

मामला उस समय का है, जब नेहा पच्चीसिया कटनी में सीएसपी के पद पर पदस्थ थीं। उनके खिलाफ आरोप है कि हत्या के एक मामले में दबाव बनाकर करीब एक करोड़ रुपये कीमत की जमीन को महज 18 लाख रुपये में अपने करीबी के नाम पर खरीदने का प्रयास किया गया। जांच के दौरान यह आरोप भी सामने आया कि हत्या के आरोपी रमेश लोधी को



कथित तौर पर दो दिन तक सीएसपी के सरकारी आवास में रखा गया। आरोप के मुताबिक रजिस्ट्री कराने के लिए उसे सरकारी वाहन से ले जाया गया था।

नामांतरण रुकवाने की शिकायत के बाद बड़ा विवाद

मामले में नया मोड़ तब आया, जब रमेश लोधी ने जमीन का नामांतरण रोकने के लिए आवेदन देने के साथ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की। खबर के अनुसार आरोप है कि इसके बाद उसे धमकाया गया और जेल जाने से बचने के

केस डायरी में भ्रष्टाचार की धाराएं बढ़ीं

व्यायालय में प्रस्तुत केस डायरी के संबंध में सामने आई जानकारी के मुताबिक प्रकरण में भ्रष्टाचार से संबंधित धाराएं बढ़ाई गई हैं। इसके चलते मामला विशेष न्यायालय के समक्ष विचारण के लिए भेजे जाने की स्थिति बनी है। अब आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका पर भी विशेष अदालत के समक्ष सुनवाई होने की संभावना है।

अगला फैसला अदालत में

फिलहाल इस मामले में दो मोर्चे महत्वपूर्ण हैं—एक ओर पुलिस द्वारा पूर्व सीएसपी की तलाश और संभावित गिरफ्तारी की कार्रवाई, तो दूसरी ओर अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में दायर आवेदन। शनिवार को सुनवाई नहीं हो सकी और उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को सुनवाई होने की संभावना है। अब अदालत यह तय करेगी कि आरोपों की गंभीरता, जांच की स्थिति और अन्य कानूनी पहलुओं को देखते हुए आरोपियों को गिरफ्तारी से कोई संरक्षण दिया जाता है या नहीं।

लिए 75 लाख रुपये अतिरिक्त देने का दबाव बनाया गया। आरोप है कि रकम देने से इनकार करने पर उसके परिजनों और दामाद के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किए गए और उन्हें जेल भेज दिया गया। इन आरोपों की वास्तविकता का अंतिम निर्धारण न्यायिक प्रक्रिया में होना बाकी है।

सीएसपी कार्यालय से 100 मीटर दूर मेडिकल स्टोर में चोरी

जबलपुर। आधारताल थाना क्षेत्र के महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रविवार तड़के चोरों ने मेडिकल स्टोर का शटर तोड़कर नकदी और जरूरी दस्तावेज चोरी कर लिए। घटना सीएसपी कार्यालय से करीब 100 मीटर की दूरी पर हुई। सुहागी निवासी प्रिंस पटेल पिछले एक वर्ष से बालाजी जन अरोग्यम मेडिकल स्टोर संचालित कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार सुबह दुकान खोलने पहुंचे प्रिंस ने शटर टूटा देखा और पुलिस को सूचना दी। जांच में गल्ले में रखे करीब 10 हजार रुपये, पर्स और चेकबुक गायब मिली। चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। फुटेज के आधार पर आधारताल पुलिस आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है। वारदात से आसपास के व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता है।

भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियम बदलना गलत

शिक्षक भर्ती में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2018 से जुड़ी संयुक्त शिक्षक भर्ती में अभ्यर्थियों के हित में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने साफ किया कि एक बार भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद उसके मूल नियमों में ऐसा बदलाव नहीं किया जा सकता, जिससे चयन प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हों। कोर्ट ने एकलपीठ के पूर्व आदेश को निरस्त करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि जनजातीय कार्य विभाग में नियुक्ति पा चुके मेरिटोरियस अभ्यर्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग के लिए चॉइस फिलिंग का अवसर दिया जाए। इसके बाद उनकी मेरिट और उपलब्ध पदों के आधार पर पदस्थापना की जाए। इस आदेश का असर प्रदेश में TBT-2018 की संयुक्त भर्ती से जुड़े बड़ी संख्या में शिक्षकों की पदस्थापना पर पड़ सकता है।



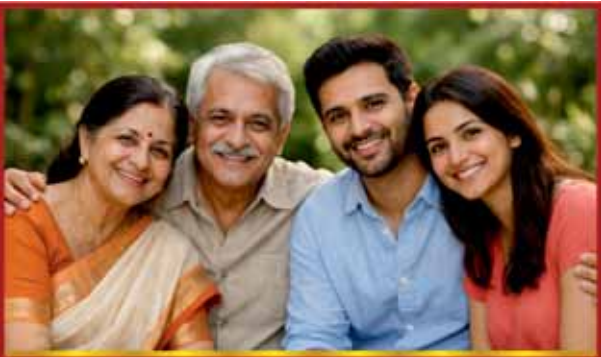
और जनजातीय कार्य विभाग के लिए संयुक्त शिक्षक भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। भर्ती के दौरान आरक्षित वर्ग के कुछ अभ्यर्थियों ने सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों से भी अधिक अंक हासिल किए। मेरिट के आधार पर ऐसे अभ्यर्थियों को जनजातीय कार्य विभाग के स्कूल आवंटित किए गए। बाद में नवंबर-दिसंबर 2022 में जारी निर्देशों के चलते जिन अभ्यर्थियों ने एक विभाग में नियुक्ति स्वीकार कर ली थी, उन्हें दूसरे विभाग की रिक्तियों के लिए होने वाली काउंसिलिंग और चॉइस फिलिंग में शामिल नहीं किया गया।

ज्यादा मेरिट वाले अभ्यर्थी हुए बाहर

अभ्यर्थियों की ओर से हाईकोर्ट में दलील दी गई कि बाद में जारी निर्देशों ने पूरी भर्ती व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। उनका कहना था कि अधिक अंक और बेहतर मेरिट होने के बावजूद उन्हें स्कूल शिक्षा विभाग में अपनी पसंद के स्कूल चुनने का अवसर नहीं मिला।

54 अपीलों पर आया फैसला

मामले में सिवनी जिले की मिडिल स्कूल शिक्षिका साक्षी ताम्रकार सहित अन्य अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में 54 अपीलों दायर की थीं। वर्ष 2018 में स्कूल शिक्षा विभाग



स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बैद्यनाथ

अर्जुनामृत

(अर्जुनारिष्ट स्पेशल)

बढ़ती उम्र के लिए लाभदायक

विडिंग, गोखरू व नागकेशर युक्त

सिद्धायु - बैद्यनाथ का भरोसा

मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करें : 844 844 4935

कांवड़ यात्रा में एयर गन से फायरिंग, पुलिस से झूमाझटकी

जबलपुर। गोरखपुर से ग्वारीघाट नर्मदा जल लेने जा रही कांवड़ यात्रा में शनिवार देर शाम एयर गन से फायरिंग के बाद विवाद की स्थिति बन गई। ग्वारीघाट थाना क्षेत्र के भीमनगर में फायरिंग की आवाज सुनकर पुलिस ने एक युवक को पकड़कर एयर गन अपने कब्जे में ले ली। इससे यात्रा में शामिल अन्य युवक नाराज हो गए और पुलिसकर्मियों से झूमाझटकी करने लगे। घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इनमें कुछ युवक पुलिसकर्मी को धरकर विवाद करते दिखाई दे रहे हैं। एक युवक द्वारा पुलिसकर्मी के हाथ से एयर गन छीनने का दृश्य भी वीडियो में नजर आ रहा है। स्थिति बिगड़ने की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति संभालते हुए एयर गन जब्त कराई और युवकों को समझाइश देकर कांवड़ यात्रा को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया।

थाना प्रभारी ने की घटना की पुष्टि

ग्वारीघाट थाना प्रभारी कन्हैया बघेल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान एक युवक ने एयर गन से फायर किया था। पुलिस ने एयर गन अपने कब्जे में लेकर युवकों को समझाइश दी और यात्रा को रवाना कराया। धार्मिक यात्रा के दौरान इस तरह फायरिंग से किसी अग्रिय घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

अब तक पांच आरोपी पकड़े गए, दो की तलाश जारी

जबलपुर। मनेरी स्थित अतुलित पेट्रोल पंप पर डकैती के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी आयुष विश्वकर्मा को जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। गढ़ा पुरवा निवासी आयुष के कब्जे से 10 हजार रुपए बरामद किए गए हैं। मामले में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि दो अन्य की तलाश में पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। गौरतलब है कि 9 अगस्त की देर रात सात नकाबपोश बदमाश स्कॉर्पियो से पेट्रोल पंप पहुंचे थे। हथियारों के बल पर कर्मचारियों को धमकाकर आरोपियों ने 93 हजार 875 रुपए लूट लिए थे। पूरी वारदात पेट्रोल पंप के सीसीटीवी



ईद मिलादुन्नबी पर बोहरा समाज ने निकाला शानदार जुलूस

जबलपुर। सारी दुनिया को इंसानियत, ईसाफ और अमन का पैगाम देने वाले पैगंबर ए इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी के शुभ अवसर पर रविवार 23 अगस्त को सुबह नौ बजे दाऊदी बोहरा समाज द्वारा बुरहानी मोहल्ला सराफा,कोतवाली बाजार से जुलूस जनाब आमिल शेख काएद जौहर एवं अंजुम ए बद्री के नेतृत्व में निकाला गया। यह जानकारी अंजुमन ए बद्री के सचिव युसुफ भाई सोनी ने देते हुए बताया कि पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाले गए इस जुलूस में मोहम्मदी स्काउट बैंड आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। जुलूस में बोहरा समाज के बच्चे,जवान और बूजुर्ग सभी सफेद लिबास में शामिल हुए। जुलूस सराफा, कमानिया, बड़ा फुहारा होते हुए कोतवाली स्थित बोहरा मस्जिद के पास समाप्त हुआ। आखिर में सैयदना डा मुफद्दल सैफुद्दीन आलीकदर साहब की दीर्घायु व स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की गई। जबलपुर के विकास और प्रगति के लिये दुआ मांगकर देश की उन्नति का भी संकल्प लिया गया। साथ ही सभी संस्कारधानी वासियों को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की गई। गौरतलब है कि आज से तकरीबन 14 सौ साल पहले से सकुदी अरब के मक्का शहर में 12 रबीउल अव्वल को हजरत मुहम्मद साहब का जन्म हुआ था।

कॉम्बिंग गश्त में 269 वारंट तामील

जबलपुर। अपराधियों पर शिकंजा कसने और जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जबलपुर पुलिस ने शनिवार रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त एवं धरपकड़ अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शहर से लेकर देहात तक पुलिस की अलग-अलग टीमों ने देर रात तक दबिश देकर लंबे समय से फरार आरोपियों और वारंटियों को पकड़ा। 22 अगस्त की रात 9 बजे से 23 अगस्त की रात 2 बजे तक चले इस अभियान में पुलिस ने कुल 269 वारंट तामील किए। इनमें कई वर्षों से फरार 117 गैर-जमानती वारंट, 85 गिरफ्तारी वारंट और 67 जमानती वारंट शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर और देहात के थानों में पदस्थ अधिकारी-



कर्मचारियों की विशेष टीमें गठित की गई थीं। प्रत्येक टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी अथवा उप निरीक्षक और सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को सौंपा गया। टीमों ने चिन्हित आरोपियों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। पुलिस के

अनुसार, कई वारंटी लंबे समय से फरारी काट रहे थे और पुलिस की गिरफ्त से बचते आ रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के

खिलाफ भी व्यापक कार्रवाई की। अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में पुलिस ने कुल 35 लीटर कच्ची शराब तथा 491 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब जब्त की। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान पुलिस ने सक्रिय गुंडे-बदमाशों की गतिविधियों की भी जांच की। देर रात आने-जाने वाले संदिग्ध लोगों को रोककर पूछताछ की गई और संदिग्ध वाहनों की जांच की गई। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखाना सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की।

पलंग पर सो रही बच्ची को सांप ने डंसा

जबलपुर। तिलवारा थाना क्षेत्र में घर के अंदर पलंग पर सो रही 10 वर्षीय बच्ची को सांप ने डंस लिया। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार तिलवाराघाट के बर्मन मोहल्ला निवासी छोटेलाल बर्मन ने सूचना दी कि उसकी 10 वर्षीय बेटी आरती बर्मन 21 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे घर के अंदर पलंग पर सो रही थी। इसी दौरान बच्ची को सांप ने डंस लिया। बच्ची ने सांप को झटककर पलंग से नीचे गिरा दिया, जिसके बाद सांप तेजी से भाग गया। कुछ देर बाद बच्ची की हालत बिगड़ने लगी और वह बेहोश होने लगी। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। रात करीब 1:15 बजे चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मार्ग कायम कर लिया है। बच्ची की मौत की परिस्थितियों को जांच की जा रही है।

की योजना बनाई और अन्य युवकों को इसमें शामिल किया था। पुलिस उससे लूट की साजिश और फरार दो आरोपियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

बरेला से मेडिकल कॉलेज तक दी दबिश

सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। इसके बाद मंडला पुलिस की टीमों ने मनेरी के अलावा जबलपुर के बरेला, भूकंप कॉलोनी और मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में भी संभावित ठिकानों पर दबिश दी थी।

हर बार नया क्यों ? बार बार आजमाइश छोड़ियें ?

अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्योंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्ज्वल रखने में भी मदद करता है।

शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित

24x7 Helpline: 87259 66666
www.roopmantra.com